शर्मा হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 114 | गुवाहाटी | गुरुवार, 17 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नए शैक्षणिक वर्ष का डीएमसीएच में शुभारंभ पेज 3
सिसोदिया ने गुजरात में आप उम्मीदवारों को किडनैप कराने का लगाया आरोप पेज 4
प्रधानमंत्री केकाशी दौरे को लेकर तैयारियां तेज पेज 5
बॉन्ड पॉलिसी के खिलाफ विस में आवाज उठाने का दिया भरोसा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम बाजरा मिशन की शुरुआत, गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला और ज्ञान केंद्रों का उद्घाटन

किसानों की आय दोगुनी करने में मदद करेगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे असम में बाजरे की खेती का विस्तार और किसानों की आय वृद्धि करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को यहां खानापाड़ा पशु चिकित्सा खेल मैदान में आयोजित एक समारोह में असम बाजरा मिशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बाजरा मिशन शुरू करने के साथ-साथ बंगाईगांव, मोरीगांव, उदालगुड़ी, गोलाघाट, करीमगंज और दरंग में छह मृदा परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया। उसी कार्यक्रम में धेमाजी और तिताबर में दो ज्ञान केंद्रों का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने 126 संयुक्त हारवेस्टर, 1000 मिनी ट्रक, 450 ग्राम स्तरीय कृषि मशीनरी बैंक, 12000 सोलर पीवी पंप सेट, पांच एचपी के 8500 डीजल पंप सेट, 5091 पावर टिलर, 1461 बहुउद्देश्यीय पल्वराइज़र, 223963 क्विंटल बीज के वितरण की प्रक्रिया भी शुरू की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा, राज्य के कृषि इतिहास में यह एक ऐतिहासिक दिन है। जिस दिन असम बाजरा मिशन की शुरूआत हुई है, उस दिन पोषण बढ़ाने और किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बाजरा मिशन फसल उत्पादकता में भी वृद्धि करेगा और फसल विविधीकरण में योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन को प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के साथ तालमेल में शुरू किया गया है। बाजरा मिशन के शुभारंभ के साथ असम के किसान अपनी फसल पद्धतियों में विविधता ला सकते हैं और पारंपरिक फसलों के अलावा बाजरा उगाने के लिए अपनी खेती का विस्तार कर सकते हैं। इसलिए, उन्होंने बाजरा मिशन शुरू करने की पहल करने के लिए कृषि विभाग को बधाई दी, जो शुरुआत में 25000 हेक्टेयर फसल भूमि में इसका प्रयोग किया जाएगा। इसके बाद इसे राज्य में 50000 हेक्टेयर कृषि भूमि तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने जिन ज्ञान केंद्रों का उद्घाटन किया है, वे राज्य के किसानों को बाजरे की खेती के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में कृषि उत्पादन में बड़ी छलांग लगाने के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष (आरआईडीएफ) के तहत राज्य भर में 96 और ज्ञान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कृषक समुदाय के कल्याण के लिए अपनी सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने किसानों से मिशन वसुंधरा 2.0 का लाभ उठाने और अपनी भूमि को पट्टा भूमि में बदलने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अगले साल से उनकी सरकार ने धान के लिए एमएसपी 2040 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपनी धान सरकार को बेच दें। उन्होंने कहा कि सब्सिडी के साथ, सरकार स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

वीर लाचित बरफुकन की जयंती पर सीएम ने किया थीम सांग लांच

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार बहादुरी और वीरता के प्रतीक महावीर लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती मना रही है। इस उत्सव की कड़ी में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने जनता भवन (असम सचिवालय) के मुख्यमंत्री के सभागार में औपचारिक रूप से एक *थीम सांग* जारी किया। *थीम सांग* को जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने खुश जतायी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के प्रसिद्ध पार्श्व गायक, अभिनेता, गीतकार जुबिन गर्ग द्वारा रचित गीत के माध्यम से महावीर लाचित के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि देने व यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि लाचित दिवस का महत्व और भावनाएं हर तरह से फैले। शीर्षक गीत में जो देशभक्ति की झलक देखी जा रही है, वह एक बार फिर असम के लोगों को देश और राष्ट्र के -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम खदान हादसे पर पीएम ने जताया दुख

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम खदान हादसे पर दुख जताते हुए बुधवार को मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट संदेश में कहा कि मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने मिजोरम में दुखद पत्थर खदान ढहने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। पीएमएनआरएफ की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

आफताब का होगा नार्को टेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा हत्याकांड में बुधवार को साकेत कोर्ट में आफताब पूनावाला का नार्को विश्लेषण परीक्षण करने की अनुमति मांगी थी लेकिन कोर्ट ने कुछ तकनीकी कारणों से इसकी इजाजत नहीं दी। अब इस पर 18 नवंबर को कोर्ट तय करेगा कि आफताब का नार्को टेस्ट होगा कि नहीं। बता दें पुलिस ने दलील दी थी कि आफताब पूनावाला पुलिस को गलत जानकारी दे रहा है। पुलिस को संदेह है कि पूनावाला ने अपनी प्रेमिका श्रद्धा वाकर के मोबाइल फोन के साथ क्या किया और जिस आरी से उसने कथित तौर पर उसकी हत्या करने के बाद उसके शरीर को काट दिया, उसके बारे में गलत जानकारी देकर जांचकर्ताओं को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। लिहाजा अब नार्को टेस्ट के जरिए ही श्रद्धा की हत्या -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
जन्म-मरण में दुःख ही है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : कांग्रेस

नई दिल्ली (हिंस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश में बढ़ती महंगाई के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? सुप्रिया ने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में देश मन की बात सुनकर थक चुका है, अब लोग अपनी समस्याओं पर बात करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश के लोगों की समस्याओं को सुनने और समझने के लिए तैयार नहीं है। सुप्रिया ने कहा कि अमेरिका में महंगाई इसलिए बढ़ी क्योंकि कोरोना -शेष पृष्ठ दो पर

ऋतिक रोशन ने तेजपुर वायुसेना छावनी में की फाइटर की शूटिंग

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर स्थित वायु सेना परिसर में बॉलीवुड हिंदी फिल्म फाइटर के दृश्यों की शूटिंग चल रही है। 13 नवंबर को तेजपुर पहुंचे फिल्म के नायक ऋतिक रोशन मंगलवार को कुछ सीन की शूट करने के बाद बुधवार को भी फिल्म की दूसरे दिन की शूटिंग में जुटे रहे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को देश की पहली एरियल कॉम्बैट फिल्म बताई -शेष पृष्ठ दो पर

तेल टैंकर आगजनी मामले में आरोपी न्यायिक हिरासत में

एजल (हिंस)। मिजोरम के चम्फाई जिला में तुइरियल एयरफील्ड के पास 22 हजार लीटर के परिवहन टैंकर में कथित तौर पर आग लगाने के आरोप में बुधवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गत 29 अक्तूबर को हुई इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी और सात घायलों का अभी भी इलाज चल रहा है। राज्य पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, 22,000 लीटर पेट्रोल लेकर एक टैंकर चम्फाई जिला में जा रहा था। लेकिन तुइरियल एयरफील्ड के पास मुख्य सड़क पर एक कछुए को बचाने की कोशिश में टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उस दिन शाम 5:50 बजे दुर्घटनाग्रस्त टैंकर में आग लग गई। इससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो

गई और 17 लोग घायल हो गए। बाद में सात और लोगों की अस्पताल में मौत हो गई। -शेष पृष्ठ दो पर

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन युग का सबसे उल्लेखनीय बदलाव : प्रधानमंत्री

बाली/नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में कहा कि डिजिटल परिवर्तन हमारे युग का सबसे उल्लेखनीय बदलाव है। भारत में हम डिजिटल एक्सेस को सार्वजनिक कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी भी बहुत बड़ा डिजिटल डिवाइड है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल परिवर्तन हमारे युग का सबसे उल्लेखनीय बदलाव है। गरीबी के खिलाफ दशकों से चली आ रही वैश्विक लड़ाई में डिजिटल तकनीकों का उचित उपयोग बल गुणक (फोर्स मल्टीप्लायर) बन सकता है। डिजिटल समाधान जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में मददगार हो सकते हैं, जैसा कि हमने कोविड के दौरान दूर से काम करने वाले और कागज रहित कार्यालयों के उदाहरणों में देखा। किन्तु ये लाभ हमें तभी मिलेंगे जब डिजिटल एक्सेस सच्चे मायने मे समावेशी हो, जब डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग सचमुच व्यापक हो। दुर्भाग्य से अभी तक हमने इस शक्तिशाली टूल को सिर्फ साधारण बिजनेस के मापदंड से ही देखा है, इस पॉवर को लाभ और हानि के बहीखातों मे बांध के रखा है। डिजिटल ट्रान्सफर्मेशन के लाभ मानवजाति के एक छोटे अंश तक ही सीमित न रह जाएं, यह हम जी-20 नेताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत के पिछले कुछ साल के अनुभव ने दिखाया है कि अगर हम डिजिटल आर्किटेक्चर को समावेशी बनाते हैं तो यह सामाजिक-आर्थिक बदलाव ला सकता है। डिजिटल उपयोग मे स्केल और स्पीड लाई जा सकती है। शासन में पारदर्शिता लाई जा सकती है। भारत ने ऐसे डिजिटल पब्लिक गुड्स विकसित किए हैं, जिनके मूल आर्किटेक्चर में ही लोकतांत्रिक सिद्धांत इन-बिल्ट हैं। ये सोल्युशंस खुला स्रोत, खुला एपीआई, खुले मानक पर आधारित हैं, जो अंतर-संचालित और सार्वजनिक हैं। भारत मे आज जो डिजिटल रेवलूशन चल रहा है, उनका आधार हमारी यही अप्रोच है। उदाहरण के तौर पर, हमारा यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लीजिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल, विश्व के 40 प्रतिशत से अधिक रीयल-टाइम भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए हुए। इसी तरह हमने डिजिटल आइडेंटिटी के आधार पर 460 मिलियन नए बैंक खाते खोले, जिस से भारत आज फाइनेंसियल समावेश में ग्लोबल लीडर बन रहा है। महामारी के दौरान भी हमारे ओपन सोर्स कोविन प्लेटफॉर्म ने मानव इतिहास के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सफल बनाया। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल में छात्र पढ़ रहे नमाज

उडूपी (कर्नाटक)। कर्नाटक के उडुपी मेंएक निजी स्कूल के छात्रों द्वारा *नमाज* पढ़ने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसको लेकर हिंदू कार्यकर्ताओं ने स्कूल के अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू कार्यकर्ताओं नेस्कूल के

अधिकारियों सेमांफी की भी मांग की। बता दें कि हिजाब विवाद शुरू होनेके बाद सेकर्नाटक मेंइसी तरह के कई अन्य मामले भी सामनेआए हैं। ताजा मामला स्कूल में *अजान* गानेका है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, उडुपी जिलेके मदर टेरेसा मेमोरियल स्कूल नेहाल ही मेंअपना वार्षिक खेल दिवस समारोह आयोजित किया था। समारोह मेंछात्रों नेकई कार्यक्रमों प्रस्तुति दी। एक कार्यक्रम के दौरान छात्र स्वागत गीत प्रस्तुत कर रहे थे। छात्र-छात्राओं नेतीनों धर्मों के गीतों -शेष पृष्ठ दो पर

पहली बार छह महिला सैन्य अधिकारियों ने पास की डिफेंस सर्विसेज परीक्षा

नई दिल्ली। पहली बार छह महिला अधिकारियों ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कालेज की परीक्षा उत्तीर्ण की है। एक महिला अधिकारी ने अपने पति के साथ यह परीक्षा उत्तीर्ण की है जो खुद सैन्य अधिकारी हैं। इनमें से दो महिला अधिकारी सेना की गुप्तचर कोर से हैं। भारतीय सेना के इतिहास में पहली बार महिला अधिकारियों को प्रतिष्ठित स्पष्ट में प्रवेश मिला है। कालेज की इस वर्ष की परीक्षा में 15 महिला अधिकारी सम्मिलित हुई थीं। मालूम हो कि इस परीक्षा में प्रत्येक वर्ष 1,500 से 1,600 अधिकारी सम्मिलित होते हैं और सिर्फ 300 चयनित होते हैं। सेना द्वारा आयोजित यह एकमात्र कोर्स है जिसके लिए अधिकारियों को सभी छह पेपर्स पूरे करने होते हैं और पास करने होते हैं जिनमें टैक्टिक्स, ला एंड मिलिट्री हिस्ट्री के पेपर शामिल हैं। हायर कमांड, हायर डिफेंस मैनेजमेंट और नेशनल डिफेंस कालेज जैसे अन्य कोर्स नामांकन पर आधारित होते हैं। डीएसएससी -शेष पृष्ठ दो पर

जी 20 नेताओं को मोदी का उपहार

बाली। इंडोनेशिया के बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व नेताओं को पारंपरिक उपहार दिए। इसमें कई राज्यों की खास कलाकृतियां शामिल रहीं। गुजरात और हिमाचल प्रदेश की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाली कलाकृतियां और पारंपरिक वस्तुएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं के लिए उपहारों की पसंद थीं। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को कांगड़ा लघु चित्रों के उपहार दिए, जो श्रृंगार रस -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में कांग्रेस का संकट बरकरार

अजय माकन ने प्रभारी पद छोड़ने की इच्छा जताई

जयपुर/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने 25 सितंबर के जयपुर के राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देते हुए राजस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी छोड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने 25 सितंबर के जयपुर के राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देते हुए राजस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी छोड़ने की इच्छा जताई है। सूत्रों का कहना है कि माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि यह पार्टी के हित में है कि राजस्थान के लिए नया प्रभारी नियुक्त किया जाए। माकन ने यह पत्र गत आठ नवंबर को लिखा था। सूत्रों ने बताया कि एक पृष्ठ के इस पत्र में माकन ने कहा है कि *भारत जोड़ो यात्रा* दिसंबर के प्रथम सप्ताह में राजस्थान में दाखिल होगी और चार दिसंबर को उपचुनाव भी है, ऐसे में जरूरी है कि जल्द से जल्द नया प्रभारी नियुक्त किया जाए। राज्य की सरदारशहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पत्र लिखकर प्रभारी पद छोड़ने का आग्रह ऐसे समय किया है जब *घोर अनुशासनहीनता* के आरोप में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी तीन नेताओं को नोटिस जारी किए हुए करीब 50 दिन का समय हो चुका है, लेकिन अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। अनुशासनात्मक समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और

उनके जवाब भी आए गए हैं। अब इस पर कांग्रेस को अध्यक्ष को फैसला करना है कि आगे क्या करना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि खरगे को लिखे पत्र में माकन ने 25 सितंबर के जयपुर के राजनीतिक घटनाक्रम को अपने नए कदम का आधार बताया है। उनका कहना है कि राजस्थान के लिए नया प्रभारी नियुक्त करना ही उचित रहेगा। माकन के करीबी सूत्रों का कहना है कि पार्टी विधायक दल की बैठक के समानांतर अलग बैठक बुलाए जाने के घटनाक्रम और इससे जुड़े कुछ अन्य घटनाक्रमों के चलते माकन ने पद छोड़ने की पेशकश की है। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थक लगातार इसकी पैरवी कर रहे हैं कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। खरगे ने पिछले महीने 26 अक्तूबर को पदभार संभाला था। राजस्थान का सियासी संकट उनके लिए पहला बड़ा इम्तहान है, हालांकि अब तक उनकी ओर से कोई विशेष पहल नहीं की गई है। इस बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि गुजरात में चुनाव संपन्न -शेष पृष्ठ दो पर

http://www.
देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Sushma Mahendra Wadkar spouse of No.- JC 702754 A, Rank Sub/Lab Tech, Name- Wadakar Mahendra Dattatray, R/O- QTR No.-08/01, base Hospital Complex, P.O. & P.S.- Tezpur, Dist-Sonitpur, Assam-784001 That I have changed my name from Sushama M Wadkar to Sushma Mahendra Wadkar & DOB is 26/08/1982. Vide affidavit before the Notary Sonitpur, Tezpur, Assam, dt.- 15/11/2022 hereby declared that Sushama M Wadkar & Sushma Mahendra Wadkar pertain to one & the same person.

NAME CHANGE

I Nigisha Ratheesh Spouse No JC 702357 F Rank – NB /SUB Name- Ratheesh V. R/O- 155 Base Hospital, C/O- 99 APO. That I have change my name from Nigisha Ratheesh to Nigisha Krishnan, DOB- 22/08/1992 Vide affidavit before the Notary, Tezpur, Sonitpur, Assam, dated- 15/11/2022 hereby declared that Nigisha Ratheesh and Nigisha Krishnan pertain to one and the same person.

मणिपुर : मुख्यधारा में लौटे 31 उग्रवादी

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री नोंगथामबम बीरेन सिंह के सामने विभिन्न उग्रवादी संगठनों के 31 सक्रिय सशस्त्र कैडर अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौट आए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सिंह ने अन्य उग्रवादियों से जंगलों से बाहर आने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। बुधवार को बैंक्वेट हॉल में इंफाल की पहली बटालियन मणिपुर राइफल्स के मुख्यालय में आयोजित वापसी समारोह में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को राज्य के विभिन्न घाटियों के कई उग्रवादी संगठनों के 31 सक्रिय सशस्त्र कैडरों ने अपने हथियार सौंपे। हथियार सौंपने वालों में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 17 कैडर, यूएनएलएफ के चार, पीआरईपीएके (पीआरईपीएके) के छह, केवाईकेएल के तीन और पीआरआईपीएके (वीसी) के एक कैडर शामिल हैं। उग्रवादियों ने इस दौरान ए-16 राइफल, एके-56 राइफल, पॉइंट 22 राइफल, डबल बैरल गन, 9 मिमी पिस्तौल और कई गोला-बारूद भी पुलिस को सौंप दिए हैं। इस मौके पर सशस्त्र उग्रवादी कैडरों को मुख्यधारा में उनकी स्वैच्छिक वापसी के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि कैडरों ने अब भारतीय संविधान में विश्वास करते हुए देश की मुख्यधारा में लौट आए हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के पुनर्वास के लिए योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2018 में संशोधित योजना से उन लोगों को लाभ मिलेगा, जिन्होंने इस योजना के तहत हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक उग्रवादी कैडर को चार लाख रुपये अनुदान का प्रावधान है। मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले तीन साल तक पुनर्वास शिविर में रहेंगे। आज के उग्रवादी वापसी समारोह के मंच से मुख्यमंत्री ने अन्य उग्रवादियों से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट आने की अपील की। उल्लेखनीय है कि इस साल जुलाई में मणिपुर के लिबरेशन टाइगर्स ऑफ ट्राइबल्स (एलटीटी) के 12 कैडरों ने इस बैंक्वेट हॉल में आयोजित मुख्यधारा वापसी समारोह में मुख्यमंत्री के सामने अपने हथियार डाल दिए थे।

एक करोड़ रुपए से अधिक के सोना के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रि-भोई (हि.स.)। रि-भोई जिला के बर्नीहाट पुलिस ने दो लोगों सोने के बिस्कुट समेत गिरफ्तार किया है। रि-भोई जिला पुलिस अधीक्षक गिरी प्रसाद ने बताया कि अवैध रूप से सोने की तस्करी की सूचना मिलने के बाद बर्नीहाट में पुलिस ने जाल बिछाया। अभियान के दौरान सोना की तस्करी में शामिल एक महिंद्रा स्कॉर्पियो (एएस-01ईजे-6407) की तलाशी के दौरान पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के 20 शुद्ध सोने के बिस्कुट जब्त किया गया है। पुलिस ने वाहन चालक और वाहन में सवार एक अन्य तस्कर को गिरफ्तार किया है। दोनों पहचान अब्दुल्ला हुसैन और संबोलंग खोंग के रूप में की गई है। दोनों जयंतिया हिल्स के लाद्रिंबाई के रहने वाले है। अवैध सोने की तस्करी लाद्रिंबाई से असम में की जा रही थी। पुलिस सोने की अवैध तस्करी के रैकेट में शामिल अन्य लोगों को पकड़ने के लिए तस्करों से पूछताछ कर रही है।

स्कॉलर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (एसआईटीएम) टेक फेस्ट

गुवाहाटी (नसं)। स्कॉलर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (एसआईटीएम) टेक इन्वेंट उद्भवन आज शुरू हो रहा है, जो 18 नवंबर 2022 तक जारी रहेगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम विविध क्षेत्रों से विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों का एक समूह है। इंजीनियरिंग, प्रबंधन, ललित कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जहां विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों, गिरिजानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, असम इंजीनियरिंग कॉलेज के युवा भाग लेंगे और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एसआईटीएम के निदेशक झूमर लोध ने यह जानकारी दी। टेक फेस्ट के समापन दिवस पर विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों के विजेताओं को 20 हजार रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस अवसर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित शिक्षाविद, पर्यावरणविद्, प्रोफेसर डॉ. परिमल च. भट्टाचार्जी। उन्होंने अतीत के बारे में पुरानी यादों के साथ सभा को संबोधित किया और छात्रों और संकाय सदस्यों की उपलब्धियों पर उन्हें बधाई देते हुए गर्व महसूस किया। उन्होंने प्रतिभागियों के लिए टेक फेस्ट के खुले होने की भी घोषणा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरों के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरों से तकनीकी हस्तक्षेप होना चाहिए। निदेशक ने अपने भाषण में छात्र के समग्र विकास के लिए ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। एसआईटीएम के अध्यक्ष, सुदीप लोध ने भी छात्रों के लिए प्रेरणा और ऐसे आयोजनों में उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के शब्दों को साझा किया।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER::: PWD LAKHIMPUR DISTRICT
TERRITORIAL BUILDING DIVISION, NORTH LAKHIMPUR

No. E/Tender/2022-23

E-TENDER NOTICE (RE-TENDER)

In cancelation to the EOI published vide No, E/Tender/2022-23/2408 Dtd. 14/09/2022 the Executive Engineer, PWD, Lakhimpur District Territorial Building Division, North Lakhimpur re-invites bid on behalf of the Governor of Assam for the following works with a validity of 180 (one hundred eighty) days from registered APWD (Bldg.) Contractor/Firm/ Pvt. Co. Limited Class-I (A, B & C) category and Class-II category (Registered under PW (B&NH) Deptt. Lakhimpur Building Circle, North Lakhimpur). Details of the Bid and Detail Notice Inviting Bid may be seen in the P.W.D portal assamtenders.gov.in

The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam. (website : http://assamtenders.gov.in)

The works are listed below.

Sl. No.	Name of Work	Approximate value of the work (Rs. in Lakh)	Time of Completion	Bid Security (2% for General & 1% for reserve category) to be drawn in favour of	Cost of Bid
1	Construction of 4 (four) Nos. of Additional Class Rooms, Laboratory, Kitchen, Toilet Block & a Cycle Stand in Model Tea Garden School at Madhupur Tea Estate in Dhemaji District	Rs. 58,15,613/-	12 Months	Executive Engineer, P.W.D. Lakhimpur District Territorial Building Division, North Lakhimpur Through 1) Internet Banking of SBI or any other bank Multi Option Payment System (SBMOPS) on http.assamtenders. gov. in 2) NEFT/RTGS in case of offline payment from any bank	Rs. 1160.00
2	Construction of 4 (four) Nos. of Additional Class Rooms, Laboratory, Kitchen, Toilet Block & a Cycle Stand in Model Tea Garden School at Siajuli Tea Estate in Lakhimpur District	Rs. 58,15,613/-	12 Months		Rs. 1160.00

Note:-
1. NIT value may be changed during uploading of tender in the website, which may be seen in Detailed NIT of the bid document.

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
Lakhimpur District Territorial Building Division.
North Lakhimpur

-- Janasanyog /C/14268/22

पृष्ठ एक का शेष

किसानों की आय...

युवाओं को मिलें और अन्य कृषि बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने किसानों को अपनी कृषि भूमि के चारों ओर साल, अगर आदि जैसे विभिन्न किस्मों के पेड़ लगाने के लिए भी कहा, जो उन्हें व्यावसायिक लाभ देने के अलावा उनकी भूमि के सीमांकन के रूप में भी चिह्नित करेगा। उन्होंने उन्हें ताड़ की खेती में विविधता लाने के लिए भी कहा। साथ ही नींबू, भूत जोलोकिया, जोहा चावल की भारी मांग को देखते हुए किसानों से इन फसलों को बहुतायत से उगाने को कहा ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने उन्हें अपनी कृषि पद्धतियों में विवेकपूर्ण होने और कृषि में एक नई क्रांति शुरू करने में राज्य की मदद करने के लिए भी कहा। उन्होंने असम को दूध, मुर्गी पालन, मछली, अंडे आदि में आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता और इन क्षेत्रों को नया जीवन देने के लिए सरकार के हस्तक्षेप पर भी बात की। कृषि मंत्री अतुल बोरा ने इस अवसर पर बोलते हुए कृषि के विकास के लिए अपने विभाग की योजनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों के कल्याण और कृषि उत्पादन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को शुरू करने में मदद करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव कृषि आशीष भूटानी ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर राज्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री जयंत मल्लाबरुवा, चाय जनजाति कल्याण मंत्री संजय किसन, विधायक अतुल बोरा, असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज बरुवा, प्रगतिशील किसान और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस मौके पर मौजूद थे।

आफताब का होगा ...

के राज को उसके सीने से बाहर निकालने की कोशिश की जाएगी। वहीं पुलिस को सोमवार शाम तक शव के 35 टुकड़ों में से करीब 13 मिल गए हैं। सभी टुकड़े हड्डियों में रूप में मिल रहे हैं। आफताब पुलिस को ये कहकर गुमराह करता रहा कि झगड़ा होने के बाद श्रद्धा छोड़कर चली गई है। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। आफताब को किसी तरह का पछतावा नहीं है। आरोपी युवक का कहना है कि दोनों एक-दूसरे पर संदेह करते थे। उसे शव को ठिकाने लगाने का आइडिया विदेशी क्राइम सीरियल डेक्सटर से आया था। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान एक मनोचिकित्सक पुलिस टीम के साथ जाएगा। परीक्षण में एक दवा का इंजेक्शन शामिल होता है जो व्यक्ति को संज्ञाहरण के विभिन्न चरणों में प्रवेश करने का कारण बनता है। यह एक कृत्रिम निद्रावस्था का चरण उत्पन्न करता है, जो एक व्यक्ति को कम हिचकिचाता है और ऐसी जानकारी प्रकट करने की अधिक संभावना होती है जो आमतौर पर चेतना की स्थिति में प्रकट नहीं होती है। नार्को जांच एक परीक्षण प्रक्रिया होती है, जिसमें शख्स को ट्रुथ ड्रग नाम से आने वाल ली एक साइकोएक्टिव दवा दी जाती है। खून में दवा पहुंचते ही आरोपी अर्धचेतन अवस्था में पहुंचता है। हालांकि कई मामलों में सोडियम पेंटोथोल का इंजेक्शन भी दिया जाता है। जांच के दौरान मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट, मनोवैज्ञानिक और डॉक्टर होते हैं। इस दौरान अर्धमूर्छित आरोपी से जांच टीम अपने पैटर्न में सवाल पूछती है। पुलिस इस मामले की जांच में लगी है कि कहीं आफताब का सहयोग किसी और ने तो नहीं किया था। हालांकि आरोपी ने इस बात से इनकार किया है लेकिन पुलिस नार्को टेस्ट कर इस बात की भी जानकारी हासिल करने की कोशिश करेगी। दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा हत्याकांड की परतों को खोलने के लिए बुधवार को क्राइम सीन को रिक्रिएट किया। इस दौरान आफताब से पूरी घटना की जानकारी ली गई। वहीं दूसरी ओर पुलिस को अभी तक आफताब के परिवार के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

तेल टैंकर आगजनी...

आग लगने के बाद कई लोग मौके पर जमा हो गए और टैंकर से प्लास्टिक के डिब्बे में पेट्रोल इकट्ठा करने लगे। इस बीच, घायलों को तुरंत आसपास के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया। घटना से निपटने के लिए दमकल की गाड़ियों के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बाद में फॉरेंसिक अधिकारियों की मदद से घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया गया। जांच में यह पाया गया कि चालक की लापरवाह ड्राइविंग के परिणामस्वरूप टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद आसपास के काफी लोग टैंकर से रिस रहे पेट्रोल को इकट्ठा करने में जुटे हुए थे, इसी दौरान आग लग गई। अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ होने के चलते पेट्रोल में तेजी से आग फैल गई। नतीजतन, दुखद दुर्घटना घटी। फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि एक व्यक्ति टैंकर के पास सड़क के बीच में लाइटर जलाते हुए और तुइरियल की ओर भागते हुए देखा गया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तुइरियल निवासी टीबीसी लालवोमाओमा (28) पुत्र लालरेमलियाना (एल) को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस पूछताछ में उसने कहा कि वह टैंकर से रिस रहे पेट्रोल को लेने गया था। लेकिन पेट्रोल लूटने के लिए मौके पर भारी भीड़ थी। अफरातफरी के चलते वह पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल नहीं ले पाया। गुस्से में उसने आग लगा दी। उसके कबूलनामे के आधार पर बॉनकोंव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 279/285/304ए/336/337/338/435 के तहत 810/22 का मामला दर्ज किया गया है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन युग...

कहा कि भारत में तो हम डिजिटल एक्सेस को सार्वजनिक कर रहे हैं, किन्तु अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर आज भी एक बहुत बड़ी डिजिटल डिवाइड है। विश्व के अधिकतर विकासशील देशों के नागरिकों के पास किसी भी प्रकार की डिजिटल पहचान नहीं है। केवल 50 देशों के पास ही डिजिटल भुगतान प्रणाली मौजूद है। क्या हम साथ मिल कर यह प्रण ले सकते हैं कि अगले दस सालों में हम हर मनुष्य के जीवन मे डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन लाएंगे, डिजिटल टेक्नॉलजी के लाभ से विश्व का कोई व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले साल अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान भारत सभी जी-20 पार्टनर्स के साथ इस उद्देश्य के लिए काम करेगा। *विकास के लिए डेटा* का सिद्धांत हमारे प्रेसीडेंसी के कुल मिलाकर थीम *एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य* का अभिन्न अंग रहेगा।

स्कूल में छात्र पढ़ ...

की प्रस्तुति दी। हालांकि, हिंदुत्ववादी कार्यकर्ताओं नेइसका विरोध किया। उन्होंनेस्टेज पर छात्रों द्वारा अजान गाए जानेका विरोध करतेहुए स्कूल अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। हिंदू समर्थक कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद, स्कूल प्रशासन नेमाफी जारी। स्कूल का कहना हैकि वेनहीं चाहतेथेकि यह मुद्दा और भड़के। कर्नाटक के उडुपी मेंपिछलेदिनों हिजाब को लेकर भी खूब बवाल हुआ था। उडुपी के कई स्कूलों कॉलेजों मेंहिजाब पहनी मुस्लिम छात्राओं को घुसनेकी इजाजत नहीं दी गई थी।

पहली बार छह महिला...

कोर्स पूरा करने के बाद अधिकारी सेना की हायर फारमेशंस में अहम पदों पर नियुक्तियों के साथ-साथ विदेशी तैनातियों के लिए योग्य हो जाते हैं। ष्ठस्स्ष्ट की स्थापना 1905 में हुई थी और इसका अभ्यर्थी होने के लिए मेरिट ही आधार है। उत्तर पुस्तिका जांचने वाले परीक्षक को अभ्यर्थी की पहचान उजागर नहीं होती है अर्थात उन्हें नहीं पता होता कि वे किसकी उत्तर पुस्तिका जांच रहे हैं। यह कोर्स प्रत्येक वर्ष जून के आखिर में प्रारंभ होता है और उसके अगले साल मई तक चलता है। इसमें अन्य देशों के करीब 50 अधिकारियों को भी प्रवेश दिया जाता है। यह पहली बार है जब महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन देने के बाद वे इस परीक्षा में सम्मिलित हुईं। फरवरी, 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को शार्ट सर्विस कमीशन की महिला अधिकारियों के लिए परमानेंट कमीशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र और भारतीय वायु सेना को निर्देश दिया कि वे 32 सेवानिवृत्त महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों को उनकी उपयुक्तता के आधार पर पेंशन लाभ देने के उद्देश्य से स्थायी कमीशन (पीसी) देने पर विचार करें। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हेमा कोहली और जेबी पारदीवाला की पीठ ने हालांकि इस आधार पर उनकी बहाली का आदेश देने से इनकार कर दिया कि उन्हें 2006 और 2009 के बीच सेवा से बहुत पहले ही रिलीज कर दिया गया था। आदेश में कहा गया है, देश की सेवा करने की अनिवार्यताओं से संबंधित जरूरत को ध्यान में रखते हुए बहाली एक व्यवहार्य विकल्प नहीं हो सकता है। खंडपीठ ने कहा कि महिला आईएएफ अधिकारी यदि स्थायी कमीशन के अनुदान के लिए भारतीय वायुसेना द्वारा पात्र पाई जाती हैं, तो वे उस तारीख से एकमुश्त पेंशन लाभ पाने की हकदार होंगी, जब वे सेवा में 20 साल पूरे कर चुकी होतीं, अगर यह जारी रहता। सीजेआई ने निष्पक्ष दृष्टिकोण लेने के लिए वायु सेना की सराहना की और केंद्र व वायु सेना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आर बालासुब्रमण्यम से वायु सेना प्रमुख और सरकार तक सराहना पहुंचाने के लिए कहा। पूर्व महिला आईएएफ एसएससी अधिकारियों को राहत देते हुए पीठ ने कहा कि वे 1993-1998 के दौरान नीतिगत निर्णय के तहत सेवाओं में शामिल हुई थीं कि उन्हें पांच साल बाद स्थायी कमीशन देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, स्थायी सेवा आयोग के लिए विचार किए जाने के बजाय उन्हें क्रमिक रूप से छह और चार साल का विस्तार दिया गया।

जी 20 नेताओं ...

को चित्रित करते हैं। अपने ब्रिटेन के समकक्ष ऋषि सुनक को पीएम मोदी ने गुजरात का *माता नी पछेड़ी* उपहार में दिया जिसमें एक कपड़े पर हस्तनिर्मित कलाकृति बनी है और इसका मतलब देवी मां के मंदिरों में प्रसाद के रूप में होता है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के छोटा उदयपुर के राठवा कारीगरों की आदिवासी लोक कला *पिथोरा* ऑस्ट्रेलियाई नेता एंथोनी अल्बनीज को भेंट की। पीएम मोदी ने अपने इतालवी समकक्ष जियोर्जिया मेलोनी को उपहार में *पाटन पटोला दुपट्टा* (स्कार्फ) दिया। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो को सूरत के कुशल धातुकर्मियों द्वारा तैयार चांदी का कटोरा भेंट किया। साथ ही अनूठा और सूक्ष्म रूप से तैयार किया गया किन्नौर शॉल उपहार में दिया जो हिमालय क्षेत्र की एक विशेषता है जिसकी जड़ें ऊन मिलिंग और कपड़ा निर्माण की प्राचीन परंपरा में हैं। फ्रांस, जर्मनी और सिंगापुर के नेताओं को पीएम मोदी के उपहार गुजरात के कच्छ क्षेत्र से जुड़े पारंपरिक शिल्प का काम *सुलेमानी कटोरे* थे। प्रधानमंत्री ने दुनिया के बड़े नेताओं को भारत की समृद्ध और प्राचीन कलाकृति और शिल्प को देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी वस्तुओं को उपहार के रूप में देने की परंपरा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने स्पेन के नेता को हिमाचल प्रदेश में मंडी और कुल्लू क्षेत्रों से जुड़े कनाल पीतल के सेट भेंट किए। इस बार उन्होंने हिमाचल प्रदेश और गुजरात से जुड़े पारंपरिक कार्यों पर फोकस किया है। संयोग से गुजरात में एक और पांच दिसंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान हुआ था। कांगड़ा लघु चित्रों में प्राकृतिक पृष्ठभूमि में प्रेम दर्शाया गया है। कनाल एक बड़ी, सीधी पीतल की तुरही है, जो एक मीटर से अधिक लंबी होती है, जिसे हिमालयी भारत के कुछ हिस्सों में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसमें धतूरा के फूल जैसी दिखने वाली एक प्रमुख घंटी होती है और इसका उपयोग औपचारिक अवसरों पर किया जाता है।

अजय माकन ने ...

होने तक आलाकमान शायद ही कोई बड़ा कदम उठाए। आलाकमान यह नहीं चाहेगा कि चुनाव के बीच राजस्थान में कोई सियासी बवाल फिर से खड़ा हो। मुख्यमंत्री गहलोत गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। माकन ने खरगे को भेजे पत्र में कहा है कि वह श्रमिक संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से दिल्ली पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, ताकि प्रदूषण, झुग्गी-बस्तियों, रेहड़ी-पटरी वालों और अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासियों से जुड़े मुद्दे उठा सकें। उन्होंने लिखा है, मेरा पिछली तीन पीढ़ियों से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ाव है और चार दशक से सक्रिय कांग्रेस सदस्य होने के कारण मैं राहुल गांधी का धुर समर्थक बना रहूंगा। राहुल गांधी पर मुझे इस कदर विश्वास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।%%उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई गई थी। इसे कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव से पहले मुख्यमंत्री को बदलने की कवायद के रूप में देखा गया था, क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि, सीएलपी की बैठक नहीं हो सकी थी, क्योंकि गहलोत के वफादार विधायकों ने संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर समानांतर बैठक की थी और सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी संभावित कदम के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इन विधायकों का कहना था कि अगर विधायक दल का नया नेता चुनना है तो वह उन 102 विधायकों में से हो, जिन्होंने जुलाई 2020 में राजनीतिक संकट के दौरान अशोक गहलोत नीत सरकार का समर्थन किया था। तब पायलट और 18 अन्य विधायकों ने गहलोत के खिलाफ बगावत की थी। इसके बाद कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति ने मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी तथा पार्टी नेता धर्मेंद्र राठौड़ को उनकी इस *घोर अनुशासनहीनता* के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे 10 दिन के भीतर यह बताने के लिए कहा था कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

महंगाई के लिए ...

काल के दौरान वहां की सरकार ने लोगों के हाथ में पैसा दिए, ताकि उन मुश्किल परिस्थितियों में भी उनका रोजमर्रा जीवन चलता रहे। लेकिन हमारे देश में मुनाफाखोरी के कारण महंगाई बढ़ी है। सुप्रिया ने कहा कि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश को जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी यात्रा के दौरान लगातार लोगों से संवाद कर रहे हैं और उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं।

ऋतिक रोशन ने तेजपुर ...

जा रही है। फिल्म में अत्याधुनिक सुखोई एमकेआई विमान के दृश्य अधिक होने के चलते तेजपुर में वायु सेना के अड्डे पर फिल्म की शूटिंग करने के लिए चुना गया है। इनमें से कुछ दृश्यों की शूटिंग कल की गई थी, जबकि फिल्म की शूटिंग आज वायुसेना परिसर में एक सिग्नल टावर के पास और मुख्य रनवे पर की गई। आज की शूटिंग में वायुसेना के कई हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया। हीरो ऋतिक रोशन ने आज की शूटिंग में हिस्सा लिया। फिल्म की शूटिंग आज दो भागों में की गई। फिल्म का पहला भाग दिन 11 बजे शुरू हुआ जबकि दूसरा हिस्सा दोपहर 2 बजे शुरू हुआ।

वीर लाचित बरफुकन ...

प्यार से भर देगी। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा, चंद्र मोहन पटवारी, रंजीत कुमार दास, जोगेन महन, संजय किसन, पीयूष हजारिका, जयंत मल्लबरुवा, बिमल बोरा और मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर भी उपस्थित थे।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

ज्ञान भक्ति वैराग है, चेतन सरहज स्वभाव।
प्रकृति योग दुर्गुण भये, मायु योग अभाव॥ 17॥

शब्दार्थ : (चेतन सहज स्वभाव) आत्मा का शुद्धस्वरूप (प्रकृति योग) प्रकृति का संबंध (मायू) शब्द, परम पुरुष।

भाष्य : आत्मा के शुद्ध स्वरूप से ही ज्ञान, वैराग्य और भक्ति होती है। प्रकृति के संबंध से इनमें दुर्गुण जाते हैं, परंतु शब्द, सत्यपुरुष के योग से इन प्रकृति के दुर्गुणों का अभाव हो जाता है।

काष्ठ अगिन विद्यमान है, अगिन योग परकाश।
नीर पाय अंदर गई, तिमि गुण कर्म विकाश॥ 18॥

शब्दार्थ : (काष्ठ) लकड़ी (विद्यमान) स्थित, मौजूद (नीर) जल।

भाष्य : लकड़ी में आग छिपी हुई है, वह संघर्षण से उसमें प्रकट हो जाती है और जल जाने पर वह आग अंदर चली जाती है, उसी प्रकार योग के द्वारा आत्म की शक्ति पूर्ण रूप से प्रकट होती है और प्रकृति के संबंध हो जाने से वह शक्ति अंदर छिप जाती है। योग-संघर्ष से आत्मा के सब चेतन गुण प्रकट हो जाते हैं और प्रकृति संबंधी गुण दूर हो जाते हैं। इसी को शुद्ध आत्मप्रकाश कहते हैं, जहां आत्मा का प्रकृति से नितांत संबंध छूट जाता है।

नए शैक्षणिक वर्ष का डीएमसीएच में शुभारंभ

धुबड़ी (हि.स.)। नव निर्मित धुबरी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल का नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया है। धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में एमबीबीएस के पहले बैच में 100 विद्यार्थी एमबीबीएस 2022-23 के पहले वर्ष की पढ़ाई करेंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने 2022-23 वर्ष के पहले बैच के नए शैक्षणिक वर्ष का शुभारंभ किया। शिक्षण प्रक्रिया शुरू होने की पूर्व संध्या पर बुधवार को धुबड़ी मेडिकल कॉलेज के सभाकक्ष में विद्यार्थियों व अभिभावकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई और विद्यार्थियों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि धुबड़ी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुवाहाटी से वर्चुअली रूप में किया था। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत और स्थानीय सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल और धुबरी मेडिकल कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष पबित्र मार्घेरिटा के अलावा दो विधायक, असम मेडिकल कॉलेज के निदेशक और अतिरिक्त निदेशक के साथ लगभग 85 प्रतिशत विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित थे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री और सांसद ने विभिन्न पहलुओं की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई। स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि कक्षाएं गुरुवार से शुरू होंगी। 100 छात्रों में से 85 प्रतिशत विद्यार्थी वर्तमान में उपलब्ध हैं, जबकि 15 प्रतिशत विद्यार्थी 22 नवंबर तक धुबड़ी मेडिकल कॉलेज पहुंच जाएंगे। मंत्री ने कैंसर अस्पताल पर जल्द काम शुरू करने का भी आश्वासन दिया।

मादक पदार्थ के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के मार्घेरिटा पुलिस थाना के अधिकारी प्रताप गोगोई के नेतृत्व में छापेमारी के दौरान बुधवार को दो युवकों को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों पास से तंबाकू के दो डिब्बे में भरे गये मादक पदार्थ को जब्त किया गया। पुलिस ने गुप्त सूत्रों के आधार पर मार्घेरिटा के बाहरी इलाके बरगोलाई पांडू घाट से दोनों युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों की पहचान देबाशीष मंडल (19) और सिकंदर मोहम्मद (18) के रूप में की गयी है। देवाशीष मार्घेरिटा ओल्ड कॉलोनी और दूसरा बोकाजन का रहने वाला है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पूछताछ कर रही है।

रेल मंत्रालय ने ट्रेन में खाद्य पदार्थों की सूची को बदलाव करने की छूट दी

गुवाहाटी (विभास)। ट्रेनों में खानपान सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे कैटरिंग एवं टूरिजम कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) को आहार सूची में जरूरी बदलाव करने की छूट देने का निर्णय लिया है, ताकि क्षेत्रीय व्यंजनों/प्राथमिकताओं, मौसमी व्यंजनों, त्यौहारों के दौरान आवश्यकता, यात्रियों के विभिन्न समूहों की पसंद के अनुसार खाद्य पदार्थों जैसे मधुमेह भोजन, शिशु आहार, बाजरा आधारित स्थानीय उत्पादों आदि सहित स्वास्थ्य भोजन विकल्प। प्रीपेड ट्रेनों के लिए जिनमें कैटरिंग शुल्क यात्री किराए में शामिल हैं, आहार-सूची पहले से अधिसूचित टैरिफ के भीतर आईआरसीटीसी द्वारा तय किया जाएगा। इसके अलावा, इन प्रीपेड ट्रेनों में एमआरपी पर भोजन के अलग-अलग व्यंजन और ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की भी अनुमति होगी। भोजन के ऐसे अलग-अलग व्यंजनों की सूची और शुल्कदर आईआरसीटीसी द्वारा तय किये जायेंगे। अन्य मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए, मानक भोजन जैसे बजट श्रेणी के खाद्य वस्तुओं की सूची आईआरसीटीसी द्वारा निर्धारित शुल्कदर के भीतर तय की जायेगी। जनता भोजन की सूची और शुल्कदर अपरिवर्तित रहेगी। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एमआरपी पर अलग-अलग व्यंजनों और ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की अनुमति होगी। इस तरह के अलग-अलग व्यंजनों की सूची और शुल्कदर आईआरसीटीसी द्वारा तय की जायेगी। सूची तय करते समय आईआरसीटीसी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि भोजन और सेवा की गुणवत्ता और मानकों में उन्नयन को बनाए रखा जाए और यात्री शिकायतों से बचने के लिए मात्रा और गुणवत्ता में कटौती, स्तरहीन ब्रांडों के उपयोग आदि जैसे बार-बार और अनुचित बदलाव नहीं होने के लिए सुरक्षा उपाय किए जायें। सूची शुल्कदर के अनुरूप और इसे पेश करने से पहले यात्रियों की जानकारी के लिए पूर्व-अधिसूचित करनी होगी।

कुमारगंज बाजार हरे नाम कीर्तन आयोजन समिति का गठन

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम थाना क्षेत्र के कुमारगंज बाजार में बुधवार को फकीराग्राम क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में कुमारगंज बाजार में आयोजित होने वाले हरे नाम कीर्तन के मद्देनजर एक सभा का आयोजन किया गया। स्थानीय बुद्धिजीवी प्रबीण सान्याल कि अध्यक्षता में आयोजित सभा में कुमारगंज बाजार में आयोजित होने वाली 20वीं हरे नाम कीर्तन (अष्ट प्रहर) को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सभा में 51 सदस्यीय कुमारगंज बाजार हरे नाम कीर्तन (अष्ट प्रहर) आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति में निपेन राय को अध्यक्ष, राजीव सरकार को सचिव के रूप में शामिल कर 51 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

कामरूप (मेट्रो) जिले में पहुंची भारत जोड़ो यात्रा, असम

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस की असम में जारी भारत जोड़ा यात्रा असम बुधवार की सुबह से कामरूप (मेट्रो) जिला से शुरू किया गया। भारत जोड़ो यात्रा असम बुधवार की सुबह कामरूप (मेट्रो) जिला से शुरू हुई। इस कार्यक्रम से पहले जालुकबाड़ी में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के साथ प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राणा गोस्वामी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवव्रत सैकिया, विधायक नंदिता दास, महिला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मीरा बाराठाकुर आदि इस मौके पर मौजूद थीं। इस यात्रा के तहत सुआलकुची में कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। ज्ञात हो कि कामरूप (ग्रामीण) जिला में 14 नवंबर को पदयात्रा का कार्यक्रम संपन्न हुआ था। छह समुदायों के असम बंद कार्यक्रम को देखते हुए मंगलवार को पदयात्रा का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। यह यात्रा मार्च 1 नवंबर से असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के नेतृत्व में धुबड़ी जिला के गोलकगंज से शुरू हुआ था। पदयात्रा अब तक धुबड़ी, बंगाईगांव, बरपेटा, नलबाड़ी और कामरूप (ग्रामीण) जिलों को पार कर चुकी है। बीते 14 दिनों में यात्रा लगभग 150 किमी की दूरी तय की है। सोमवार को कामरूप (मेट्रो) से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा मोरीगांव, नगांव, गोलाघाट, शिवसागर, जोरहाट, चराईदेव, डिब्रूगढ़ होते हुए तिनसुकिया जिला में प्रवेश कर सदिया में समाप्त होगी।

कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने मनाया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त कार्यालय में जिला प्रशासन की पहल और जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय के सहयोग से बुधवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस, 2022 मनाया गया। जिला उपायुक्त पल्लब गोपाल झा की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस दिवस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुवज्योति हजारिका, सहायक आयुक्त अनुराग रुद्र, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मणिमाला गोगोई और कई मीडिया संगठनों के पत्रकारों ने भाग लिया। गौहाटी विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग की प्रोफेसर डॉ. भारती भराली ने इस वर्ष के विषय राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। कवि कालिदास के दिनों से लेकर अब तक के विभिन्न संदर्भों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया के रूप में सामुदायिक रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने पत्रकारों से मीडिया के सिद्धांतों को प्राथमिकता देते हुए समाज को आगे ले जाने का आग्रह किया। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त पल्लव गोपाल झा ने पत्रकारों की निडर और निष्पक्ष भूमिका की सराहना की और नि:स्वार्थ भाव से पत्रकारों को सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में स्वयं को समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुबज्योति हजारिका ने बैठक में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा द्वारा दी गई शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया।

आग लगने से लाखों रुपए का सामान जला, परिवार को बचा लिया गया

चराइदेव (हि.स.)। चराईदेव मुख्यालय शहर सोनारी के भवानीपुर में बुधवार की सुबह अचानक लगी आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। सोनारी नगरपालिका के तहत वार्ड नंबर 3 निवासी शंकर दत्ता के किराए के तीन कमरे आग में जलकर राख हो गए। आग लगने से भारी मात्रा में सामान जल गया। गनीमत रही कि शंकर दत्त के परिवार को बचा लिया गया। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान जताया गया है। आग लगने से तीन गैस सिलेंडर फट गए, जिसके चलते आग और भी भयावह हो गयी। हादसे में एक बाइक भी जल गयी। मकान में किराए पर रहने वाले तीन परिवारों का सब कुछ समान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की गाड़ियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर नुकसान का आकलन करने में जुट गयी है।

अवैध रूप से अंग्रेजी शराब ले जा रहा वाहन जब्त

दरंग (हि.स.)। दरंग जिला के मंगलदै पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर अवैध रूप से अंग्रेजी शराब लेकर जा रहे एक टाटा मैजिक वाहन को जब्त किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि टाटा मैजिक (एएस-01एनसी-8334) से 400 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त किया गया। इस मामले में शराब की तस्करी मामले में शामिल शांतनू सरकार नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए अंग्रेजी शराब को मैजिक वाहन के जरिए मंगलदै से दिघीपार तक ले जाया जा रहा था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

एसएसबी के 27वें बटालियन का सीमावर्ती युवाओं के लिए भ्रमण-कार्यक्रम

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के सीमावर्ती युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 27वीं बटालियन ने गुवाहाटी और शिलांग का भ्रमण कार्यक्रम शुरू किया है। एसएसबी के भ्रमण कार्यक्रम के तहत भारत-भूटान से सटे बाक्सा जिला के सीमावर्ती क्षेत्र से कुल 20 विद्यार्थियों, जिसमें 10 युवती और 10 युवकों को चुना गया है। भ्रमण की कड़ी में विद्यार्थियों को असम विधानसभा के उपाध्यक्ष नोमल मोमिन से मिलने का मौका मिला। इतनी बड़ी शख्सियत से यह उनकी पहली मुलाकात थी इसलिए उनमें काफी उत्सुकता थी। सेंट्रल हॉल और असेंबली हाउस की भव्यता देख सभी विद्यार्थी मंत्रमुग्ध हो गए। एसएसबी के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि विधानसभा उपाध्यक्ष ने विद्यार्थियों के साथ बातचीत की और उनके साथ जलपान भी किया। इसके बाद, एसएसबी सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के महानिरीक्षक के साथ बातचीत सत्र भी आयोजित किया गया। क्षेत्रीय निदेशक आरबीआई गुवाहाटी ने भी वित्तीय मूल्य के संबंध में उनके साथ सुझाव साझा किए। विद्यार्थी असम के डीजीपी से मिले और सुसंगत बातचीत उनके लिए नई और अद्भुत सीख थी।

धूमधाम से मना श्री काल भैरव का जन्मोत्सव

गुवाहाटी (नसं)। श्री तोलियासर भैरव भक्त मंडल के तत्वावधान में श्री काल भैरव का जन्मोत्सव बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में इस अवसर पर काशी के राजा काशी के कोतवाल श्री कालभैरव का भव्य दरबार बैठाया गया। जिसमें फूलों द्वारा अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्री काल भैरव के 11वें वार्षिक उत्सव का शुभारंभ भैरव बाबा की पूजा अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात भजन-कीर्तन के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर आमंत्रित कलाकार विष्णु भोपा द्वारा बीण पर बाबा की प्रस्तुती दी गई। वहीं राजस्थान के पारंपरिक वादन मांगीलाल एंड पार्टी द्वारा डेरु नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्थानीय गायक कलाकारों ने भी अपने-अपने भजनों के पुष्प दरबार में अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने कालभैरव के दरबार में हाजरी लगाई। समिति की ओर से कालभैरव को प्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का समापन काल भैरव बाबा की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। जन्मोत्सव को सफल बनाने में श्री तोलियासर भैरव भक्त मंडल के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

नगांव प्रेस क्लब में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मना

नगांव (निसं)। आज समग्र देश के साथ ही नगांव जिला प्रशासन और नगांव प्रेस क्लब के बैनर तले नगांव प्रेस क्लब के सभागार में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पालन किया गया। बरगीत से आरंभ हुई इस सभा का उद्देश्य व्याख्या जीतेन बरकटकी ने की। प्रेस क्लब के अध्यक्ष यादव सैकिया के अध्यक्षता आयोजन प्रेस दिवस सभा में सभी वरिष्ठ और कनिष्ठ संवादाताओं को प्रेस क्लब के सचिव अजीत सैकिया ने फुलाम से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त नरेंद्र साह को भी फुलाम गमछा व जापी से स्वागत किया गया। जिला उपायुक्त नरेंद्र साह ने अपने संबोधन में प्रेस के अधिकार, स्वतंत्रता और आज के दिन राष्ट्र और समाज के निर्माण में संवाददाताओं की भूमिका के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में पधारे एडीपी कालेज के अंग्रेजी विभाग के अध्यापक अरविंदम कटकी ने जाति निर्माण में प्रेस की भूमिका विषय पर आलोकपात करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित भावना का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्म संदेश पहुंचाने की कला एवं विधा होने के साथ ही समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष अजय महतो ने अपनी स्वरचित असमिया कविता के माध्यम से पत्रकारों की कष्टमय जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं मुरली बरुवा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कनक हाजरिका, शैलेन सैकिया मंच पर उपस्थित थे।

राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन

रंगिया (निसं)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बुधवार को रंगिया महकमा प्रशासन एवं रंगिया महकमा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा महकमाधिपति कार्यालय के सभागार एक संगोष्ठी के आयोजन के साथ महकमा के पत्रकारों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रंगिया महकमा की निर्वाचन अधिकारी तथा महकमे की भारप्राप्त सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी नील हरित कौशिक के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महकमे के अंतर्गत कई पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महकमाधिपति ने सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका बहुत अहम है। वर्तमान में तकनीक के उपयोग के साथ सूचना सम्प्रेषण में सुविधा और साधनों की बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सशक्त बनाने में मीडिया के विभिन्न माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मीडिया द्वारा उभारे गए सकारात्मक विषयों से हर व्यक्ति में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। वहीं कार्यक्रम के अंतर्गत महकमा की निर्वाचन अधिकारी तथा महकमा सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी नील हरित कौशिक ने उपस्थित सभी पत्रकारों का फुलाम गामोछा के सम्मानित करते हुए सभी को उपहार भेंट किया। उन्होंने सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय प्रेस दिवस के महत्व और अन्य विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण में मीडिया का अहम योगदान होता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किए गए प्रयास राष्ट्र निर्माण में और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया किसी भी देश या समाज की वास्तविक स्थिति को रेखांकित करता है। सामाजिक घटनाओं और परिस्थितियों पर कड़ी नज़र रखने के साथ-साथ मीडिया सरकार एवं जनता के बीच एक अभिन्न कड़ी के रूप में कार्य करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगिया के वरिष्ठ पत्रकार तापस सम्माद्दार, फारुख हुसैन और बिपुल कलिता ने भी राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका विषय पर प्रकाश डाला। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार तापस सम्माद्दार ने कहा कि समाज को गतिशील और बेहतर बनाने में मीडिया की सकरात्मक भूमिका प्रारंभ से ही रही है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में पत्रकारिता जितनी निष्पक्ष होगी, उस देश का लोकतंत्र उतना ही सशक्त और समर्थ होगा। इसलिए मीडिया का यह दायित्व बनता है कि सही तथ्यों को आम जनों के बीच लाए इससे पूर्व पत्रकार तापस सम्माद्दार ने मीडिया के गौरवशाली इतिहास को सभी के सामने रखा। इसके अलावा इस दौरान भारत को सुदृढ़ बनाने में मीडिया का योगदान विषय को लेकर कई मीडिया कर्मियों ने भी अपने विचार रखे। आयोजित कार्यक्रम में महकमा के बहुत से पत्रकार मौजूद रहे।

सिसोदिया ने गुजरात में आप उम्मीदवारों को किडनैप कराने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर तंज कसते हुए बुधवार को कहा की भाजपा गुजरात विधानसभा चुनाव बुरी तरह हार रही है और अब गंदी राजनीति पर उतर गई है। उन्होंने कहा कि आप की सूरत ईस्ट से उम्मीदवार कंचन जरीवाला और उनकी फैमिली कल से गायब हैं। भाजपा ने हमारे उम्मीदवार को किडनैप कर लिया है। सिसोदिया ने बताया कि पहले कंचन जरीवाला पर दबाव बनाया जा रहा था कि वह अपना नाम वापस ले ले। मंगलवार को कंचन जरीवाला को आखिरी बार चुनाव आयोग के ऑफिस में देखा गया था। वह अपने कागजात को ठीक करवाने गये थे। उसके बाद ऑफिस के बाहर से उनका अपहरण कर लिया गया। उनका कल से फोन बंद जा रहा है। इतना ही नहीं उनका परिवार भी गायब है। उल्लेखनीय है कि इस कड़ी में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, उन्होंने लिखा कि हमारी आप की उम्मीदवार सूरत ईस्ट से कंचन जरीवाल और उनकी फैमिली कल से गायब है। भाजपा ने पहले भरपूर प्रयास किया कि उनका नॉमिनेशन रद्द कर दिया जाए, लेकिन उनका नॉमिनेशन स्वीकार कर लिया गया है, तो अब इसके बाद भाजपा ने हमारे उम्मीदवार पर दबाव बनाया कि वह अपना नाम नॉमिनेशन से वापस ले। वहीं सिसोदिया अपनी प्रेस वार्ता को खत्म करने के बाद

मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि, "अभी-अभी जानकारी मिली है कि भारी पुलिस प्रोटक्शन में कंचन जरीवाल को आरओ के ऑफिस लाया गया है और वहां उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वह अपना नॉमिनेशन वापस ले लें। मैं चुनाव आयोग से कहना चाहता हूं कि ये सरेआम दिन दहाड़े लोकतंत्र की लूट हो रही है। मैं चुनाव आयोग में जा रहा हूं और कहूंगा कि इसे तुरंत संज्ञान में ले।" वहीं आम आदमी पार्टी का टिकट बेचने के आरोप में विधायक के रिश्तेदार और पीए की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिसोदिया ने कहा कि इस घटना ने साबित कर दिया कि आम आदमी पार्टी में टिकट बिकता नहीं है। अगर पैसे लेकर कोई किसी से टिकट दिलाने की बात कर रहा है तो वह झूठ है।

इसमें आम आदमी पार्टी के दो विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी और राजेश गुप्ता का जिस तरह से नाम आ रहा है इस पर भी सिसोदिया ने कहा कि विधायकों की तरफ से किसी को टिकट देने की सिफारिश नहीं की गई। अब जो शिकायत है और गिरफ्तारी हुई है इसकी जांच की जा रही है, सच्चाई जल्दी सामने आ जायेगी। लेकिन इस घटना ने एक बात तो साफ कर दिया कि आम आदमी पार्टी पैसे लेकर टिकट नहीं देती। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए पैसे लेकर टिकट देने की एक शिकायत पर आम आदमी पार्टी के मॉडल टाउन से विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी के साले और पीए को गिरफ्तार किया है। कमला नगर के रहने वाले शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि 90 लाख रुपये में उनकी पत्नी को टिकट देने का बात कही थी।

देशवासियों के लिए अपमानजनक बातें न करें सार्वजनिक पद पर आसीन लोग : सुप्रीम कोर्ट

-न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को ऐसी बेतुकी बातों से बचना चाहिए जो अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए कोई तंत्र नहीं होने के कारण सार्वजनिक पद पर आसीन लोग अक्सर अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दृष्टिकोण हमारी संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है और इस संबंध में आचार संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस संबंध में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी जनप्रतिनिधि के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है? पीठ ने कहा कि किसी को प्रभावित करने वाले जनप्रतिनिधियों के भाषण के संबंध में नागरिकों के लिए हमेशा एक सिविल उपचार उपलब्ध होता है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में चाहे जो भी कहा गया हो, देश में एक संवैधानिक संस्कृति है, जिसमें जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बयानों पर अंतर्निहित सीमा या प्रतिबंध है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सहमति व्यक्त की लेकिन आग्रह किया कि अदालत को इस मामले पर संसद को फैसला लेने देना चाहिए। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तहसीन पूनावाला और अमीश देवगन द्वारा दायर याचिकाओं पर दो फैसले दिए हैं और उन फैसलों के आलोक में मामले की सुनवाई करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले में उठाए गए सवाल अमूर्त हैं और उन मुद्दों पर आदेश पारित करना समस्याजनक होगा। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा यह अंतर्निहित है और इस अदालत को इस संबंध में आचार संहिता तैयार करने की कोई जरूरत नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो सार्वजनिक पद पर है या लोक सेवक है एक अलिखित नियम है और यह संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है कि वे आत्म-प्रतिबंध का पालन करेंगे हैं और ऐसी बातें नहीं करेंगे हमारे अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हों। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा यह स्वाभाविक है कि सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्ति को संयम बनाए रखना चाहिए। यह एक अलिखित नियम है और संविधान की संस्कृति का हिस्सा है और उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जो अपमानजनक हो और लोगों के एक वर्ग को प्रभावित करती हो।

एसमडी चुनाव के लिए 2021 उम्मीदवारों का नामांकन नजफगढ़ में सबसे अधिक कैंडिडेट्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 के लिए जहां भारतीय जनता पार्टी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मुकाबले के लिए तैयार है वहीं छोटी पार्टियों ने भी सेंध लगाना शुरू कर दिया है। एसमडी चुनाव के लिए अब तक 2,021 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। जिसमें आप के टिकट पर 492, बीजेपी के 423 और कांग्रेस के 334 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी के 149, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 33, जनता दल यूनाइटेड के 31और अन्य दलों के 52 और 507 निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन दाखिल किया। एमसीडी चुनाव के लिए जहां 863 पुरुषों ने नामांकन दाखिल किया है वहीं 1,158 महिलाओं भी इस चुनाव के लिए मैदान में हैं। दिल्ली नगर निगम के 250 वार्डों वाले एमसीडी में 125 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, लेकिन बीजेपी और आप दोनों ने अनारक्षित सीटों पर भी महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है। वहीं दिल्ली चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार कई उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र के एक से अधिक सेट दाखिल किए हैं ताकि उनके डॉक्यूमेंट्स में किसी भी तरह की गड़बड़ी के कारण उनकी उम्मीदवारी खारिज न हो जाए। इसलिए नामांकन की संख्या उम्मीदवारों की संख्या से अधिक है। हालांकि अधिक नामांकन पत्र के सेटों में से एक सेट को रखा जाएगा बाकी को खारिज कर दिया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के चुनाव में नजफगढ़ वार्ड से 17 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है जो कि सबसे अधिक उम्मीदवारों के नामांकन वाला वार्ड है। इसके बाद बपरोला में 16 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिला किया और फिर इसके बाद मंगोलपुरी-बी, लाजपत नगर, एंड्रयूज गंज, ग्रेटर कैलाश, ललिता पार्क, आजाद नगर, सादातपुर में सिर्फ चार-चार उम्मीदवारों ने ही नामांकन दाखिल किया है। वहीं एमसीडी चुनाव के लिए 16 सीटें ऐसी हैं जहां मुकाबला सिर्फ पुरुष उम्मीदवारों के बीचे का होने जा रहा है, जहां कोई महिला उम्मीदवार नामांकन दाखिल नहीं कर रही है। नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन सोमवार 14 नवंबर को दिल्ली चुनाव आयोग को 1,986 उम्मीदवारों से 2 हजार से अधिक नामांकन प्राप्त हुए थे।

अब अरुणाचल प्रदेश में आए भूकंप के झटके

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते दिनों दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई इलाकों को सहमा कर रखने वाले भूकंप ने इस बार अरुणाचल प्रदेश में लोगों को झटका दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक बुधवार सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर अरुणाचल प्रदेश के लेपा रादा जिले में स्थित बसर इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए। बताया गया कि रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.7 रही और इस भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर भीतर की गहराई पर बसर से दक्षिण पूर्व दिशा में था। फिलहाल इस भूकंप में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हालांकि लोगों ने इस भूकंप के झटके को अच्छे से महसूस किया। बता दें कि इससे पहले नेपाल में शनिवार को 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी वजह से इसके झटके दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से लेकर उत्तराखंड तक महसूस किए गए। यह भूकंप उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 101 किलोमीटर पूर्व -दक्षिण-पूर्व में में आया था। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं शोध केंद्र के मुताबिक भूकंप 29.28 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 81.20 डिग्री पूर्वी देशांतर में बझांग जिले के पतादेबल में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। यह नेपाल में एक सप्ताह में तीसरा भूकंप है और इसका असर बिहार समेत भारत के कई हिस्सों में बार-बार महसूस किया गया।

चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट, 4 कार्यकर्ता घायल

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई में कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में दो समूहों के बीच जमकर मारपीट हुई। दरअसल तमिलनाडु से जा चुकी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का झंडा फहराने पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि यह हिंसक झड़प टीएनसीसी कोषाध्यक्ष और नंगुनेरी विधायक रूबी आर मनोहरन के समर्थकों के बीच हुई है। टीएनसीसी मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में हुई झड़प में कम से कम चार पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। पार्टी ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हाल ही में कांग्रेस के दो प्रखंड अध्यक्षों कलक्कड़ और नंगुनेरी के चुनाव परिणामों की घोषणा से क्षुब्ध मनोहरन के समर्थक पांच बसों में सवार होकर पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। आरोप यह था कि ब्लॉक अध्यक्षों, तिरुनेलवेली पूर्वी डीसीसी अध्यक्ष केपीके जयकुमार के समर्थकों को स्थानीय विधायक मनोहरन की जानकारी के बिना चुना गया था।

यह विरोध टीएनसीसी अध्यक्ष केएस अलागिरी द्वारा एआईसीसी सचिवों, पूर्व टीएनसीसी अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों, पूर्व विधायकों और सांसदों और मौजूदा विधायकों और सांसदों के साथ संसद चुनावों पर चर्चा करने और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के झंडे के खंभे लगाने के लिए निर्धारित बैठक के दौरान हुआ। इस बैठक में शामिल पार्टी के एक नेता ने बताया कि जब मनोहरन ने जोर देकर कहा कि पार्टी के भीतर हुए चुनाव को रद्द कर दिया जाना चाहिए तो अलागिरी ने कहा कि टीएनसीसी प्रमुख के रूप में उन्होंने कभी भी चुनावों में हस्तक्षेप नहीं किया और उनके पास इस तरह की भूमिका निभाने की कोई शक्ति नहीं थी। क्योंकि पार्टी के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा इसकी देखरेख की जाती थी। वहीं अलागिरी ने अराजक तत्वों के खिलाफ पार्टी आलाकमान द्वारा कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली की हवा में सुधार जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की हवा में सुधार का दौर जारी है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा सुधर रही है। बुधवार सुबह दिल्ली के नैरोजीनगर में एयर क्वालिटी इंडेक्स 176 रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले मंगलवार को दिल्ली में ओवरऑल एक्यूआई 227 दर्ज किया गया था। कुछ इसी तरह का हाल एनसीआर के शहरों का भी है। दिल्ली से सटे इन शहरों की हवा में भी सुधार जारी है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 261 दर्ज किया गया। यह एक्यूआई खराब की श्रेणी में आता है। वहीं इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर एक्यूआई 238 दर्ज किया गया। द्वारका सेक्टर आठ में एक्यूआई 281 दर्ज किया गया। आईटीओ पर यह 212 था। इसी तरह यह नजफगढ़ में 243 था। नरेला में यह 256 दर्ज किया गया। आइए अब देखते हैं कि एनसीआर के शहरों में कितना एक्यूआई दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर एक में एक्यूआई 174 दर्ज किया गया। वहीं सेक्टर 62 में एक्यूआई 261, सेक्टर-125 में एक्यूआई 207 और सेक्टर-116 एक्यूआई 211 दर्ज किया गया। वहीं हरियाणा के ग्वाल पहाड़ी में एक्यूआई 235, सेक्टर-51 में 295, टेरी गांव में 247, विकास सदन में एक्यूआई 245 दर्ज किया गया। इसी तरह फरीदाबाद के सेक्टर-11 में 289, सेक्टर 30 में 234 और सेक्टर 16ए में 265 दर्ज किया गया।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला, हल्के वाहनों को छोड़ा जा रहा दोनों ओर से

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से हल्के वाहनों को छोड़ा गया है। इस बीच मुगल रोड यातायात के लिए बंद है जबकि तथा एसएसजी राजमार्ग एकतरफा वाहनों की आवाजाही के लिए खुला है जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को दोनों ओर से हल्के यात्री व नीजि वाहनों के गुजरने के बाद अधिकारियों द्वारा भारी वाहनों को जखैनी उधमपुर से श्रीनगर की तरफ रवाना किया जाएगा। राजमार्ग संकरी होने के चलते अधिकारियों ने वाहन चालकों को

हिदायत दी है कि वह अपने वाहनों की रफ्तार को कम रखें ताकि किसी भी हादसे को रोका जा सके। अधिकारियों ने सुरक्षा बलों से अपील की है कि वह यातायात नियमों का पालन करते हुए मालवाहक व अन्य वाहनों के गुजरने और राजमार्ग की ताजा स्थिति का जायजा लेने के बाद ही वह अपने वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर ले जा सकते हैं। इसी बीच एसएसजी रोड बुधवार को यातायात के लिए एकतरफा खुला रखा गया है। वाहनों को केवल करगिल से श्रीनगर की तरफ जाने की अनुमति दी गई है। इसी बीच राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड बर्फबारी बाद बढ़ी फिसलन के चलते बंद है। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अन्य मार्गों पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नौसेना के पश्चिमी बेड़े में बदलाव, रियर एडमिरल विनीत मैक्कार्टी ने 'स्वॉर्ड आर्म' का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े के 'स्वॉर्ड आर्म' में बदलाव किया गया है। वेस्टर्न फ्लीट का बैटन फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल समीर सक्सेना ने नए फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल विनीत मैककार्टी को सौंपा। नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में एक औपचारिक नौसेना परेड आयोजित की गई, जिसमें औपचारिक ढंग से उनका स्वागत किया गया। नए फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल विनीत मैककार्टी को 01 जुलाई, 1989 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। वह प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। वह तोपखाना विशेषज्ञ हैं और गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस दिल्ली के कमीशनिंग दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने एक समुद्री रक्षा गश्ती पोत, एक निर्देशित मिसाइल पोत और लैंडिंग

प्लेटफॉर्म डॉक, आईएनएस जलाश्व के कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य किया है। उनके कमांड कार्यकाल में एंटी-सबमरीन गश्ती पोत, आईएनएस अजय, गाइडेड मिसाइल कार्वेट, आईएनएस खंजर और गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस शिवालिक शामिल हैं।

फ्लैग ऑफिसर ने भारतीय नौसेना अकादमी, गोवा में प्रशिक्षण कमांडर के रूप में और नौसेना और समुद्री अकादमी, श्रीलंका में निर्देशन स्टाफ को भी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्तियों में मुख्यालय पूर्वी नौसेना कमान में कमान योजना अधिकारी और नौसेना मुख्यालय में कमोडोर (नौसेना योजना) शामिल हैं। उन्हें फिलीपींस के समवर्ती मान्यता के साथ सिंगापुर गणराज्य में भारत के रक्षा सलाहकार के रूप में भी नियुक्त किया गया था। फ्लैग रैंक में पदोन्नति होने पर उन्होंने 10 फरवरी, 20 को नौसेना मुख्यालय में सहायक नौसेनाध्यक्ष (स्टाफ आवश्यकताएं) के रूप में कार्यभार संभाला था।

वायु सेना को गरुड़ कमांडोज के लिए नई पिस्तौल और सब मशीन बंदूकों की तलाश

- भारत में निर्मित हथियार वायु सेना के तय मानकों और जरूरतों को पूरा नहीं करते
- क्लोज-क्वार्टर युद्ध में इस्तेमाल के लिए चाहिए 60% स्वदेशी सामग्री वाले हथियार

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना गरुड़ कमांडो के लिए उच्च स्वदेशी सामग्री वाली नई पिस्तौल और सब मशीन बंदूकें खरीदना चाह रही है लेकिन स्थानीय बाजार में तय मानकों के लिहाज से जरूरत नहीं पूरी हो पा रही है। वायु सेना को क्लोज-क्वार्टर युद्ध में इस्तेमाल के लिए 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के साथ 9 एमएम की 1,900 पिस्टल और 1,800 सब मशीन गन चाहिए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के हिस्से के रूप में तैनात गरुड़ कमांडो को यह हथियार दिए जाने हैं। वायुसेना मुख्यालय ने कुछ दिन पहले इस संबंध में भारतीय वेंडरों के लिए अनुरोध पत्र (आरएफआई) जारी किया था लेकिन इसमें रखी गईं शर्तें भारतीय रक्षा उद्योग पूरा नहीं करते। वायु सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इन श्रेणियों के कुछ हथियार भारत में निर्मित किए जा रहे हैं लेकिन वायु सेना की जरूरतों, आवश्यक तकनीकी और भौतिक विशिष्टताओं को पूरा नहीं करते हैं। भारत में एक मात्र 9 एमएम पिस्तौल आयुध

कारखानों में बनाई जा रही है, जो पुरानी ब्राउनिंग हाई-पावर्ड पिस्तौल पर आधारित है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) पिछले साल स्वदेशी सब मशीन गन लेकर आया था। भारतीय सशस्त्र बल इस समय जिन हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनमें अधिकांश आयात किये गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि विशेष बलों के लिए आवश्यक हथियारों की अपेक्षाकृत इनकी कम संख्या होना भी बड़ा मुद्दा है। वायु सेना की जरूरत तभी पूरी हो सकती हैं, जब कोई भारतीय विक्रेता किसी विदेशी निमार्ता के सहयोग से आवश्यक विनिदेर्शों को पूरा करने वाला एक नया हथियार डिजाइन करे। वायु सेना को ऐसी पिस्तौल चाहिए, जिसका वजन बिना मैगजीन के 800 ग्राम से कम हो और मैगजीन क्षमता 17 राउंड या उससे ज्यादा हो। इसी तरह सब मशीन गन का वजन बिना मैगजीन के 3,200 ग्राम से कम और मैगजीन की क्षमता 25 राउंड या उससे ज्यादा होनी चाहिए। दोनों हथियार शून्य तापमान और उच्च आर्द्रता की स्थिति में भी काम करने में सक्षम हों। इसके अलावा स्वचालित, ऑप्टिकल, लेजर लक्ष्य जैसे सहायक उपकरण से लैस होना चाहिए। मौजूदा समय में वायु सेना के गरुड़ कमांडो ऑस्ट्रियाई ग्लोच्क-17.9 एमएम पिस्टल और इजराइली टीएआर-21 5.56 एमएम असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा गैलील स्नाइपर राइफल, नेगेव लाइट मशीन गन, एके-47 राइफल और बेरेटा पिस्टल जैसे कुछ अन्य हथियार हैं। वायु सेना ने अतीत में वैश्विक विक्रेताओं से नई पिस्तौल और सब मशीन गन के लिए बोली मांगी थी लेकिन खरीद प्रक्रिया में बाधा बनी रही। सितंबर, 2004 में गठित गरुड़ विशेष बल को महत्वपूर्ण वायु सेना के ठिकानों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, खोज और बचाव मिशन, आतंकवाद का मुकाबला करने, विशेष टोही, शत्रुतापूर्ण क्षेत्र में एयरबेस स्थापित करने, दुश्मन की हवाई सुरक्षा को दबाने और दुश्मन की संपत्ति को नष्ट करने, लेजर के माध्यम से हवाई हमलों का मार्गदर्शन करने का काम सौंपा गया है। गरुड़ कमांडोज को कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के हिस्से के रूप में भी तैनात किया गया है।

केंद्रीय मंत्री पटेल, पर्यटन मंत्री रेड्डी और कृषि मंत्री तोमर से मिले मंत्री कुशवाह

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण और जलशक्ति नियोजन मंत्री प्रहलाद पटेल से प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने बुधवार को नई दिल्ली में भेंट की। राज्य मंत्री कुशवाह ने केंद्रीय मंत्री पटेल से मध्यप्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण संस्थान की स्थापना के लिए पत्र सौप कर स्वीकृति के लिए अनुरोध किया। राज्य मंत्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश की जलवायु उद्यानिकी फसलों के अनुकूल है और पिछले वर्षों में प्रदेश में फल, सब्जी और मसाला उत्पादन में वृद्धि हुई है। प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की स्थापना से प्रदेश के किसानों को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होगा। प्रदेश में उच्च तकनीक वाले खाद्य प्रसंस्करण संस्थान की स्थापना से प्रदेश के किसानों के साथ ही सीमावर्ती राज्यों के किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, पर्यटन, संस्कृति मंत्री जी कृष्ण रेड्डी से भी मंत्री कुशवाह ने नई दिल्ली में भेंट की। राज्य मंत्री कुशवाह ने केंद्रीय मंत्री रेड्डी को ग्वालियर जिला के बेहट और उसके आस-पास के क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने का प्रस्ताव दिया। कुशवाह ने केंद्रीय मंत्री रेड्डी को बेहट जिला ग्वालियर में पर्यटन के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता से बुनियादी ढाँचा विकास के लिए "एम.ओ.टी." को मध्यप्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा भेजे गए पत्र की प्रति भी सौंपी। राज्य मंत्री कुशवाह ने कहा कि बेहट संगीत सम्राट तानसेन की जन्म-स्थली है। इसके अतिरिक्त बेहट और आस-पास के क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की डी. पी.आर. में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्राचीन और दर्शनीय भदावना, काशीबाबा एवं देवगढ़ के किले को भी शामिल किया गया है।

प्रधानमंत्री के काशी दौरे को लेकर तैयारियां तेज

-'काशी तमिल संगमम' की तैयारियों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवम्बर को अपराह्न 01 बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। 'काशी-तमिल संगमम' के विशाल होर्डिंग बीएचयू और आसपास के इलाकों में दिखने लगे हैं। स्वच्छता अभियान ने भी जोर पकड़ लिया है। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बुधवार को बीएचयू स्थित कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के बाद प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। बीएचयू के एंफीथिएटर ग्राउंड में कार्यक्रम की तैयारिया युद्ध स्तर पर चल रही हैं। विशाल पंडाल भी लगभग बन कर तैयार हो गया है। 'काशी-तमिल संगमम' का शुभारंभ करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी आईआईटी मद्रास के चयनित 200 मेधावी छात्रों की टीम से बातचीत भी करेंगे। 'काशी-तमिल संगमम' में आने वाले आदिनम (महंतों) को काशी में बसे लघु तमिलनाडु का भ्रमण भी कराया जाएगा। हनुमान घाट और उसके आसपास स्थित शंकर मठ सहित अन्य मंदिरों को भी दिखाने की तैयारी है। शहर में बसे तमिल परिवारों के बीच भी उन्हें ले जाया जाएगा। तमिलनाडु के 12 प्रमुख आदिनम इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं। इनका सम्मान भी किया जाएगा। समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ज्योर्तिलिंग काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम् के एकाकार पर आदिनम से संवाद भी करेंगे। काशी तमिल संगमम की शुरूआत गुरुवार से हो रही है। कार्यक्रम स्थल पर तमिलनाडु के कलाकृतियों, संस्कृतियों, मंदिरों और हेरिटेज की जानकारियां देने के साथ 30 दिन तक वहां के व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा। इसमें दक्षिण भारत के टेस्ट वाला इडली-डोसा, सांभर और उप्पम खाने को मिलेगा। साथ ही चेत्तीनाद कुसिन, कुंगनाड़ कुसिन, पोरियल (कई तरह की सब्जियों से बना व्यंजन), मोर कुलम्बु (नारियल के साथ दही और मसाले), पुली कुलम्बु, मुरुक्कू, लेमन राइस, नेई पायसम, पोरियाल पोंगल समेत सैकड़ों तरह के व्यंजन का लोग आनंद ले सकेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई है। मेहमान नवाजी काशी हिंदू विश्वविद्यालय और आईआईटी मद्रास संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इस आयोजन का प्रस्ताव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष डॉ. चमू कृष्ण शास्त्री ने दिया था।

पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ हवाओं की दिशाएं बदलने से बढ़ेगी सर्दी

कानपुर, (हि.स.)। पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता से तापमान में बराबर उतार चढ़ाव बन रहा है। इससे समय से सर्दी नहीं पड़ सकी, लेकिन अब पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही हवाओं की दिशाएं भी बदल गई हैं। ऐसे में आगामी दिनों में कानपुर सहित मैदानी क्षेत्रों में सर्दी तेजी से बढ़ेगी। यह बातें बुधवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस एन सुनील पाण्डेय ने कही। उन्होंने बताया कि इस साल सर्दी की दस्तक अक्टूबर में ही हो गई थी, लेकिन बार बार आ रहे पश्चिमी विक्षोभों के असर से अभी तक तापमान में उतनी गिरावट नहीं आ पाई, जितनी आ सकती थी। पहाड़ों पर बर्फबारी भी ज्यादा नहीं

पड़ी, फिर हवा की दिशा भी बार बार बदलती रहती है। इसीलिए कभी गर्मी लगने लगती है तो कभी ठंड का एहसास होने लगता है। लेकिन अब मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदलने वाला है, क्योंकि हाल ही में कश्मीर घाटी में बर्फबारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी हो गई है। इससे अगले कई दिन सर्दी महसूस होगी। अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक आ जाएगा। अलबत्ता, 19 नवंबर के समीप एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इससे एक बार फिर तापमान में वृद्धि हो सकती है। लेकिन नवंबर के आखिरी दिनों से ठंड अपने रंग में आने लगेगी।

इस साल पड़ेगी जबरदस्त सर्दी - मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि इस साल दिसम्बर, जनवरी और फरवरी में अच्छी सर्दी पड़ने के आसार हैं। इन्हीं महीनों में शीत लहर और कोहरे की स्थिति बनेगी। मौसम विज्ञानी का कहना है कि जिस तरह गर्मी में गर्मी ने रिकार्ड तोड़ा और मानसून में बरसात ने, उसी तरह इस बार ठंड भी कुछ नए रिकॉर्ड बना जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

खतौली सीट पर भाजपा और रालोद-सपा में आमने-सामने मुकाबला

- रालोद प्रत्याशी मदन भैया ने बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया

मेरठ, (हि.स.)। मुजफ्फरनगर जनपद की खतौली विधानसभा सीट के उप चुनाव में भाजपा और रालोद-सपा के बीच सीधा मुकाबला होगा। कांग्रेस, बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं होने से यह उपचुनाव दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। भाजपा के खतौली विधायक विक्रम सैनी को दो साल को सजा होने के कारण उनकी विधान सभा सदस्यता रद्द कर दी गई। अब इस सीट पांच दिसंबर को उप चुनाव होने जा रहा है। इस सीट पर रालोद-सपा गठबंधन ने बाहुबली मदन भैया को टिकट दिया है। बसपा और कांग्रेस ने यहां पर चुनाव नहीं लड़ रही है। भाजपा ने यहां से विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी को चुनाव मैदान में उतारा है। जबकि आजाद समाज पार्टी ने रालोद को समर्थन दिया है। ऐसे में खतौली सीट पर आमने-सामने का मुकाबला होना तय है। भाजपा के सामने इस सीट को फिर से जीतने की चुनौती है तो रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है।

रालोद को अभिषेक ने दिया झटका - रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक चौधरी गुर्जर खतौली सीट से खुद टिकट के दावेदार थे। बाहरी उम्मीदवार को टिकट मिलने से नाराज होकर अभिषेक ने रालोद छोड़ दी, भाजपा में शामिल हो गए। इससे रालोद को झटका लगा है।

मदन भैया ने दाखिल किया नामांकन - रालोद प्रत्याशी मदन भैया ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ सपा और रालोद के कार्यकर्ता थे। मदन भैया ने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा उन्हें जनता का समर्थन मिल रहा है। बाहुबली कहे जाने पर उन्होंने कहा कि बाहुबली शब्द पर रिसर्च की आवश्यकता है।

भाजपा उम्मीदवार रघुराज शाक्य ने मैनपुरी लोकसभा सीट से किया नामांकन

इटावा/मैनपुरी। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य ने नामांकन करने से पूर्व सैफई पहुंचकर दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव की समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और इसके बाद मैनपुरी पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। रघुराज सिंह शाक्य ने नामांकन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैनपुरी की जनता का आशीर्वाद उनके साथ है और मैनपुरी की जनता ही चुनाव लड़कर चुनाव जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी परिवारवादी पार्टी रही हैं उसको खत्म करने के लिए मैंने 2022 में समाजवादी पार्टी छोड़ दी थी तब से मैं भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं और भारतीय जनता पार्टी ने मुझपर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरने का प्रयास रहेगा। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य ने अपने प्रस्तावकों के साथ मैनपुरी के मुख्यालय पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया । उन्होंने कहा कि नेता जी के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है और नेता जी मेरे राजनैतिक गुरु रहे है और मैनपुरी की जनता नेता जी की विरासत उनके शिष्य रघुराज को सौंपने जा रही है। उन्होंने कहा कि बड़े राजघराने के लोगो से मिलने के लिए मैनपुरी की जनता को घंटो दरवाजे पर इंतजार करना पड़ता है। फिर भी राजघराने के लोग मुलाकात नही करते है इसलिए मैनपुरी की जनता ने मुझ जैसे जन सेवक को चुनने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी परिवारवादी पार्टी रही है इसी को देखते हुए उन्होंने 2022 में समाजवादी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था और बीजेपी ने उनपर भरोसा कर मैनपुरी से उम्मीदवार बनाया है और वह इस भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

रवि किशन के गाए चुनावी गीत "गुजरात मा मोदी छे" का पोस्टर जारी

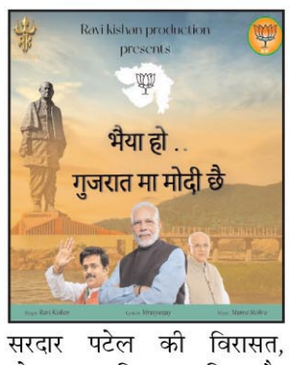

लखनऊ, (हि.स.)। भोजपुरी के सुपरस्टार और गोरखपुर के भाजपा सांसद रवि किशन ने गुजरात चुनाव के लिए गुजराती-भोजपुरी का मिक्स रैप सॉन्ग गाया है। आज इस गाने का पोस्टर जारी किया गया। गीत को कल रिलीज करने की तैयारी है। चुनावी गीत "गुजरात मा मोदी छे" के पोस्टर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की तस्वीर है। रवि किशन के प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह गाना गुजरात में रह रहे उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों की जुबान पर चढ़ जाएगा। इस गीत में प्रधानमंत्री मोदी की ईमानदारी, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ उनकी नीति के साथ गुजरात के विकास, गांधी, सरदार पटेल की विरासत, सोमनाथ, द्वारिका का जिक्र है। मुख्यमंत्री योगी के सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने यह गीत लिखा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में रवि किशन के भोजपुरी रैप सॉन्ग ..यूपी में सब बा.. ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

एसडीएम ने नगर पालिका ईओ को व्यापारियों पर लगा जुर्माना वापस लेने का दिया आदेश

फरुर्खाबाद, (हि.स.)। कायमगंज नगर के बाजार में दुकानदारों पर कूड़ा डालने के मामले में लगाया गया भारी जुर्माने को उप जिलाधिकारी कायमगंज ने वापस लेने का आदेश दिया है। उनके आदेश से व्यापारियों व दुकानदारों में खुशी है। उल्लेखनीय है कि कायमगंज नगर के बाजार में दुकानदारों द्वारा सड़क पर कूड़ा डालने एवं दुकानों के आगे अतिक्रमण के मामले में उप जिलाधिकारी कायमगंज के निर्देश पर नगर पालिका परिषद ने 25-25 हजार रुपये जुर्माने का नोटिस दुकानदारों को जारी किया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश प्रांतीय संयुक्त महामंत्री एवं नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता संगठन के सभी पदाधिकारियों के साथ उप जिलाधिकारी कायमगंज से मिले। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंप कर अपना पक्ष भी रखा। ज्ञापन के बाद प्रदेश संयुक्त मंत्री नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित संगठन के जिलाध्यक्ष मनोज कौशल, प्रदेश मंत्री/नगर महामंत्री अमित सेठ के अनुरोध पर तहसील सभागार में बैठक के दौरान उप जिलाधिकारी संजय सिंह ने जुमार्ने के नोटिस वापस लेने के आदेश दिए।

उन्होंने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को कहा कि जो व्यापारियों के नाम जुमार्ने का नोटिस दिए गए हैं उन्हें वापस कर लिया जाए। साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि इस संबंध में किसी भी व्यापारी या दुकानदार पर कार्यवाही नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारी द्वारा व्यापारी नेताओं की बात मान लेने के बाद नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता व अन्य पदाधिकारियों ने सभी व्यापारियों तथा दुकानदार भाइयों से अनुरोध करते हुए कहा है कि वे अपनी दुकान का सामान बाहर लगाकर न तो अतिक्रमण करें और न ही कूड़ा उठने के बाद सड़क पर खुले में कूड़ा डालें। उनका कहना है कि व्यापारी तथा दुकानदार इस पर अवश्य ध्यान देंगे और सभी लोग स्वच्छता बनाए रखने में भी सहयोग करेंगे। एसडीएम द्वारा उनके प्रस्ताव को मान लेने पर नगर अध्यक्ष एवं अन्य व्यापारी नेताओं ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। अवसर पर युवा प्रदेश मंत्री अतुल गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष सुबोध कुमार गुप्ता उर्फ मंसाराम, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष जितेंद्र रस्तोगी, विधानसभा क्षेत्र महामंत्री अरुण सक्सेना, मेडिकल एसोसिएशन से विवेक अग्रवाल, मनोज रस्तोगी, राजीव गुप्ता, नीरज रस्तोगी मेडिकल वाले, सौरभ रस्तोगी, राजाराम आर्य, हनी रस्तोगी, संदीप रस्तोगी आदि व्यापारी नेता तथा संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा ने सिरमटोली-मेकॉन फ्लाईओवर निर्माण में 100 करोड़ के घोटाले की जताई आशंका

रांची, (हि.स.)। रांची में सिरमटोली से मेकॉन तक बन रहे फ्लाईओवर निर्माण में भाजपा ने घोटाले की आशंका व्यक्त की है। इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने ट्विटर के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल पूछा है। इस काम में 100 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की भी बात कही है। उन्होंने आशंका जताते कहा है कि मुख्यमंत्री के विभाग में 100 करोड़ का घोटाला सामने आने को है। दीपक प्रकाश ने कहा कि रातु रोड में फोरलेन का निर्माण केंद्र सरकार के स्तर से किया जा रहा है। इसमें सिड्यूल रेट से भी कम 18 प्रतिशत कम दर रखी गयी है लेकिन सिरमटोली से मेकॉन तक के फ्लाईओवर निर्माण में रीटेंडर की प्रक्रिया किए बगैर सीधे 25 प्रतिशत का इजाफा कर दिया गया। मुख्यमंत्री को चाहिए कि वे झारखंड की जनता को बताएं कि इस 100 करोड़ के राजस्व नुकसान के षड्यंत्र में कौन-कौन लोग संलिप्त हैं।

उल्लेखनीय है कि सिरोमटोली चौक के नजदीक पटेल चौक और राजेंद्र चौक होते हुए मेकॉन गोलंबर तक फोरलेन फ्लाईओवर का निर्माण कार्य किया जाना है, जिसकी लंबाई 2.34 किलोमीटर है। इस परियोजना पर 339.69 करोड़ खर्च होंगे। इस काम को पूरा करने का जिम्मा एलएंडटी को दिया गया है। सड़क को 20 महीने में तैयार किया जाना है। इसमें 132 मीटर का केबल स्टेयड ब्रिज भी है। हेमंत सरकार ने सिरमटोली से मेकॉन तक फ्लाईओवर का कार्य सिड्यूल रेट से 25 प्रतिशत अधिक दर पर कंपनी को दिया है। इस पर सवाल है। इस कार्य में रिटेंडर की प्रक्रिया नहीं अपनाए जाने से आशंकाएं खड़ी हो रही हैं। किन्हीं कारणों से सिरमटोली से मेकॉन तक के फ्लाईओवर निर्माण कार्य में रीटेंडर की प्रक्रिया नहीं की गई। सीधे 25 प्रतिशत का इजाफा कर दिया गया।

पंकज मिश्रा की जमानत पर हुई सुनवाई, 22 नवम्बर को होगी अगली सुनवाई

रांची, (हि.स.)। साहिबगंज में अवैध खनन और टेंडर मैनेज करने के आरोपित मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। ईडी की विशेष कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान पंकज मिश्रा के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष कुछ दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय देने का आग्रह किया। अदालत ने उसे स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 22 नवंबर की तिथि निर्धारित की है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार और पंकज मिश्रा की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चन्द्रा ने पक्ष रखा। पंकज मिश्रा के अधिवक्ता ने उनके स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमानत दिये जाने की गुहार लगायी है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंकज मिश्रा पर चार जून को केस दर्ज किया था। उनके खिलाफ साहिबगंज जिला के बरहरवा थाना में वर्ष 2020 में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इस्के तहत उन्हें अभियुक्त बनाया गया है।

बिहार के कुढ़नी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पूरी ताकत लगाएगी एआईएमआईएम

पटना/मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष-सह-विधायक अख्तरूल ईमान ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी ने गुलाम मुर्तजा अंसारी को कुढ़नी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है। चुनाव में हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम किसी पार्टी या नेता के बंधुआ नहीं हैं। हर पार्टी मुसलमानों का वोट लेती है लेकिन उनके लिए कुछ करने का काम नहीं करती है। आजादी के बाद अब तक मुसलमान केवल वोट बैंक के रूप में प्रयोग होते रहे हैं। उनके विकास पर किसी ने कोई काम नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि गुलाम मुर्तजा अंसारी ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के सदस्य और पूर्व जिला पार्षद हैं। वे जदयू और राजद में भी रह चुके हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि कुढनी की चुनावी लड़ाई में गुलाम मुर्तजा अंसारी को कितने वोट मिलते हैं। माना जा रहा है कि असदुद्दीन ओवैसी नीतीश कुमार का खेल बिगाड़ने की पूरी कोशिश करेंगे। असदुद्दीन ओवैसी ने बयान जारी कर कहा कि गोपालगंज का उपचुनाव लड़ना उनकी पार्टी का सही कदम था। ओवैसी ने कहा कि वे लालू-नीतीश या कांग्रेस से पूछ कर तो चुनाव नहीं लड़ेंगे। बिहार में राजद की सरकार है, ये तजस्वी यादव को सोचना चाहिए कि लोगों ने उन्हें वोट क्यों नहीं दिया।

कुढ़नी में 40 हजार से ज्यादा मुस्लिम मतदाता हैं जबकि यादव मतदाताओं की संख्या 42 हजार हैं। भूमिहार वोटर 34 हजार हैं। राजपूत 22 हजार, कुशवाहा-कुर्मी के 36 हजार वोटर हैं। अति पिछड़ा के 25 हजार जबकि दलित और महादलित वोटर 28 हजार हैं। इसके साथ दूसरी जातियों के 19 हजार वोटर हैं।

मुख्यमंत्री ने 10459 पुलिसकर्मियों को दिया नियुक्ति पत्र

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजधानी के गांधी मैदान में आज 10 हजार 459 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया। इनमें 8246 सिपाही और 2213 अवर निरीक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस के वरीय अधिकारियों से कहा कि पुलिस में तेजी से बहाली करें। पुलिसकर्मियों को ठीक तरह से ट्रेनिंग दें। सिर्फ केस दर्ज न करें, बल्कि समय सीमा के अंदर चार्जशीट भी दाखिल करें ताकि जल्द सजा हो सके। मंच पर बैठे गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद और मुख्य सचिव को कहा कि बहाली जल्दी से कराइए। ट्रेनिंग बढ़िया से कराइए। जितना भी हम काम कह रहे हैं, उसको ठीक से कराइए। पुलिस भवन को मेंटेन करिए। इसके बाद नीतीश कुमार ने पुलिस के वरीय अधिकारियों से कहा कि हम आप लोगों से उम्मीद करें ना भाई। आप लोग खड़ा हो करके बोल दीजिए। मुख्य सचिव से लेकर डीजीपी व अन्य अधिकारियों को नीतीश कुमार ने खड़ा कराया और सबसे हामी भरवाई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था ठीक रहे इसके लिए पेट्रोलिंग की सही व्यवस्था हो। डायल 112 में और अधिक गाड़ियां बढ़ाएं ताकि लोगों को सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध हो सके। विधि व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए अधिक पुलिस बल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 2010 में हमने जो सर्वे कराया उनके अनुसार बिहार में 152232 पद बनाया। खाली पदों को भरने के लिए कई दफे बहाली हुई लेकिन दो साल कोरोना के कारण बहाली नहीं हो पायी। आज जो 10 हजार 459 पुलिसकर्मियों की नियुक्ति हुई है इसको मिलाकर कुल संख्या 108000 हुआ है।

अभी भी 44000 पर रिक्त है इसे जल्दी भरा जाये। अभी हाल ही में हमने तय कर दिया है कि पहले एक लाख की आबादी पर 115 की बहाली होनी थी अब उस अनुपात को और बढ़ाया जायेगा। हमारा एरिया सीमित है और आबादी ज्यादा है। अब एक लाख की आबादी पर 160-170 पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करनी है। डीजीपी और गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब देरी मत करिएगा, जल्दी से बहाली कराईये।

गरीबी मुक्त पंचायत बनाने की दिशा में काम कर रही है मोदी सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार गरीबी मुक्त आजीविका ग्राम पंचायत बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। आजीविका मिशन के तहत दस करोड़ घरों तक पहुंचना है, जो इससे जुड़ेंगे, उस आजिविका दीदी की न्यूनतम आय एक लाख हो जाएगी। अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के भ्रमण पर आए गिरिराज सिंह ने कहा कि निर्धनता मुक्त और संवर्धित आजीविका ग्राम पंचायत पर विषयगत दृष्टिकोण अपनाने के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ताकि उनकी निर्धनता दूर कर लखपति दीदी बनाया जाए। नरेन्द्र मोदी जब भारत के प्रधानमंत्री बने थे तो दो करोड़ 35 लाख दीदी थी, 80 हजार बैंक लिंकेज था। आज आठ करोड़ 70 लाख दीदी हैं और साढ़े पांच लाख करोड़ का बैंक लिकेज हो गया है। उस समय एनपीए 9.58 था, आज दो प्रतिशत पर आ गया है, यह देश का सबसे कम एनपीए है। आने वाले दिनों में महिलाओं को लखपति बनाएंगे तो भारत में महिलाओं के आमदनी से जीडीपी पांच ट्रिलियन बढ़ने की संभावना है। आईएमएफ और मोरगेन एसट्रेलनी ने कहा है कि भारत आने वाले दस साल में साढ़े सात ट्रिलियन का होगा। इसमें ग्राम पंचायत और आजिविका दीदी का महत्वपूर्ण योगदान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए गए सतत विकास लक्ष्य के अनुरूप पंचायत राज मंत्रालय ने एसडीजी के लिए विषयगत दृष्टिकोण अपनाया है। यह वैश्विक योजना अर्जित करने के लिए स्थानीय कार्रवाई सुनिश्चित करने का दृष्टिकोण है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य पीआरआई और विशेष रूप से ग्राम पंचायतों के माध्यम से 17 लक्ष्यों को नौ थीम में शामिल कर ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीजी का स्थानीयकरण करना है।

इस नीतिगत निर्णयों और संशोधनों के कारण राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान तथा ग्राम पंचायत विकास योजना के दिशा-निदेर्शों में सुधार हुआ है, जो ग्राम पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण की प्रक्रिया को सुगम बनाता है। सभी राज्य को नौ थीम दिया गया है तथा राज्यों द्वारा पंचायत को दो-दो थीम प्रदान किए गए हैं। किसी पंचायत ने शिक्षा को प्राथमिकता दिया है तो कोई तो कोई पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य और ग्रीन एनर्जी को अपना रहा है। पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के एजेंडे के अनुसरण के लिए पंचायती राज मंत्रालय नौ थीमों पर विभिन्न स्थानों पर पंचायती राज संस्थाओं, ग्रामीण विकास संस्थानों, संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से कार्यशाला तथा सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित कर रहा है। एलएसडीजी का प्रभावी और प्रभावशाली कार्यान्वयन तभी हो सकता है, जब त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थानों द्वारा अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को समुचित रूप से समझा, आत्मसात एवं कार्यान्वित किया जाए।

जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकास प्रक्रिया में कोई भी पीछे नहीं छूट जाए। निर्धनता मुक्त पंचायत सुनिश्चित करेगा कि सामाजिक सुरक्षा हो, ताकि कोई भी फिर गरीब नहीं हो जाए।

क्रीड़ा भारती के उत्तर बिहार प्रांत प्रचार प्रमुख बनें सीवान के इंदल सिंह

सीवान, (हि.स.)। क्रीड़ा भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र (बिहार - झारखंड) की बैठक उत्तर बिहार प्रांत के मुख्यालय मुजफरपु परर में पिछले दिनों संपन्न हुई। इस मौके पर क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी द्वारा उत्तर बिहार प्रांत कार्यकारिणी का विस्तार करने के साथ-साथ ही 16 से 18 दिसंबर 2022 तक लखनऊ में आयोजित होने वाले क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपेक्षित कार्यकर्ताओं की शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने,संगठन विस्तार,युवा आयाम, दिव्यांग आयाम, मातृशक्ति आयाम, क्रीड़ा क्रेंद्र संचालन सहित राज्य में खेल - खिलाड़ियों के उत्थान हेतु विस्तार से हुई चर्चा हुई।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी ने उत्तर बिहार प्रांत कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सीवान के इंदल कुमार सिंह को उत्तर बिहार प्रांत का प्रचार प्रमुख, सीवान के संजय कुमार को प्रांत क्रीड़ा केन्द्र प्रमुख, बेगूसराय के रणधीर कुमार को प्रांत युवा आयाम प्रमुख एवं सीवान के रिंकू सिंह व सोनपुर की आरती कुमारी को मातृशक्ति आयाम का प्रांत सह प्रमुख नियुक्त किया गया।

संपादकीय

हिंसा की जमीन

कुछ दिनों पहले एक स्थानीय नेता को गोली मार दी गई थी। उससे पहले गायक सिद्धू मूसेवाला को दिनदहाड़े मार दिया गया था। हर मामले में वहां की सरकार दावा करती है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और राज्य में कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद बना दिया जाएगा। मगर इस दिशा में कोई संतोषजनक कदम उठाए जाते नहीं दिखते। ताजा घटना में जिस व्यक्ति को गोली मारी गई, उस पर बेअदबी के आरोप थे और उसे मारने की धमकियां लगातार मिल रही थीं, इसलिए उसे सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराए गए थे। जिस वक्त उसे छह लोगों ने गोली मारी, उस वक्त भी सुरक्षाकर्मी वहां मौजूद थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमालावर किस कदर सुरक्षा-व्यवस्था से बेखौफ थे।

पंजाब में जबसे नई सरकार आई है, हत्याओं का सिलसिला तेज हो गया है। चिंता की बात है कि इस समय वहां फिर से अलगाववादी ताकतें उभार पर हैं। ब्रिटेन में बैठा एक शख्स इशारा करता है और पंजाब में हत्याएं हो जाती हैं। अभी बेअदबी के सात साल पुराने एक मामले के आरोपी की उसके सुरक्षाकर्मियों के सामने गोली मार कर हत्या कर दी गई।

इससे पहले शिवसेना टकसाली के सुधीर सूरी को जब गोली मारी गई, तो उससे पहले खुलेआम धमकियां दी जाती रही थीं, मगर पुलिस ने उसकी सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए, जिसका नतीजा उसकी मौत के रूप में सामने आया। सरकारों की साख राज्य की कानून-व्यवस्था के बल पर बनती है। मगर पंजाब की नई आम आदमी पार्टी सरकार इस मामले में पूरी तरह विफल नजर आ रही है। आखिर क्या वजह है कि उसके आते ही अपराधी एकदम से बेखौफ गए और दिन-दहाड़े हत्या करने में भी संकोच नहीं कर रहे। सरकार दावा करती है कि वह दोषियों को पकड़ने में सफल रही है, मगर केवल इस दावे से उसके अच्छे प्रशासन का पता नहीं चलता। अच्छी कानून-व्यवस्था तो उसे कहते हैं, जिसमें अपराधी अपराध करने से पहले बार-बार सोचें। फिर क्या वजह है कि वर्षों पहले जो अलगाववाद वहां दब गया था, वह एकदम से कैसे उभरने लगा! पंजाब लंबे वक्त तक अलगाववाद की आग में जल चुका है, वहां अमन कायम करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। क्या सरकार की लापरवाही की वजह से वही वातावरण फिर से बनता नहीं दिख रहा। कैसे वहां की खुफिया एजेंसी उन लोगों की टोह लेने में विफल साबित हो रही है, जो राज्य में फिर से अशांति का वातावरण बनाना चाहते हैं। ऐसी घटनाओं को लेकर फिर से सवाल उठने लगे हैं कि क्या वास्तव में आम आदमी पार्टी खालिस्तान समर्थकों के प्रति नरम रुख रखती है। जिस वक्त पंजाब में विधानसभा के चुनाव हो रहे थे, उस वक्त अरविंद केजरीवाल पर सार्वजनिक मंच से आरोप लगाया गया था कि वे खालिस्तान समर्थकों के प्रति उदार रुख अपनाते हैं। पूछा जा सकता है कि क्या वजह है कि वहां आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद भी खालिस्तान समर्थक दहशतगर्द एकदम से सक्रिय हो उठे। भगवंत मान सरकार को समझना चाहिए कि अगर इस मामले में थोड़ा भी लचीला या ढीला-ढाला रुख रखती है, तो उसके नतीजे पूरा पंजाब ही नहीं, देश को भुगतने पड़ सकते हैं। ताजा घटना में फेसबुक पर लिख कर कनाडा में रह रहे गोल्डी बरार ने जिम्मेदारी ली है। क्या पंजाब की सुरक्षा एजंसियों के लिए यह पता लगाना इतना कठिन है कि पंजाब में बरार से जुड़े लोग कहां सक्रिय हैं।

कुछ अलग

कामकाजी तनाव में असंतुलित जिंदगी

इस सूची में काम का अत्यधिक बोझ, नकारात्मक व्यवहार, भेदभाव और कार्यस्थल पर तनाव को कर्मचारियों की मनःस्थिति के लिए तकलीफदेह बताया गया है। अनुमान है कि मानसिक अवसाद और बेचैनी के कारण हर वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था को करीब एक हजार अरब डालर का नुकसान पहुंचता है। साथ ही इससे कामकाजी लोगों के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में असंतुष्टि, व्यग्रता और अलगाव पैदा होता है। खराब मानसिक स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के प्रदर्शन और उत्पादकता पर नकारात्मक असर डालता है। कोविड काल के बाद कामकाजी दबाव और रोजगार से जुड़ी चिताएं दुनिया के हर कोने में बढ़ी हैं। इस आपदा के बाद बेचैनी और मानसिक अवसाद के मामलों में पच्चीस फीसद की वृद्धि हुई है। हालात ऐसे हो चले हैं कि पहली बार यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने प्रबंधकों के प्रशिक्षण की सिफारिश कर कामगारों के लिए तनावपूर्ण माहौल पर लगाम लगाने की बात कही है। दुनिया के हर हिस्से में अवसाद और तनाव का घेरा हर आयुवर्ग के कामकाजी लोगों के जीवन की सहजता में बाधा बन रहा है। जून 2022 में प्रकाशित वर्ल्ड मेंटल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार कामकाजी लोगों में पंद्रह फीसद वयस्कों को मानसिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हमारे देश के परिप्रेक्ष्य में एसोचैम की एक रिपोर्ट बताती है कि निजी और सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले करीब 42 ।5 फीसद कर्मचारी अवसाद का शिकार हैं। समझना मुश्किल नहीं है कि कार्यस्थल पर दबाव झेल रही उनकी मनःस्थिति सामाजिक और पारिवारिक मोर्चे पर भी सहज जीवन में बाधा बन रही है। कुछ समय पहले गोदरेज कंपनी द्वारा भारत के तेरह

शहरों में करवाए गए एक सर्वे में 68 ।2 फीसद लोगों ने माना था कि वे अपनी शर्तों पर जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं, न अपने परिवार को समय दे पाते हैं। उनका कहना था कि कामकाज की भागदौड़ और जिंदगी में संतुलन ही नहीं बचा है। गौरतलब है कि उन्हें सप्ताह के छह दिन बारह घंटे काम करना पड़ता है। ध्यातव्य है कि चीन की बड़ी तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप में यह कार्य संस्कृति आम है। हमारे यहां भी निजी कंपनियों की कार्य संस्कृति कुछ ऐसी ही है। यह देखने में बहुत सहज और सुविधाजनक लगती है, पर युवा इस आपाधापी के परिवेश का तनाव नहीं झेल पा रहे हैं। अध्ययन बताते हैं कि निजी क्षेत्र में मिलने वाले कामकाजी दबाव के चलते तीस से चालीस वर्ष के लोगों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मानसिक व्यग्रता और दिल की बीमारियां बढ़ी हैं। इसकी वजह यह भी कि कर्मचारियों में काम का तनाव बहुत बढ़ गया है, पर शारीरिक गतिविधियों में कमी आई है। इजराइल के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने कामकाजी आबादी के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर उपजी चिंताओं से निपटने के लिए ठोस उपाय किए जाने की बात कही है। उन्होंने कार्यस्थल पर नकारात्मक परिस्थितियों और संस्कृतियों पर लगाम लगाने और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर अनुशंसा जारी की है।

मधुमेह होने और बढ़ने का संबंध कार्यस्थल के तनाव से जुड़ा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सामाजिक सहायता के अभाव में ऐसी बीमारियों का खतरा और बढ़ जाता है। तेल अवीव विश्वविद्यालय के 'जर्नल आफ आक्यूपेशनल हेल्थ एंड साइकालजी' के अनुसार सामाजिक सहायता की कमी और कार्यस्थल पर अत्यधिक तनाव के चलते स्वस्थ कर्मचारियों में भी आगे चल कर इस रोग के होने की आशंका है। यानी दफ्तरों में कामकाज के माहौल और कर्मचारियों की मानसिकता का सीधा संबंध है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी अनुशंसाओं में इन्हीं स्थितियों के निपटने की बात कही है। आमतौर पर कार्यस्थल पर कर्मचारियों की मनःस्थिति को प्रभावित करने वाले कामकाजी दबाव की गंभीरता को समझा ही नहीं जाता, जबकि भावनात्मक रूप से परेशान करने वाली ऐसी तनावजन्य परिस्थितियां जीवन के हर पहलू पर असर डालती हैं। बावजूद इसके, केवल पैंतीस फीसद देशों में कामकाज संबंधी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के सिलसिले में राष्ट्रीय कार्यक्रम बने हुए हैं। यही वजह है कि यूएन श्रम एजेंसी ने बाकायदा नीतिपत्र जारी कर सरकारों, नियोक्ताओं, कामगारों और निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में उनके संगठनों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के इन दिशानिर्देशों की जानकारी पहुंचाई है। यूएन श्रम एजेंसी द्वारा जताई जा रही चिंता विशेष रूप से उन पेशों से जुड़े लोगों की भी है।

राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक एवं नशे की संस्कृति चिन्ता का सबब बन रही है

पंजाब सरकार को कानून व्यवस्था संभालने के प्रति जल्द ही गंभीर होना होगा

ललित गर्ग

पाकिस्तान देश में अशांति के लगातार प्रयत्न कर रहा है, उसमें युद्ध लड़ने की क्षमता एवं साधन-सुविधाओं का अभाव है। वैसे भी अब युद्ध मैदानों में सैनिकों से नहीं, भितरघात करके, निर्दोषों की हत्या कर लड़ा जाता है। सीने पर वार नहीं, पीठ में छुरा मारकर लड़ा जाता है ।पाकिस्तान देश में अशांति के लगातार प्रयत्न कर रहा है, उसमें युद्ध लड़ने की क्षमता एवं साधन-सुविधाओं का अभाव है। वैसे भी अब युद्ध मैदानों में सैनिकों से नहीं, भितरघात करके, निर्दोषों की हत्या कर लड़ा जाता है।

देश की कृषि एवं महापुरुषों की शांति भूमि राजनीतिक कारणों से हिंसा, आतंकवाद एवं नशे की भूमि बन गयी है। जबसे आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, हिंसा, हथियारों एवं नशे की उर्वरा भूमि बनकर जीवन की शांति पर कहर ढहा रही है। राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक एवं नशे की संस्कृति चिन्ता का सबब बन रही है। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं और अधिकांश लोग नशे में डूब रहे हैं। हथियारों का खुला प्रदर्शन और खूनखराबा आम बात हो गयी है। इस प्रकार यह हथियारों की श्रृंखला, नशे का नंगा नाच, अमानवीय कृत्य अनेक सवाल पैदा कर रहे हैं। कुछ सवाल लाशों के साथ सो गये। कुछ समय को मालूम है, जो भविष्य में उद्घाटित होंगे। इसके पीछे किसका दिमाग और किसका हाथ है? आज करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में यह सवाल है। क्या हो गया है हमारे पंजाब को? पिछले लम्बे दौर से हिंसा रूप बदल-बदल कर अपना करतब दिखाती है- विनाश और निर्दोष लोगों की हत्या का। निर्दोषों को मारना कोई मुश्किल नहीं। कोई वीरता नहीं। पर निर्दोष तब मरते हैं जब पूरा देश घायल होता है। पंजाब की घायल अवस्था पर आम आदमी पार्टी सरकार जागी है, प्राथमिक तौर पर ही सही, उसने पहला कदम तो यह उठाया कि हिंसा को बढ़ावा देने वाले गीतों और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी। अब सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। यानी सार्वजनिक समारोह, धार्मिक स्थलों, शादियों और इसी तरह के आयोजनों में हथियारों के प्रदर्शन और इस्तेमाल पर रोक रहेगी। संभावना है कि सरकार की जागरूकता से जटिल होते पंजाब के हालात सुधरेंगे। देश की कृषि एवं महापुरुषों की शांति भूमि राजनीतिक कारणों से हिंसा, आतंकवाद एवं नशे की भूमि बन गयी है। जबसे आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, हिंसा, हथियारों एवं नशे की उर्वरा भूमि बनकर जीवन की शांति पर कहर ढहा रही है। राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक एवं नशे की संस्कृति चिन्ता का सबब बन रही है। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं और अधिकांश लोग नशे में डूब रहे हैं। हथियारों का खुला प्रदर्शन और खूनखराबा आम बात हो गयी है। इस प्रकार यह हथियारों की श्रृंखला, नशे का नंगा नाच, अमानवीय कृत्य अनेक सवाल पैदा कर रहे हैं। कुछ सवाल लाशों के साथ सो गये। कुछ समय को मालूम है, जो भविष्य में उद्घाटित होंगे। इसके पीछे किसका दिमाग और किसका हाथ है? आज करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में यह सवाल है। क्या हो गया है हमारे पंजाब को? पिछले लम्बे दौर से हिंसा रूप बदल-बदल कर अपना करतब दिखाती है- विनाश और निर्दोष लोगों की हत्या का। निर्दोषों को मारना कोई मुश्किल नहीं। कोई वीरता नहीं। पर निर्दोष तब मरते हैं जब पूरा देश घायल होता है। पंजाब की घायल अवस्था पर आम आदमी पार्टी सरकार जागी है, प्राथमिक तौर पर ही सही, उसने पहला कदम तो यह उठाया कि हिंसा को बढ़ावा देने वाले गीतों और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी। अब सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। यानी सार्वजनिक समारोह, धार्मिक स्थलों, शादियों और इसी तरह के आयोजनों में हथियारों के प्रदर्शन और इस्तेमाल पर रोक रहेगी। संभावना है कि सरकार की जागरूकता से जटिल होते पंजाब के हालात सुधरेंगे। पंजाब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता उन विद्रोही खूनी हाथों को खोजना होना चाहिए जो शांति एवं अमन के दुश्मन हैं। सरकार को इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी पंजाब की सारी खोजी एजेंसियों की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं। कोई उद्योग, व्यापार ठप्प कर सकता है। कोई शासन प्रणाली को गूंगी बना सकता है। इसलिये सरकार का सारा जोर हथियारों पर रोक को लेकर है, क्योंकि राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक संस्कृति ने सरकार की नींद उड़ा दी है। छोटे-मोटे विवादों में भी लोग आवेश में आ जाते हैं और हथियारों का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। ऐसे विवाद दुश्मनी में बदलते देर नहीं लगती और इसका नतीजा उसी खूनखराबे एवं हत्याओं के रूप में सामने आता है जो पिछले कुछ महीनों में देखने को मिलता रहा है। शिवसेना (टकसाली) के नेता सुधीर सूरी हों या डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी प्रदीप सिंह की हत्या की घटना, जिस तरह से बेखौफ आपराधिक तत्वों ने इन घटनाओं को अंजाम दिया, वह सरकार की कानून व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। जो सरकार की नाकामी को ही प्रदर्शित कर रहा है। क्या सरकार को यह नहीं देखना चाहिए कि हथियारों तक लोगों की पहुंच इतनी आसान कैसे होती जा रही है? आखिर राज्य पुलिस का सूचना तंत्र कर क्या रहा है? खुफिया एजेंसियां क्या कर रही हैं? पंजाब ने अपने सीने पर लम्बे समय तक आतंकवाद को झेला है, हिंसा, हत्याओं एवं आपराधिक गिरोहों का यहां इतिहास पुराना है और अब तो यह साफ हो गया है कि राज्य में जिस तरह के अपराध हो रहे हैं, उन्हें अंजाम देने वाले सरगना विदेशों में बैठे हैं। कुछ महीने पहले पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद तो कोई संदेह ही नहीं रह गया कि राज्य में अपराध किस तेजी से बढ़ रहे हैं। पंजाब को आधार बनाकर विदेशी ताकतें देश में अशांति, अराजकता, अपराध एवं आतंकवाद को पनपाने के लिये आर्थिक एवं अराजक मदद कर रही हैं। पंजाब कई मायनों में अधिक संवेदनशील राज्य है। यह राज्य पाकिस्तान की सीमा से सटा है। सीमा पार से हथियारों और नशीली पदार्थों की तस्करी कोई छिपी बात नहीं है। अब तो पाकिस्तान की ओर से यहां ड्रोन से भी हथियार गिराने की घटनाएं आम हो गई हैं। ऐसे में कड़ी सुरक्षा की जरूरत है। वैसे पंजाब में सीमाई इलाकों में सीमा सुरक्षा बल और सेना भी तैनात रहती ही है, लेकिन राज्य पुलिस की भूमिका कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। जाहिर है, हर स्तर पर पुलिस तंत्र को मजबूत और चौकन्ना बनाने की जरूरत है। पंजाब सरकार को राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर शांति एवं अमन कायम करना चाहिए साथ ही ज्यादा चुस्त-दुरुस्त एवं चौकन्ना भी रहना चाहिए। पाकिस्तान देश में अशांति के लगातार प्रयत्न कर रहा है, उसमें युद्ध लड़ने की क्षमता एवं साधन-सुविधाओं का अभाव है। वैसे भी अब युद्ध मैदानों में सैनिकों से नहीं, भितरघात करके, निर्दोषों की हत्या कर लड़ा जाता है। सीने पर वार नहीं, पीठ में छुरा मारकर लड़ा जाता है। भारत को कमजोर करने के लिये पंजाब का आधार बनाकर यही सब किया जा रहा है। इसका मुकाबला हर स्तर पर हम राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर, एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। पंजाब और कश्मीर में हम बराबर देख रहे हैं कि प्रलोभन देकर कितनों को गुमराह किया गया और किया जा रहा है। पर यह जो पंजाब में लगातार घटनाएं हुई हैं इसका विकराल रूप कई संकेत दे रहा है, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है।

बढ़ती भुखमरी और भोजन की बर्बादी

विकसित और विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी का सिलसिला लगातार जारी है। इस मामले में च ीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर है ।हैरत की बात है कि दुनिया में जहां तिरासी करोड़ से अधिक लोग भूखे सो जाते हैं, वहीं खाने की बर्बादी कई करोड़ टन रोज की दर से हो रही है ।यूएनईपी की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि च ीन हर साल 9 ।6 करोड़ टन भोजन बर्बाद करता है और भारत 6 ।87 करोड़ टन ।अमेरिका 1 ।93 करोड़ टन। 'यूएनईपी फूड इंडेक्स 2021' की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में पूरी दुनिया में तिरानबे करोड़ टन से अधिक खाना बर्बाद हुआ। अब यह आंकड़ा और बड़ा हो चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में उन्नीस करोड़ लोग रोजाना भूखे सो जाते हैं। यहां खाद्य उत्पाद का चालीस फीसद हिस्सा बर्बाद होता है। यानी सालाना बानबे हजार करोड़ रुपए का भोजन कूड़ेदान में चला जाता है। आश्चर्य की बात यह भी है कि ताजा भूख सूचकांक में भारत एक सौ एकवें से खिसक कर एक सौ सातवें स्थान पर चला गया है।

इस से सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है। भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि जहां अन्न का अपमान होता है वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता। मगर अब लोग शायद इस बात को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। विकसित और विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी का सिलसिला लगातार जारी है। इस मामले में चीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर है। हैरत की बात है कि दुनिया में जहां तिरासी करोड़ से अधिक लोग भूखे सो जाते हैं, वहीं खाने की बर्बादी कई करोड़ टन रोज की दर से हो रही है। यूएनईपी की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन हर साल 9.6 करोड़ टन भोजन बर्बाद करता है और भारत 6.87 करोड़ टन। अमेरिका 1.93 करोड़ टन। 'यूएनईपी फूड इंडेक्स 2021' की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में पूरी दुनिया में तिरानबे करोड़ टन से अधिक खाना बर्बाद हुआ। अब यह आंकड़ा और बड़ा हो चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में उन्नीस करोड़ लोग रोजाना भूखे सो जाते हैं। यहां खाद्य उत्पाद का चालीस फीसद हिस्सा बर्बाद होता है। यानी सालाना बानबे हजार करोड़ रुपए का भोजन कूड़ेदान में चला जाता है। आश्चर्य की बात यह भी है कि ताजा भूख सूचकांक में भारत एक सौ एकवें से खिसक कर एक सौ सातवें स्थान पर चला गया है, जो भोजन की बर्बादी और भूख के बीच एक नई चिंता की ओर इशारा कर रहा है। भारत में भोजन की बर्बादी जागरूकता, संवेदनशीलता और भूख के प्रति चिंतन से ही रुक सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रथम विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर 'कम खाओ, सही खाओ' मुहिम को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और इस संकल्प पर जोर दिया कि एक भी दाना बर्बाद नहीं होना चाहिए। देश की शीर्ष अदालत ने दिशा-निर्देश दिया था कि सभी वैवाहिक स्थल, होटल, मोटल और फार्म हाउस में होने वाले शादी समारोहों में भोजन की बर्बादी को रोका जाना चाहिए। इसमें कोई दुविधा नहीं कि मानव सभ्यता में अन्न का पहला और सबसे बड़ा योगदान है। यह सभ्य समाज के लिए बड़ी चुनौती है कि करोड़ों भूखे क्यों और कैसे सो रहे हैं। भोजन की बर्बादी से न केवल सरकार, बल्कि सामाजिक संगठन भी चिंतित हैं। बावजूद इसके यह सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बात पर भी गौर करने की आवश्यकता है कि खाने की बर्बादी का मुख्य कारण क्या है। आमतौर पर बड़े देशों में ज्यादातर खाना खेत और बाजार के बीच होता है। भोजन का खराब भंडारण और संचालन, खराब पोषण, अपर्याप्त आधारभूत संरचना, घरों में खाने की बर्बादी, रखरखाव में लापरवाही, फलस्वरूप भोजन की खराबी और कूड़ेदान तक पहुंच स्वाभाविक हो जाती है। यह अजीब है कि एक तरफ दुनिया भुखमरी का दंश झेल रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों टन अन्न बर्बाद हो रहा है। इससे सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा, कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है। भोजन फेंकने की आदत पूरी दुनिया में एक अपसंस्कृति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया भर में अपशिष्ट भोज्य पदार्थों की बर्बादी दोगुनी हो सकती है और यह बर्बादी इसी दर पर जारी रही तो 2030 तक दुनिया भर में भुखमरी उन्मूलन के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य 'जीरो हंगर' का उद्देश्य हासिल करना मुश्किल होगा। बड़े होटलों या पार्टियों में अतिरिक्त भोजन के साथ विभिन्न रूपों में खाद्य सामग्री परोसने की आदत के चलते बर्बादी में बढ़ोतरी हुई है। इस बात का समर्थन सभी करेंगे कि भोजन की बर्बादी न केवल सामाजिक और नैतिक अपराध, बल्कि अन्न के प्रति स्वयं का बिगड़ा हुआ अनुशासन है। यह न केवल भुखमरी को अवसर दे रहा है, बल्कि पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ा रहा है। अध्ययन से पता चलता है कि थाली के जूठन से पर्यावरणीय दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। 'वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट आफ राकफेलर फाउंडेशन' द्वारा किए गए शोध के अनुसार भोजन की बर्बादी के चलते ग्रीन हाउस गैसों में आठ से दस फीसद तक की बढ़ोतरी होती है। जाहिर है, ग्लोबल वार्मिंग के लिहाज से भी भोजन की बर्बादी एक समस्या बनी हुई है। इतना ही नहीं, भोजन के सड़े-गले अवशेष से कई बीमारियां जन्म लेती हैं। आंकड़े बताते हैं कि अवशिष्ट भोजन से हर साल साढ़े चार गीगा टन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन होता है। पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया से दो डिग्री सेल्सियस तापमान घटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगर भोजन की बर्बादी पर विराम लग जाए तो ग्रीन हाउस गैसों में न केवल कटौती होगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के साथ-साथ भुखमरी की समस्या से भी कमोबेश निजात मिल सकती है। एक अच्छी आदत से ही भोजन की बर्बादी को कम किया जा सकता है और यह अच्छी आदत बच्चों को बड़े सिखाएं और बड़े अन्न की कद्र करें तथा होटल और रेस्तरां में परोसी गई थाली की कीमत रुपए से आंकने के बजाय जरूरत और जीवन के आधार पर आंकी जाए, ताकि भोजन की बर्बादी रोकी जा सके। बर्बाद होते भोजन और इससे बढ़ती समस्या से पार पाने के मकसद से दुनिया के तमाम देशों में सरकारी नीतियां बनाई और जागरूकता पैदा करने के लिए कई सराहनीय पहल भी की जा रही हैं। गौरतलब है कि संसार के कई देशों में 2030 तक भोजन की बर्बादी को आधा करने का लक्ष्य बनाया है। इसमें सबसे पहला नाम आस्ट्रेलिया का है। आस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति एक वर्ष में 102 किलोग्राम खाना बर्बाद करता है। इसके चलते वहां की अर्थव्यवस्था पर हर साल बीस मिलियन डालर का नुकसान होता है। ऐसे में यहां अन्न की बर्बादी रोकने में जुड़ी संस्थाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है और अच्छा-खासा निवेश कर रही है। नार्वे मानव विकास सूचकांक के मामले में शीर्ष देशों में शामिल है, जबकि वहां भी हर साल साढ़े तीन लाख टन भोजन कूड़ेदान में जाता है।

देश दुनीया से

दिल्ली में 'प्रदूषण इमर्जेंसी' का क्या हो उपाय

सर्दियों की शुरुआत के साथ दिल्ली एक बार फिर गैस चेंबर बन गई। तेज हवाओं ने दो-तीन दिनों से थोड़ी राहत जरूर दी है, लेकिन इससे हालात खास बदले नहीं हैं। गंभीर प्रदूषण में सांस लेने के लिए मजबूर लोगों खासकर वृद्धों, बच्चों और गंभीर बीमारियों के मरीजों का जीवन और स्वास्थ्य खतरे में है। अस्पतालों में सांस की बीमारी के मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। यह सिर्फ इस साल की बात नहीं। आलम यह है कि राजधानी का सबसे सुंदर मौसम साल-दर-साल एक बुरे सपने में बदलता जा रहा है। यह हर मायने में 'प्रदूषण इमरजेंसी' की स्थिति है। दुनिया के किसी भी विकसित देश की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में ऐसी स्थिति केंद्रीय और स्थानीय सरकारों की नीतिगत और प्रशासनिक नाकामी के रूप में देखी जाती और उन्हें राजनीतिक रूप से उसकी कीमत चुकानी पड़ती। लेकिन दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों के साथ केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया हैरान और निराश करने वाली है। इस चुनौती से निपटने और इसका कोई स्थायी समाधान तलाशने की कोशिश करने के बजाय राज्य सरकारें और केंद्र सरकार आरोप-प्रत्यारोप में ही सारी ऊर्जा खर्च कर रही हैं। यही कारण है कि पिछले डेढ़-दो दशकों में दिल्ली और राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या विकराल ही होती गई। यह साफ होता जा रहा है कि मौजूदा राजनीतिक दलों और उनके नेतृत्व के पास इस गंभीर समस्या का न तो कोई समाधान है और न ही समाधान ढूंढने की कोई इच्छाशक्ति उनमें दिखाई देती है। अधिकांश राजनीतिक पार्टियों के चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण से जुड़े मसलों का बहुतेरे दूसरे मुद्दों की तरह चलताऊ जिक्र भर होता है। नतीजा यह कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में बिगड़ते

पर्यावरण के कारण जन-जीवन, जन-स्वास्थ्य, लोगों की आजीविका, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के बढ़ते खतरों और चेतावनियों के बावजूद एक राजनीतिक चुप्पी और लापरवाही बनी हुई है। इस चुप्पी और गतिरोध को तोड़ने का एक ही राजनीतिक तरीका है। असल में, दिल्ली और देश को विकसित पश्चिमी देशों की तरह एक ऐसी प्रगतिशील ग्रीन पार्टी की जरूरत है, जो पर्यावरण, क्लाइमेट चेंज और प्रदूषण जैसे मुद्दों को अपनी पहली, आखिरी और सबसे बड़ी राजनीतिक प्राथमिकता मानती हो। एक ऐसी ग्रीन पार्टी, जो पर्यावरण से जुड़े मसलों को लोगों की आजीविका, जन-स्वास्थ्य

दुनिया के किसी भी विकसित देश की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में ऐसी स्थिति केंद्रीय और स्थानीय सरकारों की नीतिगत और प्रशासनिक नाकामी के रूप में देखी जाती और उन्हें राजनीतिक रूप से उसकी कीमत चुकानी पड़ती।

और टिकाऊ विकास जैसे मुद्दों से सकारात्मक रूप से जोड़ सके। इस ग्रीन पार्टी को पर्यावरण, प्रदूषण और क्लाइमेट चेंज जैसे गंभीर और जटिल मुद्दे से कारगर तरीके से निपटने के लिए एक साफ वैज्ञानिक, समावेशी और दूरगामी लेकिन लागू की जा सकने वाली व्यापक कार्ययोजना सामने रखनी होगी। उसे आम लोगों खासकर गरीबों, मजदूरों, किसानों के अलावा शहरी मध्यवर्ग के बीच वैसे ही ले जाना और जन-आंदोलन खड़ा करना होगा, जैसे पिछले दशक की शुरुआत में दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ जन-लोकपाल आंदोलन खड़ा हुआ। उस आंदोलन से जैसे एक राजनीतिक पार्टी का जन्म हुआ, राजनीति में कुछ नए मुद्दे उभरे, राजनीतिक प्रतियोगिता और गतिशीलता बढ़ी और उसके कारण सीमित अर्थों में ही सही, लेकिन राजनीति बदली। देश और कम से कम दिल्ली में प्रदूषण और पर्यावरण जैसे मुद्दे पर एक बड़े राजनीतिक बदलाव के लिए जमीन तैयार है। गौर करें तो इस नई पार्टी की जरूरत ही नहीं, उसकी संभावित भूमिका भी स्पष्ट होने लगती है। यह नई पार्टी पर्यावरण, प्रदूषण और क्लाइमेट चेंज को दिल्ली जैसे राज्य में राजनीतिक प्रतियोगिता का बड़ा मुद्दा बना सके, उसे राष्ट्रीय और राज्य के राजनीतिक एजेंडे पर प्राथमिकता के मुद्दों में स्थापित कर सके और इस आधार पर लोकसभा और कुछ राज्यों की विधानसभाओं में कुछ सीटें जीत सके तो यह एक नई पर्यावरण आधारित ग्रीन राजनीति के लिए काफी होगा। इसे सिर्फ कल्पना की उड़ान समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। क्या अब भी यह दोहराने की जरूरत है कि दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में मौजूदा 'प्रदूषण इमरजेंसी' और क्लाइमेट चेंज से पैदा हो रही चुनौतियों से कारगर तरीके से निपटने के लिए भारत और कम से कम दिल्ली में एक जुझारू समावेशी-प्रगतिशील पर्यावरण केंद्रित ग्रीन पार्टी का समय आ गया है।

नागरिक बोध

विपरीत परिस्थितियाँ अक्सर हमें नई दिशा की ओर धकेलती हैं

प्रतिकूलता को एक प्रतिकूल भाग्य, घटना या भाग्य के रूप में परिभाषित किया जा सकता है; दुर्भाग्य, विपत्ति या संकट द्वारा चिह्नित एक स्थिति। यह अवश्यंभावी है कि हमारे जीवनकाल में, हम विपरीत परिस्थितियों और परिस्थितियों से गुजरेंगे, और इन परिस्थितियों को अनुग्रह और गरिमा के साथ गले लगाना सीखना हमारी व्यक्तिगत यात्राओं के लिए फायदेमंद हो सकता है। चरित्र की समृद्ध जड़ें तब विकसित की जा सकती हैं जब जीवन में आने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को गले लगाना सीखता है, जब कोई यह पूछना सीखता है कि उनके दुर्भाग्य से कौन से सबक प्राप्त किए जा सकते हैं और हर प्रतिकूलता का एक अलग और अनूठा सबक होता है जिसे केवल तभी सीखा जा सकता है जब विपत्ति को गले लगाया जाए। अगर हमें कठिन परिस्थितियों से गुजरनी पड़ती है तो सबसे तो पहले हमें उस समय अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए और हमें किसी भी कार्य को हिम्मत से काम लेना चाहिए। अगर आप कोई भी कार्य को धैर्य के साथ करते हैं तो वह कार्य हमेशा सफल होता है चाहे वह कितनी भी कठिनाई क्यों ना हो धैर्य और हिम्मत से किसी भी कार्य को किया जा सकता है कठिन से भी कठिन परिस्थितियों को भी हराया जा सकता है इसीलिए अगर आप किसी भी समस्या परिस्थिति में जूझ रहे हो तो हमें अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए हमें उन परिस्थितियों का मिलकर सामना करना चाहिए। लोगों के असली रंग-असली दोस्त की सतह को देखने में सक्षम है। यद्यपि प्रतिकूल परिस्थितियां दर्दनाक और कठिन हो सकती हैं, उन्हें भेष में आशीर्वाद के रूप में देखा और समझा जा सकता है, चाहे वह कितना भी स्वतंत्र क्यों न हो, आपको लोगों की आवश्यकता होगी और अक्सर सबसे प्रतिकूल समय में किसी के सच्चे दोस्त सामने आएंगे। जब विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो व्यक्ति इस बात से अवगत होता है कि उसके बारे में बैठने और रोने से ज्यादा समाधान नहीं होगा, परिस्थितियों के लिए एक उपाय की तलाश करना रचनात्मक हो जाता है। जीवन में कैसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़े, बिल्कुल न घबराएं। उन परिस्थितियों को चुनौती समझकर निरंतर आगे बढ़ते रहें। समस्याएं सुलझाने का प्रयास करें। धीरे-धीरे परिस्थितियां अनुकूल हो जाएंगी। जो लोग चुनौतियों का सामना करते हैं, वही जीवन में सफल होकर समाज के समक्ष लीडर बनकर सामने आते हैं। प्रतिकूलता अच्छे भाग्य से बेहतर शिक्षक है। सबसे बड़ी विपत्ति के तहत, अपने लिए और दूसरों के लिए - अच्छा करने की सबसे बड़ी क्षमता मौजूद है। विपरीत परिस्थितियाँ अक्सर हमें नई दिशा की ओर धकेलती हैं। विपत्ति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें हमारी शालीनता से हिला देती है। यह हमारे सामने बड़ी चुनौतियां लाता है और सिखाता है कि उनसे कैसे निपटना है। यह एक 'वेक-अप कॉल' देता है। तो, हर प्रतिकूलता एक अवसर है न कि अभिशाप या सजा। प्रतिकूलता तेज हवा की तरह है। यह हम सब से आंसू बहाता है, लेकिन जो चीजें फाड़ी नहीं जा सकतीं, हम खुद को वैसे ही देखते हैं जैसे हम वास्तव में हैं। महान लोग विपत्ति को एक अवसर के रूप में देखते हैं, और वे जानते हैं कि वे कुछ सीख सकते हैं। वे कठिनाई का पीछा करते हैं और इसे ठीक करने के लिए अंतहीन काम करते हैं।

2024 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस की उम्मीदवारी के लिए दाखिल किए दस्तावेज

वाशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की उम्मीदवारी के लिए दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। ट्रंप के इस फैसले से अब साफ हो गया कि वे 2024 में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहीं दस्तावेज दाखिल करने के बाद ट्रंप ने बयान भी जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को फिर से महान और गौरवशाली बनाने के लिए मैं आज अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हूं। वहीं ट्रंप के इस एलान पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ट्रंप ने अमेरिका को निराश किया है।

ट्रंप ने पहले ही कर दिया था इशारा – बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने आठ नवंबर को ट्वीट करते हुए कहा था कि वे 15 नवंबर को बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं तब ही से उनके इशारे से साफ लग रहा था कि वे 2024 में चुनावी मैदान में एक बार फिर से उतरने वाले हैं। बता दें कि ट्रंप की यह घोषणा अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव के परिणाम के मद्देनजर की गई है। ट्रंप की कागजी कार्यवाही उनकी उम्मीदवारी को स्थापित करने के लिए फेडरल इलेक्शन कमेटी के पास पहुंच चुकी है।

अमेरिका की वापसी अभी से शुरू हो गई है: ट्रंप – ट्रंप ने कहा कि दुनिया में ऐसा कभी नहीं हुआ होगा और शायद ही ऐसा कभी होगा। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन सबसे हटकर होगा। अमेरिका की वापसी अभी से शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, मेरे नेतृत्व में अमेरिका एक महान और गौरवशाली देश था लेकिन अब हमारा देश पतन की ओर जा रहा है। हम देश के रूप में असफल रहे हैं।

हम होते को यूक्रेन में रूस का युद्ध कभी नहीं होता: ट्रंप – रिपब्लिकन पार्टी के बारे में बात करते हुए, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनकी पार्टी बहुत बड़ी, बहुत मजबूत, बहुत अधिक शक्तिशाली है। हमारी पार्टी देश के लिए सर्वोच्च प्रदर्शन कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में रूस का युद्ध कभी नहीं होता। ट्रंप ने कहा कि यहां तक कि डेमोक्रेट्स ने भी इसे स्वीकार किया है।

ट्रंप तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे – बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने 2016 में जीत हासिल की थी और अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने 2020 में भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। उन्हें जो बाइडेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अब 2024 में भी ताल ठोंकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पीएम मोदी ने की मुलाकात और बन गया काम, ऋषि सुनक ने भारत के हक में लिया बड़ा फैसला

लंदन । इंडोनेशिया के बाली में जी-20 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मुलाकात के बाद भारतीय नागरिकों के हक में अच्छी खबर आई है। दरअसल, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ऋषि सुनक ने भारत के युवा पेशेवरों को हर साल ब्रिटेन में काम करने के लिए 3,000 वीजा देने की हरी झंडी दे दी है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि भारत इस तरह की योजना से लाभान्वित होने वाला पहला वीजा-राष्ट्रीय देश है, जो पिछले साल ब्रिटेन-भारत प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी की ताकत पर प्रकाश डालता है। वहीं इस फैसले के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज ब्रिटेन-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम की पुष्टि की गई, जिसमें 18-30 वर्षीय डिग्री-शिक्षित भारतीय नागरिकों को 3,000 स्थानों की पेशकश की गई, ताकि वे ब्रिटेन में आकर दो साल तक रह सकें और काम कर सकें। वहीं डाइनिंग स्ट्रीक की ओर से बयान जारी करके कहा गया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच रिश्ते के लिहाज से यह योजना काफी महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन का भारत के साथ इंडो पैसिफिक रीजन के अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक गहरा संबंध है। ब्रिटेन में तकरीबन एक चौथाई अंतरराष्ट्रीय छात्र भारत के हैं, भारतीय निवेश से यूके में 95 हजार रोजगार का सृजन होता है। मीडिया में आए सुनक के बयानों से पता चलता है कि वह भारत के साथ मुक्त व्यापार संबंध के समर्थक रहे हैं।

हमास व हिजबुल्ला ने जुटाए एक लाख से ज्यादा रॉकेट, बढ़ते खतरे से इस्राइल चिंतित

तेल अवीव । इस्राइल के लिए फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास और हिजबुल्ला का खतरा बढ़ गया है। इन्होंने एक लाख से ज्यादा रॉकेट एकत्रित कर लिए हैं। लेकिन, चौतरफा हमलों की स्थिति से निपटने की उसकी तैयारी नहीं है, इसलिए इस्रायली सेना चिंतित है। हालांकि, इस्राइल ने इन्हें विफल करने की नई तकनीक ईजाद कर ली है। फलस्तीनी आतंकी गुटों के हमलों से इस्राइल में मौतें भले न हों, लेकिन ये नागरिकों को खौफजदां करते रहते हैं। इस्रायली शहरों में जब भी ये आतंकी संगठन रॉकेट दागते हैं तो सायरन गूंजने लगते हैं तो नागरिक घबराकर बमों से बचाव के लिए बनाए गए सुरक्षित ठिकानों व आश्रयगृहों की ओर भागने लगते हैं। दरअसल, इस्राइल ने अपने देश को रॉकेटों, मिसाइलों, ड्रोन व यूएवी हमलों से बचाने और इन्हें नीचे गिराने के लिए आयरन डोम बैटरी विकसित की है। आयरन डोम बैटरी का विकास इस्राइल ने अमेरिकी मदद से किया है। इस तकनीक की सफलता दर 90 फीसदी है।

क्वाड समेत नए समूहों में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग से मोदी-बाइडन संतुष्ट

नुसा दुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने क्वाड और आई2यू2 जैसे नए समूहों में भारत और अमेरिका के आपसी सहयोग पर संतोष जताया है। जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक में दोनों नेताओं ने सामरिक भागीदारी की भी समीक्षा की। बाइडन के अलावा पीएम की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ भी संक्षिप्त मुलाकात हुई। नई दिल्ली में पीएमओ ने कहा, पीएम मोदी और राष्ट्रपति बाइडन में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, उन्नत कंप्यूटिंग व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे भविष्य के क्षेत्रों में निकट सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के सामयिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। पीएम मोदी सेनेगल के राष्ट्रपति, अफ्रीकन यूनियन के चेरमैन मैकी साल और नीदरलैंड के राष्ट्रपति मार्क रुट से भी मिले। कई देशों के नेताओं के साथ संक्षिप्त मुलाकात में विभिन्न मुद्दों पर वैचारिक आदान-प्रदान हुआ है। व्यस्त कार्यक्रम के बीच मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा और भारतीय मूल की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ से भी मुलाकात की। पीएम मोदी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधनम घेब्रेसस के बीच भी मुलाकात हुई। घेब्रेसस ने डब्ल्यूएचओ के साथ सहयोग करने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया।

बिना शर्त युद्ध खत्म कर यूक्रेन से रूस के निकलने की मांग पर अड़ा अमेरिका

नुसा दुआ।

दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता यूक्रेन पर हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने पर एकमत नहीं हो पाए। हालांकि, जी-20 शिखर सम्मेलन में मंगलवार को ज्यादातर देशों ने ऊर्जा और खाद्य संकट पर चिंता जताते हुए युद्ध को खत्म करने की अपील की है। वहीं, अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देश साझा घोषणापत्र के जरिये रूस से बिना शर्त युद्ध खत्म करने की मांग करने पर अड़े हैं। बाली प्रांत में हो रहे शिखर सम्मेलन में इंडोनेशिया के लिए सभी देशों को संयुक्त वक्तव्य के लिए राजी करना बड़ी चुनौती बन गया है। बुधवार को जारी होने वाले साझे घोषणापत्र का मसौदा मंगलवार को सार्वजनिक हुआ। इसमें यूक्रेन पर हमले की कठोरतम शब्दों में भर्त्सना करते हुए रूस से तुरंत बिना शर्त यूक्रेन छोड़ने की मांग की गई है, लेकिन साथ ही कहा कि जी-20 सुरक्षा मुद्दों को हल करने का उचित मंच नहीं। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने कहा कि युद्ध की वजह से दुनिया में ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चुनौतियां पैदा हुई हैं। इस वक्त दुनिया को एक और शीत युद्ध में धकेलने से बचना होगा।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देशों ने साझा घोषणापत्र के जरिये रूस की निंदा के असफल प्रयास किए हैं। बुधवार को जारी होने वाले अंतिम घोषणापत्र के लिए रूस ने वैकल्पिक दृष्टिकोण पेश किया है।

यूरोपीय संघ के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने भारत-चीन से अपील की कि वे रूस पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बनाएं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध स्वीकार्य नहीं है। रूस की सामूहिक निंदा पर सभी देश सहमत होते दिख रहे हैं, जो उत्साहजनक संकेत है।

सम्मेलन से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जी-20 देशों पर रूस के बहिष्कार का दबाव बनाया। दोनों ने कहा कि जी-20 रूस का कूटनीतिक और आर्थिक बहिष्कार करे। वहीं, जेलेंस्की ने कहा, अगर रूस कहता है कि वह युद्ध खत्म करना चाहता है, तो यह बातों से नहीं बल्कि युद्ध के मैदान से पीछे हटकर साबित करे। साझा घोषणापत्र के मसौदे को फिलहाल किसी देश ने स्वीकार नहीं किया है सभी देशों की सहमति के बिना साझा घोषणापत्र जारी नहीं हो सकता। लिहाजा, जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक की तरह इस बार भी संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं होने की संभावना है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस से कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी अस्वीकार्य है। वहीं, अमेरिका और पश्चिमी देशों से कहा कि रूस पर लगाए गए एकतरफा प्रतिबंध अनुचित हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता जेड तरार ने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर भारत और अमेरिका हमेशा साथ हैं। राष्ट्रपति बाइडन और पीएम मोदी के बीच अच्छी दोस्ती है और यह स्पष्ट दिखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में कहा कि हमें यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रास्ता खोजना ही होगा। पीएम ने कहा, पिछली शताब्दी में, दूसरे विश्व युद्ध ने दुनिया में कहर ढाया था। उस समय के नेताओं ने शांति की राह पकड़ने के लिए गंभीर प्रयास किए। अब हमारी बारी है। प्रधानमंत्री ने रूस से रियायती तेल और गैस की आपूर्ति पर पश्चिमी देशों की ओर से किसी भी तरह की पाबंदी का भी विरोध किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया के बाली प्रांत में हो रहे शिखर सम्मेलन में कहा, जलवायु परिवर्तन, कोविड महामारी और यूक्रेन युद्ध व उससे जुड़ी घटनाओं ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। लोगों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि इन मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं विफल रही हैं। इन संस्थाओं में उचित सुधार करने में हम भी नाकाम रहे हैं। इसलिए आज दुनिया को जी-20 से ज्यादा अपेक्षाएं हैं। इससे जी-20 की प्रासंगिकता बढ़ गई है।

शांति के लिए दिखाएं सामूहिक संकल्प : पीएम मोदी बोले, मैंने बार-बार कहा है कि हमें यूक्रेन में संघर्ष-विराम और कूटनीति की राह पर लौटने का रास्ता तलाशना होगा। कोविड के बाद की अवधि के लिए नई विश्व व्यवस्था बनाने का दायित्व हमारे कंधों पर है। समय की मांग है कि हम विश्व में शांति, सौहार्द और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और सामूहिक संकल्प दिखाएं। रूस से रियायती तेल व गैस की खरीद को लेकर पश्चिमी देशों की आलोचना के बीच पीएम मोदी ने कहा, भारत की ऊर्जा सुरक्षा विश्व के विकास के लिए जरूरी है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमें ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति पर किसी तरह की पाबंदी नहीं लगानी चाहिए। ऊर्जा बाजार में स्थिरता भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में कही।

भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी अपहृत लड़की केपटाउन में सुरक्षित और सकुशल मिली

जोहान्सबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में अगवा की गई भारतीय मूल की आठ वर्षीय बच्ची को उसके परिवार के पास सुरक्षित लौटा दिया गया है और उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राइलैंड्स प्राइमरी स्कूल की छात्रा अबीराह देखता का चार नवंबर की सुबह उसके स्कूल ट्रांसपोर्ट वाहन से कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने अपहरण कर लिया गया था, जब वह किसी अन्य छात्र की प्रतीक्षा कर रही थी। अबीराह के माता-पिता कुछ साल पहले भारत से जाकर केप टाउन में बस गए थे। लड़की के पिता शहर में मोबाइल फोन की दुकान चलाते हैं। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा (एसएपीएस) ने पुष्टि की है कि अबीराह को उसके परिवार के पास सुरक्षित लौटा दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता सार्जेंट वेस्ली ट्विग ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न विशिष्ट इकाइयों के एसएपीएस सदस्यों और केप टाउन शहर के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए उसे सोमवार शाम खयेलित्शा में एक झोंपड़ी में पाया। खयेलित्शा केप टाउन के बाहरी इलाके में मुख्य रूप से ब्लैक टाउनशिप है।

वेस्ली ट्विग ने कहा कि लड़की के मिलने के बाद उसे मेडिकल परीक्षण के लिए डॉक्टर के पास भेजा गया। इस बीच, अपहरण की जांच जारी है, पुलिस जासूस वर्तमान में घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को पकड़ने के लिए कई लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। हालांकि एसएपीएस कुछ रिपोर्टों की पुष्टि नहीं कर सका है। केप टाउन के उपनगर गेट्सविले में सप्ताह के अंत में सैकड़ों निवासियों ने पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ एथलॉन में पास एक पुलिस स्टेशन के सामने धरना-प्रदर्शन किया था और पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। उस समय पुलिस ने बताया था कि तलाशी अभियान के दौरान पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। बच्चे के मिलने के बाद सोमवार रात विरोध-प्रदर्शन की योजना को रद्द कर दिया गया। पुलिस निरीक्षण और सामुदायिक सुरक्षा के प्रांतीय कार्यकारी अधिकारी रीगन एलन ने इस खबर का स्वागत किया कि अबीराह को सुरक्षित ढूंढ लिया गया और उसे किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। एलन ने मीडिया को बताया कि एसएपीएस और कानून प्रवर्तन एजेंसियां अभी भी उसके लापता होने की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

नासा का मून मिशन लॉन्च, तीसरे प्रयास में चांद पर भेजा रॉकेट

वाशिंगटन ।

करीब 50 साल बाद नासा ने चंद्रमा पर अपने मिशन को फिर से लॉन्च कर दिया है। बुधवार को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने चांद पर इंसानी मिशन की शुरुआत की। अपने तीसरे प्रयास में नासा ने आर्टेमिस-1 मिशन लॉन्च किया। इससे पहले चंद्रमा पर 50 साल पहले नासा ने अपोलो मिशन भेजा गया था। जानकारी के मुताबिक, 32 मंजिल के बराबर ऊंचाई वाले अंतरिक्ष लांच सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट को फ्लोरिडा के फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। अंतरिक्ष रॉकेट आर्टेमिस-1 और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 फुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट नासा द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इससे बिना चालक दल वाले ऑरियन स्पेसक्राफ्ट को चांद पर छोड़ा गया। ऑरियन करीब 42 दिनों तक चांद पर परीक्षण करेगा। यह नासा के आर्टेमिस चंद्र कार्यक्रम का पहला मिशन होगा। नासा 2025 में अपने तीसरे मिशन द्वारा अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की योजना पर काम कर रहा है।

70 साल के लियाकत को दिल दे बैठीं 19 साल की शमाइला, निकाह के बाद सुनाई अपनी लव स्टोरी

इस्लामाबाद ।

पड़ोसी देश पाकिस्तान से एक अनोखा निकाह का मामला फिर से सामने आया है जहां 19 साल की शमाइला ने 70 साल के लियाकत से निकाह कर लिया। सैयद बासित अली ने दोनों की प्रेम कहानियों को पर साझा किया है। सैयद बासित से बात करते हुए लियाकत और शमाइला ने बताया है कि आखिर दोनों के बीच कैसे प्यार हुआ दोनों कहां मिले और किस तरह से निकाह रचाया

शमाइला ने बताई अपनी लव स्टोरी – शमाइला ने अपनी लव स्टोरी बताते हुए कहा कि दोनों सैर के दौरान एक दूसरे से मिले। एक दिन जब वह सैर कर रही थी तब 70 साल के लियाकत उसके पीछे गाना गुनगुना रहे थे। फिर क्या था मैं उनके गाने पर फिदा हो गई। गाना सुनत-सुनते मैं लियाकत जी पर फिदा हो गई। फिर हमलोग एक दूसरे से रोजाना मिलने लगे। फिर दोनों ने एक दिन निकाह का बड़ा फैसला ले लिया।

उम्र के फासले को लेकर शमाइला ने दिया जवाब – शमाइला ने कहा कि प्यार में उम्र नहीं देखते। यह बस हो जाता है। इसमें जात-पात, ऊंच और नीच कुछ मायने नहीं रखता है, तो ऐसे में मुझे भी मोहब्बत के इस मर्ज ने जकड़ लिया। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके माता-पिता को निकाह पर कोई आपत्ति है तो शमाइला ने कहा कि मेरे माता-

पिता ने कुछ समय के लिए आपत्ति जताई लेकिन हम उन्हें समझाने में सफल रहे। शमाइला ने कहा कि निकाह में किसी और चीज से पहले व्यक्तिगत गरिमा और सम्मान पर विचार किया जाना चाहिए। शमाइला ने कहा कि एक बुरे रिश्ते में पड़ने के बजाय, एक अच्छे व्यक्ति से निकाह करना चाहिए। किसी को उम्र का अंतर नहीं देखना चाहिए और व्यक्तिगत गरिमा या सम्मान को सबसे ऊपर रखना चाहिए। यह उनका जीवन है वे इसे अपने तरीके से जी सकते हैं। लियाकत ने कहा कि वह 70 साल के होने के बावजूद दिल से बहुत छोटे हैं। उन्होंने कहा कि जब रोमांस की बात आती है तो उम्र कोई मायने नहीं रखती है। 70 वर्षीय ने कहा कि वह अपनी पत्नी के खाना बनाने से इतने खुश हैं कि उन्होंने रेस्तरां में खाना छोड़ दिया है। लियाकत से जब पूछा गया कि क्या बड़ी उम्र के अंतर वाले लोगों को शादी करनी चाहिए या नहीं, तो लियाकत ने कहा कि किसी के बूढ़े या जवान होने का कोई सवाल ही नहीं है। कानूनी तौर पर जिस किसी को भी शादी करने की अनुमति है, वह शादी कर सकता है।

पोलैंड में रूस नहीं, यूक्रेन की मिसाइलें गिरीं, आपात बैठक में बाइडन ने कही यह बात

वारसा (पोलैंड)।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पोलैंड पर मिसाइल हमले के मामले में नया खुलासा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि पोलैंड में गिरने वाली मिसाइलें रूस की ओर से नहीं दागी गई थीं। वहीं अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि नाटो सदस्य देश पोलैंड के क्षेत्र में जो मिसाइलें गिरीं वह यूक्रेन की थीं। दरअसल, रूसी हमले को रोकने के लिए यूक्रेन ने भी मिसाइलें दागी थीं, जो पोलैंड की सीमा में जाकर गिरीं। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व नेताओं के साथ आपात बैठक में यूक्रेन के नागरिकों पर हो रही बमबारी को रूस की बर्बरता करार दिया है। बता दें, पोलैंड में मिसाइल गिरने के बाद बाइडन ने जी-7 देशों और नाटो के सदस्य देशों की आपात बैठक बुलाई थी। बाइडन ने बैठक के दौरान कहा, पूर्वी पोलैंड में हुए नुकसान और पोलैंड की ओर से हमले की जांच का हम समर्थन करते हैं। बाइडन ने कहा, हम इस समय यूक्रेन का पूरी तरह से समर्थन कर रहे हैं।

रूस के खिलाफ जंग में हम उसकी हर संभव मदद करते रहेंगे। वहीं, दूसरी तरफ सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद पोलैंड ने अपनी सेना का अलर्ट पर रहने के लिए कह दिया है।

पोलैंड ने रूस के राजदूत को किया तलब – वहीं, इस मामले में पोलैंड ने रूस के राजदूत को तलब कर लिया है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय की ओर से इस संबंध में बयान जारी किया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता लुकाज जसीना ने कहा कि हमने घटना को लेकर तत्काल विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि 15 नवंबर को रूस की ओर से यूक्रेन पर भारी गोलाबारी की गई और सेना ने उसके संरचनात्मक ढांचे को भी तबाह कर दिया। दोपहर 3.40 बजे रूस निर्मित मिसाइल लुबेल्स्की प्रांत के ह्रुबिजोव जिले के प्रेजवोडो गांव पर गिराई गई और इसके परिणामस्वरूप पोलैंड गणराज्य के दो नागरिकों की मौत हो गई। इसलिए पोलैंड के विदेश मंत्री जबिग्न्यू राऊ ने रूस के राजदूत को तत्काल तलब किया है और इस घटना पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है।

रूस में बना था रॉकेट, पोलैंड के विदेश मंमत्रालय ने की पुष्टि – पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने उसके क्षेत्र में गिरे रॉकेट के रूस में बने होने की पुष्टि की है। वहीं पोलैंड की ओर से नाटो के अनुच्छेद 4 के आधार पर किए गए अनुरोध के तहत नाटो में शामिल सदस्य देशों के राजदूत इस मामले में बैठक करेंगे। नाटो के अनुच्छेद 4 के अनुसार, सदस्य किसी सदस्य देश की सुरक्षा से संबंधित चिंता का कोई भी मुद्दा उठा सकते हैं। यूरोपीय राजनयिकों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।

रूस ने किया इनकार – वहीं, मॉस्को ने पोलैंड पर रूसी मिसाइलों के हमले की रिपोर्ट को उकसाने की घटना बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने उन रिपोर्टों का खंडन किया है कि रूसी मिसाइलों ने पोलिश क्षेत्र में हमला किया। इस रिपोर्ट के बारे में बताते हुए इसे युद्ध की बढ़ती स्थिति के बीच जानबूझकर एक उकसावे के रूप में वर्णित किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-पोलैंड सीमा को लक्ष्य बनाकर रूसी मिसाइलों से कोई हमला नहीं किया गया है। उधर, पोलैंड में मिसाइलों के गिरने की खबरों पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबना ने रक्षा परिषद की बैठक बुलाई। एएफपी ने अधिकारी का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने इस संबंध में कहा कि हमने पोलैंड से आई रिपोर्टें देखी हैं।

हत्या के जुर्म में पूर्व सरपंच समेत 11 को उम्र कैद

जींद। हरियाणा के जींद में प्लाट के विवाद में घसोपुर निवासी दलबीर की हत्या के जुर्म में एएसजे अमरजीत सिंह की अदालत ने बुधवार को दोष सिद्ध पूर्व सरपंच समेत 11 लोगों को आजीवन कारावास और 11500-11500 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। घसो खुर्द गांव निवासी सतबीर ने तीन मई 2016 को उचाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनका उचाना के लक्ष्मी मार्केट में प्लाट है। उस प्लाट पर गांव छात्तर निवासी ईश्वर भी मालकीयत का दावा कर रहा है। ईश्वर प्लाट पर दीवार निकाल रहा था। उसी दौरान गांव घसो निवासी सतबीर व उसके परिजन मौके पर पहुंच गए। इस पर नौबत कहासुनी तक आ पहुंची। उसी दौरान ईश्वर सिंह के पक्ष के लोग भी वहां पर पहुंच गए और हमला कर दिया। इसमें गांव घसो खुर्द निवासी सतबीर, उसके चाचा दलबीर, उसकी पत्नी गुड्डी, बेटा विक्रम, सतीश घायल हो गए। चिकित्सकों ने दलबीर की गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया जहां पर दलबीर की मौत हो गई। उचाना थाना पुलिस ने घायल सतबीर की शिकायत पर गांव छात्तर के पूर्व सरपंच ईश्वर, ओमप्रकाश, सतपाल, सतबीर, रोहताश, सतीश, राजकुमार, आनंद, नवराज, अनूप, सैन भगत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। बुधवार को एएसजे अमरजीत सिंह की अदालत ने सभी 11 अभियुक्तों को आजीवन कारावास तथा 11500-11500 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

एमबीबीएस छात्रों के धरने पर पहुंचे भूपेंद्र हुड्डा

बॉन्ड पॉलिसी के खिलाफ विस में आवाज उठाने का दिया भरोसा

रोहतक। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा बुधवार को बॉन्ड पॉलिसी के विरोध में धरने पर बैठे मेडिकल छात्रों से मिलने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने का भरोसा दिलाया। हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में बॉन्ड पॉलिसी लागू करने का सरकार का फैसला नीतिगत तौर पर गलत है। उन्होंने कहा कि लाखों की बॉन्ड पॉलिसी और 20 गुना फीस बढ़ोतरी के चलते गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को मेडिकल शिक्षा नहीं दिला पाएंगे। यहीं वजह है कि हरियाणा में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अन्य राज्यों में पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान उन्होंने प्रदेश में 5 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए थे। उसी दौरान कैंसर इंस्टिट्यूट और एम्स जैसे मेडिकल संस्थान हरियाणा में खोले गए थे। इसके बावजूद उनकी सरकार ने कभी भी इस तरह का फैसला नहीं लिया है। कांग्रेस के शासनकाल में विद्यार्थियों को नाममात्र फीस में मेडिकल शिक्षा दिलाने का काम किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार शिक्षा को व्यवसाय नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझती थी। वहीं प्रदेश की गठबंधन सरकार शिक्षा का व्यवसायीकरण कर रही है। सरकारी संस्थानों से एमबीबीएस कर रहे छात्रों पर लगाई गई 40 लाख रुपए की बांड पॉलिसी को लेकर छात्र 10 दिन से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद प्रदेश की गठबंधन सरकार पर इस प्रदर्शन का कोई दबाव बनता हुआ नहीं दिख रहा है। हालांकि सरकार ने बॉन्ड पॉलिसी में कुछ संशोधन करते हुए गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। वहीं छात्र उस संशोधन के बाद भी पॉलिसी को पूरी तरह से खत्म करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल सरकार ने कोर्स की शुरुआत में बॉन्ड की राशि जमा करने की बजाए बैंक से ऋण एग्रीमेंट बनवाने की मांग रखते हुए बॉन्ड पॉलिसी में संशोधन किया था। विद्यार्थियों का कहना है कि बॉन्ड पॉलिसी के मामले में सरकार की मंशा साफ नहीं दिखाई दे रही है। अभी भी छात्र और संस्थान के बीच में बैंक को थर्ड पार्टी रखा गया है। इससे यह साफ है कि बॉन्ड पॉलिसी की राशि पर बहुत ज्यादा ब्याज भी उन्हें ही चुकाना पड़ेगा।

वीआरएस यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

जम्मू। ऑल जेएंडके आर.टी.सी. वालेंटयर रिटायर्ड इंप्लाइज एसोसिएशन जम्मू-कश्मीर ने सोमवार को प्रेस क्लब जम्मू के समीप प्रदर्शनी मैदान में अपनी मांगों को लेकर यू.टी. प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रदर्शन किया। वीआरएस यूनियन जम्मू के अध्यक्ष देव राज बाली के नेतृत्व में प्रदर्शन आयोजित किया गया था और इस प्रदर्शन में वित्त विभाग के अड़ियल रवैये की कड़ी आलोचना की गई। पत्रकारों से बात करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि हमारे प्रति परिवहन उच्च अधिकारी, जो हमारे देय भुगतानों को जारी करने में देरी कर रहे हैं और हमें यह जानकर बहुत आश्चर्य है कि वे भुगतान जारी करने में देरी क्यों कर रहे हैं, जबकि सभी तरह से बिल एसआरटीसी द्वारा तैयार किए गए हैं और सिविल सचिवालय को भेजे गए हैं, लेकिन ये दो विभाग बिना किसी कारण या तुकबंदी के हमें परेशान कर रहे हैं और यह हमारे से परे है कि वे हमें क्यों परेशान कर रहे हैं और इस लंबे संघर्ष में 51 कर्मचारियों ने भी अब अंतिम सांस ले ली हैं, क्योंकि वे धन के अभाव में उचित चिकित्सा उपचार नहीं कर सकते थे। आज हम भी दयनीय जीवन व्यतीत कर रहे हैं न केवल हम, बल्कि हमारे परिवार भी उसी नाव में नौकायन कर रहे हैं, क्योंकि हमारे पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है जैसे कि पेंशन आदि। हम पूरी तरह से अपने देय भुगतान पर निर्भर हैं जो इन दोनों विभागों द्वारा जानबूझकर या अनुचित रूप से विलंबित हैं।

बैंक डकैती मामले में चन्नी का करीबी निकला मास्टरमाइंड

फतेहगढ़ साहिब। जिला पुलिस ने फतेहगढ़ साहिब के कस्बे संघोल में हुई बैंक डकैती मामले को सुलझाने का दावा करते हुए लूट के जिम्मेदार 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डकैती की इस घटना का मास्टरमाइंड कथित सरपंच अमनदीप सिंह के खिलाफ उक्त के इलावा अनेकों मामले दर्ज थे। जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के हस्तक्षेप के बाद सरपंच के खिलाफ कथित तौर पर दर्ज सारे मामले रद्द कर दिए। एस.एस.पी. डॉ. रवजोत ग्रेवाल ने बताया कि 10 नवंबर को 2 अज्ञात व्यक्ति मास्क पहने भारतीय स्टेट बैंक शाखा संघोल में घुसे। उन्होंने पहले बैंक के सुरक्षाकर्मी हरजीत सिंह के साथ मारपीट की। इसके बाद उसकी राइफल छीन कर बैंक से करीब 4 लाख 50 हजार रुपए और सुरक्षाकर्मी की एक 12 बोर की बंदूक और उसका मोबाइल फोन लूट कर ले गए। इसके आधार पर बैंक के डिप्टी मैनेजर जंग सिंह के बयान पर उक्त मामला दर्ज कर लिया गया। उन्होंने कहा कि लूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल हुई थीं। एस.एस.पी. डॉ. ग्रेवाल ने कहा कि मामले की गहनता से जांच की गई। इस दौरान टेक्निकल टीम की मदद और जांच के बाद 12 नवंबर को कथित आरोपी व मौजूदा सरपंच अमनदीप सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी गांव हफिजाबाद और जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सू पुत्र प्रगट सिंह निवासी गांव कतलौर दोनों थाना चमकौर साहिब (रूपनगर) को मामले में कथित आरोपियों के रूप में नामजद किया गया। इसके बाद जांच टीम ने मामले की जांच करते हुए कथित आरोपी जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सू को गिरफ्तार कर उससे घटना में इस्तेमाल की गई दो नकली पिस्तौल, बैंक से लूटी रकम में से 60 हजार रुपए और 12 बोर के 2 जिंदा रौंद बरामद किए। उन्होंने आगे बताया कि कथित आरोपी जस्सू ने पूछताछ दौरान बताया कि एक और कथित आरोपी बलवीर सिंह उर्फ बीरा पुत्र साधु सिंह निवासी हफिजाबाद के मामले में शामिल होने के बारे में बताया। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार करके उसके पास से टोयोटा गलांजा कार पीबी-71ए-8070 बरामद कर ली। उन्होंने बताया कि जब मामले में कथित नामजद आरोपी सरपंच अमनदीप सिंह की गिरफ्तारी के लिए जब उसके घर रेड की गई तो वह घर में नहीं था। इस रेड दौरान पुलिस ने तलाशी भी ली। तलाशी के दौरान मौका-ए-वारदात में पहनी गई उसकी लोयर की जेब में से 65000 की नकदी बरामद हुई है। उन्होंने कहा कि कथित आरोपी सरपंच गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार है, जिसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। वहीं जस्सू और बीरा को माननीय अदालत में पेश किया जा रहा है और पुलिस रिमांड प्राप्त हासिल करके उनसे गहनता से पूछताछ की जाएगी।

बेकाबू ट्रक ने एसपीओ का रौंदा, मौत

जम्मू। एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक एस.पी.ओ. को रौंद दिया, जिसमें एस.पी.ओ. की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग बागे-बाहु में तैनात एस.पी.ओ. चैक पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान नाके पर खड़ा था। इसी दौरान एक बेकाबू ट्रक तेज गति से आया और नाका पर मौजूद ड्यूटी दे रहे एस.पी.ओ. को अपनी चपेट तें ले लिया। इस हादसे में ट्रक चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका उपचार जम्मू मैडीकल कालेज में चल रहर है। जानकारी के अनुसार टक्कर जोर से थी और ट्रक चालक की टांग ट्रक के स्टेरिंग में फंस गए। जानकारी के अनसुार ट्रक की ब्रेक फेल हो गई थी, जिस कारण इतना बड़ा हादसा पेश आया है। मृतक एसपीओ की पहचान रजत चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संदर्भ में मामला दर्ज कर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने दो दिवसीय शोध एवं नीति कार्यशाला में लिया भाग

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा के निर्देश पर दिनेश कुमार (संयोजक जम्मू और कश्मीर भाजपा ओबीसी मोर्चा अनुसंधान और नीति) और संजीव वर्मा (सह संयोजक जम्मू और कश्मीर भाजपा ओबीसी मोर्चा अनुसंधान और नीति) ने भाजपा मुख्यालय नई दिल्ली में अनुसंधान और नीति निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ के लक्ष्मण (राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा) थे। शिव शक्ति (राष्ट्रीय संयोजक), निखिल आनंद (राष्ट्रीय महासचिव) इस अवसर के सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन पंकज चौधरी (राष्ट्रीय प्रभारी अनुसंधान एवं नीति विंग भाजपा ओबीसी मोर्चा) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संयोजक अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की और गणमान्य व्यक्ति उन मुद्दों के बारे में डेटा एकत्र किया जो पूरे भारत में ओबीसी द्वारा सामना किए जा रहे हैं। दिनेश कुमार और संजीव वर्मा ने भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व किया और भविष्य के लिए अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने दिनेश कुमार और संजीव वर्मा के सराहनीय कार्य की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा नेशन फर्स्ट की विचारधारा का पालन करती है और यह नीति भारत और इसके नागरिकों के लिए बेहतर है। उन्होंने बताया कि कैसे ओबीसी टीम की मेहनत से भाजपा ओबीसी मोर्चा एक प्रकोष्ठ से पूर्ण विकसित मोर्चा बन गया।

पुलिस ने 151 किलो हेरोइन व 11 क्विंटल पोस्त किया नष्ट

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बीते दिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 800 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाली 151 किलोग्राम हेरोइन और 11 क्विंटल पोस्त को अमृतसर में भट्टी में जलाकर नष्ट कर दिया है। आईजीपी काउंटर इंटेलिजेंस राकेश अग्रवाल की अध्यक्षता में नशीले पदार्थों संबंधी हाई लेवल ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा इन नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया। इस मौके पर हाई लेवल ड्रग डिस्पोजल कमेटी के मेंबर एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान, एआईजी एसएसओसी फाजिल्का लखबीर सिंह, एआईजी सीआई अमृतसर अमरजीत सिंह बाजवा और डीएसपी एसएसओसी हरविंदरपाल सिंह मौजूद थे। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि एसएसओसी, अमृतसर और फाजिल्का में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के अंतर्गत दर्ज किए मामलों संबंधी नशीले पदार्थों को बीते दिन खन्ना पेपर मिल अमृतसर में नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि ड्रग डिस्पोज़ल कमेटी द्वारा 40.5 किलोग्राम अफीम संबंधी डिस्पोजल सर्टिफिकेट गवर्नमैंट ओपियम एंड अल्कालायड वर्कस, नीमच (एमपी) में जमा करवाने के लिए जारी किया गया।

संजय डालमिया इंटरनेशनल आईकॉन अवार्ड से सम्मानित

हिसार (हि.स.)। हरियाणा प्रदेश अग्रवाल वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष व अनेक संस्थाओं से जुड़े अर्बन एस्टेट निवासी समाजसेवी संजय डालमिया को उनके द्वारा किए गए समाजसेवा व संगठन के लिए किए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। करनाल में एंटी करप्शन ऑफ इंडिया संस्था की ओर से आयोजित अवार्ड समारोह में उन्हें *इंटरनेशनल आईकन अवार्ड* से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डालमिया ने कहा कि उन्हें जो सम्मान दिया गया है, वे उसे संजोकर कर रखेंगे और भविष्य में भी समाजहित में अपनी सेवाएं देते रहेंगे। मौके पर जिला एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र अरोड़ा, दुनीचंद गोयल, नरेंद्र गोयल, वीरेंद्र गुप्ता, आदित्य अग्रवाल, अक्षय डालमिया, यश डालमिया, मोहित बंसल के अलावा काफी लोग उपस्थित रहे।

भगवंत मान सरकार का बड़ा फैसला

500 और आम आदमी क्लीनिक खुलेंगे, 26 जनवरी को मिलेगी सौगात

चंडीगढ़। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में 500 और नए आम आदमी क्लीनिक खुलेंगे। सरकार 26 जनवरी को इन्हें प्रदेश की जनता को समर्पित करेगी। इससे पहले सीएम भगवंत मान ने 15 अगस्त को 100 आम आदमी क्लीनिक की शुरूआत की थी। आम आदमी क्लीनिकों में बीते चार महीनों के दौरान पांच लाख से अधिक लोग पहुंचे हैं। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने बताया कि राज्य भर में आम आदमी क्लीनिकों को आम लोगों का भरपूर समर्थन मिला है और क्लीनिकों पर रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या आठ हजार से पार हो गई है। जौड़ामाजरा ने बताया कि सभी जिले में आम लोग इलाज कराने आम आदमी क्लीनिकों में पहुंच रहे हैं। अब तक 5,35,487 आम लोग क्लीनिकों पर अपना उपचार और 69,870 लोग अलग-अलग टेस्ट करवा चुके हैं। सबसे अधिक मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में मोहाली सबसे आगे है। आंकड़ों के अनुसार 14 नवंबर तक मोहाली में 80,406 मरीजों का इलाज किया जा चुका है और 11,045 टेस्ट किए जा चुके हैं, जबकि जिला लुधियाना 65,861 मरीजों के उपचार और 5,603 क्लीनिकल टेस्टों के साथ दूसरे स्थान पर है। इसी तरह जिला बठिंडा 44,223 मरीजों और 5,922 क्लीनिकल टेस्टों के साथ तीसरे स्थान पर है। जौड़ामाजरा ने बताया कि इन क्लीनिकों में 90 प्रतिशत मरीजों को इलाज की सुविधा मिल रही है। यही वजह है कि सरकारी अस्पतालों में ओपीडी मरीजों की संख्या घट गई है।

एस.डी.एम. के विरोध में किसानों ने किया चक्का जाम

अमृतसर। पंजाब सरकार और केंद्र सरकार द्वारा किसानों की कृषि संबंधी मांगों को मान तो लिया जाता है लेकिन सरकारें इन मांगों को लागू करने में देरी करती हैं, जिससे किसानों में विरोध की लहर देखने को मिल रही है। इसकी के चलते भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर द्वारा आज अपनी मांगों को लेकर अमृतसर के भंडारी पुल पर धरना प्रदर्शन किया गया है। इस दौरन बड़ी गिनती में इकट्ठे हुए किसान यूनियन के नेताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली अमृतसर जम्मू कटड़ा नेशनल हाईवे बनाया जा रहा है जिसमें कई किसानों की जमीन आ रही है और सरकार उन जमीनों को खरीदने के लिए किसानों को मुआवजा भी दे रही है लेकिन अमृतसर में एस.डी.एम. रहे राजेश शर्मा द्वारा बहुत सारे किसानों की जमीन हड़प ली गई। किसानों की ओर से राजेश शर्मा पर आरोप लगाए जा रहे हैं जिसे लेकर लंबे समय से किसान प्रदर्शन करते आ रहे हैं। किसान संगठनों ने कहा है कि एस.डी.एम. राजेश शर्मा के दोषो होने की रिपोर्ट डिप्टी कमिश्नर अमृतसर की ओर से पंजाब सरकार को भेज दी गई है और वह सड़कों पर उतर कर एस.डी.एम. के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही फसल खराब होने का मुआवजा मांग को लेकर आज अमृतसर के भंडारी पुल के पर प्रदर्शन किया जा रहा है। किसान नेता हरविंदर सिंह,

मां चंडी का 9वां विशाल जागरण 18 को

जम्मू। अशोक नगर, शीतला माता मंदिर नई बस्ती सतवारी जम्मू में सेवा संस्था जागरण समिति अशोक नगर नई बस्ती सतवारी और जम्मू की आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। जागरण समिति के अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा मां चंडी का 9वां विशाल जागरण शुक्रवार 18 नवंबर 2022 को अशोक नगर, शीतला माता मंदिर नई बस्ती के समीप, सतवारी में रात 8 बजे आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में जनता, अति विशिष्ट व्यक्ति पूज्य मां चंडी का आशीर्वाद लेंगे। गुप्ता ने आगे कहा कि विशाल जागरण में अंतर्राष्ट्रीय और बॉलीवुड के लोकिप्रय गायक हमसर हयात ब्रदर्स, मोहित सूफी, कुमार रवि, वर्षा जम्वाल, सुषमा राजपूत और रमेश जोगी भाग लेंगे।

शुद्ध रसोई में मिल रहा है 10 रुपए में भरपेट पौष्टिक आहार

फरीदाबाद (हि.स.)। मानवता की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है, यदि यह पुण्य कार्य जरूरतमंदों को खाना मुहैया करवा कर कमाया जाए तो उससे बड़ी कोई सेवा नहीं है। इसी सेवाभाव को फरीदाबाद की इंसोनियत संस्था ने आगे बढ़ाया है। फरीदाबाद के बीके अस्पताल में हरियाणा दिवस पर शुरू की गई शुद्ध रसोई में हर रोज 500 से 800 लोग 10 रुपए में भरपेट खाना खा रहे हैं। महंगाई के दौर में स्वास्थ्य और पौष्टिका युक्त भोजन सबसे बड़ा चिंतनीय विषय है। लिहाजा स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने के बावजूद भी व्यक्ति रोगों की चपेट में आ रहा है। अस्पतालों में रोगियों की संख्या में हर रोज इजाफा हो रहा है। रोगियों के साथ आने वाले तमीरदारों को शुद्ध और पौष्टिक भोजन के लिए काफी मारामारी करनी पड़ती है। मगर फरीदाबाद के बीके अस्पताल में इंसोनियत संस्था द्वारा शुरू की गई पहल के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। हरियाणा दिवस पर संस्था द्वारा शुरू की गई शुद्ध रसोई की पहल मरीजों के साथ उनके तमीरदारों को काफी रास आ रही है। यहां पर हररोज 500 से 800 लोग खाना खा रहे हैं। इंसोनियत संस्था के प्रधान सुरेंद्र कुमार कौशिक का कहना है कि इंसोनियत संस्था की तरफ से शुद्ध रसोई की शुरुआत की गई है। रसोई में एक ओर जहां मरीजों को मुफ्त में भोजन उपलब्ध कराया जाता है वहीं दूसरी ओर मरीजों के तीमारदारों को मात्र 10 रुपए में थाली उपलब्ध कराई जाती है। 10 रुपए की थाली में सब्जी, दाल, चावल, स्लाद और रायता शामिल है। शुद्ध रसोई की पहल इतनी सार्थक साबित हो रही है कि शहर के दूसरे हिस्सों से भी श्रमिक व अन्य लोग यहां खाना खाने पहुंच रहे हैं। क्योंकि महंगाई के दौर में 50 से 100 रुपए के बीच में खाना मिलता है, जबकि रसोई में 10 रुपए में भरपेट खाना मिल रहा है। रसोई के संचालन में संस्था के उप प्रधान तरुण खुल्लर, महासचिव डीआर शर्मा, कोषाध्यक्ष रमेश बंसल व संयुक्त सचिव सतीश कुमार विशेष भूमिका निभा रहे हैं। उनका कहना है कि इससे पहले पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने बीके अस्पताल में कैंटीन की शुरुआत की थी, लेकिन अब इंसोनियत संस्था ने दोबारा रसोई का संचालन किया है।

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders affixing Court fee stamp Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invited from registered eligible Contractors/Firms for civil works under **"SOPD Scheme -"Roads & Bridge"** during 2022-23 to be executed in the Kamrup East Division, Basistha, Guwahati -29 as mentioned below:

Details of Works: -

Sl. No.	Item of works	Unit	Estimated amount (In Lakhs)	Location	Earnest money
1.	Improvement of Patrolling Path from Garopara to Tinikhuri under Rani Range	7 KM	Rs. 7,00,290.00	Under Rani Range	2% for General 1% for SC/ST/OBC of estimated amount

The tenders will be received up till 07/12/2022 up to 3.00 PM (IST) in the office of the undersigned and it will be opened on the same day by Tender Evaluation Committee at 3.30 PM (IST) in presence of the interested tenderers or their authorized representative.

The detailed estimate particulars of works may be seen and tender paper may also be obtained from the office of the undersigned on all working days up to 5.00 PM on payment of Rupees 250.00 (Rupees Two Hundred Fifty) only in the form of Demand Draft in favour of the Divisional Forest Officer, Kamrup East Division, Basistha, Guwahati - 29.

The works to be completed within 25 (Twenty Five) days from the date of issue of the final order. Payment will be made only after the receiving of fund from the competent authority.

The undersigned and Tender Evaluation Committee reserves the right to accept or cancelled any tender without assigning reasons thereof and does not bind to accept the lowest tenderer AY.

Sd/-
Divisional Forest Officer,
Kamrup East Division, Basistha,
Guwahati -29.

-- Janasanyog /C/ 14169/22

देश का व्यापार घाटा बढ़कर173 अरब डॉलर हुआ अक्टूबर में निर्यात पिछले वर्ष से 17प्रतिशत घटा

नई दिल्ली ।

वैश्विक मांग घटने से देश के निर्यात में अक्तूबर में 23 महीने बाद पहली बार गिरावट आई है। इस दौरान निर्यात सालाना आधार पर 16.65 फीसदी घटकर 29.78 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले नवंबर, 2020 में वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 8.74 फीसदी घटा था। अक्तूबर, 2021 में 35.73 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान आयात 6 फीसदी बढ़कर 56.69 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात में वृद्धि से देश का व्यापार घाटा 50.25 फीसदी बढ़कर 26.91 अरब डॉलर पहुंच गया। पिछले साल अक्तूबर में यह आंकड़ा 17.91 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय ने कहा, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, पेट्रोलियम उत्पाद, बने कपड़े, रसायन, फार्मा व चमड़ा के नकारात्मक प्रदर्शन से निर्यात में गिरावट आई है। वहीं, कच्चे तेल, कपास, उर्वरक और मशीनरी जैसे कच्चे माल की अधिक मांग से आयात बढ़ा है। विशेषज्ञों ने कहा, आर्थिक वृद्धि के साथ घरेलू मांग बढ़ने से आयात बढ़ रहा है।

16.6 फीसदी घटकर 29.78 अरब डॉलर रह गया निर्यात 50.25 फीसदी बढ़कर 26.91 अरब डॉलर पहुंचा व्यापार घाटा अप्रैल-अक्तूबर में निर्यात 13प्रतिशत बढ़ा आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 की अप्रैल-अक्तूबर अवधि में देश का निर्यात 12.55 फीसदी बढ़कर 263.35 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान 436.81 अरब डॉलर का आयात किया गया, जो 2021-22 की समान अवधि के मुकाबले 33.12 फीसदी ज्यादा है। आयात बढ़ने से अप्रैल-अक्तूबर में व्यापार घाटा सालाना आधार पर 84.21 फीसदी बढ़कर 173.46 अरब डॉलर पहुंच गया। 2021-22 की समान अवधि में यह आंकड़ा 94.16 अरब डॉलर रहा था। निर्यातकों के संगठन फियो ने कहा, माल की कीमतों में वृद्धि, बढ़ती महंगाई, मंदी में प्रवेश करने वाली अर्थव्यवस्था, मुद्राओं में उच्च अस्थिरता व भू-राजनीतिक संकट के कारण मांग में कमी के बीच वस्तुओं के निर्यात में मंदी आई है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियां दुनियाभर में मांग को प्रभावित कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

बैंक के अगले सीईओ नहीं होंगे उदय कोटक के बेटे जय, छह महीने में होगा नए मुखिया का चुनाव

नई दिल्ली । मुंबई स्थित कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल उदय कोटक बैंक के सीईओ का कार्यभार संभाल रहे हैं। पर आरबीआई के नियमों के तहत उन्हें अपना पद जल्द छोड़ना है। इस बीच यह भी साफ हो गया है कि अगले सीईओ उदय कोटक के बेटे जय कोटक नहीं होंगे और यह जिम्मेदारी कोई दूसरा शख्स संभालेगा। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी की ओर से यह साफ कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में नए सीईओ की नियुक्ति के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। इसका मतलब साफ है कि अगले छह महीनों के दौरान नया सीईओ उदय कोटक की जगह बैंक की कमान संभाल लेगा। हालांकि उदय कोटक के बेटे जय कोटक नए सीईओ नहीं हो यह साफ कर दिया गया है। कोटक महिंद्र बैंक के पूर्णकालिक निदेशक केवीएस मणियन ने कहा है कि बैंक के संस्थापक जय कोटक का नाम सीईओ के रेस में नहीं है। उन्होंने कहा है कि जय कोटक अभी युवावस्था में और उन्हें मेरिट के आधार पर काम करते हुए खुद को साबित करना होगा।

घाटे वाली इकाइयों को बंद करने के लिए दिवालिया कोर्ट में जाएं सरकारी कंपनियां

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि घाटे में चलने वाले उपक्रमों को बंद करने के लिए सरकारी कंपनियों को दिवालिया अदालत में जाना चाहिए। इससे समाधान में तेजी आएगी ।सरकार इन कंपनियों में अपनी होल्डिंग कम करना चाहती है। सोमवार को जारी निर्देश के अनुसार, शीर्ष कैबिनेट मंत्रियों की एक समिति से मंजूरी मिलने के तीन महीने के भीतर घाटे में चल रही कंपनी के समाधान के लिए इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) के तहत दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन दाखिल करना होगा। सरकार उस दिन से नौ महीनों तक घाटे में चलने वाली इकाइयों को बंद करने की सोच रही है, जिस दिन से वह फर्म मंजूरी मांगती है। मूल कंपनियों के बोर्ड को उनकी सहायक कंपनियों की भूमि संपत्तियों को अलग करने के लिए कहा गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भूमि विवाद इकाइयों को बंद करने में बाधा न बने। फर्मों को पट्टे पर दी गई भूमि के लिए राज्य सरकारों से देय किसी भी मुआवजे को बट्टे खाते में डालने के लिए भी कहा गया है। सरकार ने कहा कि राज्य की कंपानियां कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय से संपर्क करके इकाइयों को बंद करने का विकल्प चुन सकती हैं। वर्तमान में ऐसा नियम है। इससे सरकारी कंपनियों को कम करने में मदद मिलेगी। सरकार लगातार विनिवेश के जरिये इनकी संख्या कम भी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति और उन्हें हटाने को लेकर नया विकल्प पेश किया है।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

बीकाजी फूड्स व ग्लोबल हेल्थ की बाजार में मजबूत लिस्टिंग, निवेश करने वाले रहे मुनाफे में

नई दिल्ली ।

मिठाई और नमकीन बनाने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स के शेयरों की लिस्टिंग ठीक-ठाक प्रीमियम पर हो गई है। आईपीओ के इश्यू प्राइस 300 रुपये के मुकाबले बीएसई पर बीकाजी फूड्स के शेयर 321 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से लिस्ट हुए हैं। ऐसे में आईपीओ में जिन निवेशकों को शेयर मिले हैं उन्हें लिस्टिंग पर सात फीसदी प्रीमियम मिला है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर बीकाजी फूड्स के शेयर 323 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। ऐसे में शेयर बाजार कर लिस्टिंग में बीकाजी फूड्स के शेयरों ने निवेशकों को निराश नहीं किया है। बीकाजी फूड्स की लिस्टिंग के बाद निवेशकों को प्रति शेयर 21 से 23 रुपये का मुनाफा मिला है। लिस्टिंग के बाद बीकाजी फूड्स के शेयरों की कीमत 330 रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो इसका अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

285 से 300 रुपये तय किया गया था आईपीओ का प्राइस बैंड

बीकाजी देश की प्रतिष्ठित एफएमसीजी (भुजिया और नमकीन) ब्रांड है। तीन से सात नवंबर के बीच कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए खुला था। बीकाजी फूड्स के आईपीओ के लिए 285 रुपये से 300 रुपये के बीच का प्राइस बैंड रखा गया था। कंपनी आईपीओ के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाना चाहती थी। आईपीओ के तहत 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री की गई। बाजार के जानकारों के मुताबिक बीकाजी फूड्स के शेयर ग्रे मार्केट में 71 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार करते दिखे थे।

ग्लोबल हेल्थ के आईपीओ को भी मिली मजबूत लिस्टिंग

मेदांता हास्पिटल के नाम से अस्पतालों का चेन चलाने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड भी शेयर बाजार में लिस्ट हो गया है। कंपनी को शेयर बाजार में करीब 19 फीसदी की लिस्टिंग मिली है। कंपनी के शेयर बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 401 रुपये प्रति शेयर जबकि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 398.15 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के आईपीओ का इश्यू प्राइस 336 रुपये प्रति शेयर था। लिस्टिंग के बाद अपने पहले दिन के शुरुआती कारोबार में ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 409 रुपये और एनएसई पर 410 रुपये प्रति शेयर के भाव तक पहुंच गए।

2206 करोड़ रुपये था कंपनी के आईपीओ का मूल्य

मेदांता ब्रांड नाम के तहत अस्पतालों का परिचालन और मैनेजमेंट करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपने 2,206 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 319-336 रुपये प्रति शेयर का तय किया था। कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री तीन से सात नंवबर के बीच हुई थी। आईपीओ के माध्यम से पांच सौ करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए गए थे। इसके अलावा 5.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फोर सेल के जरिए की गई थी।

ट्विटर में 'बदलाव' के लिए दफ्तर में सो रहे मस्क, आशंकित कर्मियों का भी ऑफिस ही 'आशियाना

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने अपने बारे में एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को एक ट्वीट करते हुए टेस्ला स्पेसएक्स और ट्विटर जैसी कंपनियों के कर्ताधर्ता मस्क ने बताया है कि फिलहाल वे सेन फ्रांसिस्को स्थित हेडक्वार्ट में ही सो रहे हैं। बता दें उन्होंने यह ट्वीट उन खबरों के बीच किया है जिसमें कहा गया है कि ट्विटर के नए बॉस मस्क की डर से दफ्तर में ही सोने को मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्विटर की कमान संभालने के बाद से ही एलन मस्क इसे नया स्वरुप देना चाहते हैं। इसके लिए वे बदलावों पर काम कर रहे हैं।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में उनकी ओर से प्रस्तावित कुछ बदलावों की आलोचना भी हो रही है। इन सबके बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि नौकरी जाने की डर से कई ट्विटर कर्मचारी रात को ऑफिस में सो रहे हैं। इन खबरों के बाद अब मस्क ने भी साफ किया है कि वे खुद ट्विटर हेडक्वार्टर में सो रहे हैं, और ऐसा तब तक चलेगा जब तक ट्विटर पर सबकुछ ठीक नहीं हो जाता है। हालांकि, उनकी इस ट्वीट को बाद में डिलीट कर दिया गया। एलन मस्क ने ट्वीट में बताई ऑफिस में सोने की वजहबता दें कि माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद एलन मस्क ने ट्विटर के लगभग आधे कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, जिसमें ट्विटर के तत्कालीन सीईओ पराग अग्रवाल भी शामिल थे। जो कर्मचारी कंपनी में बचे थे उन्हें नई वर्क डेडलाइन दे दी गई थी। ट्विटर के अधिग्रहण के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें वायरल हुई थीं जिनमें कई कर्मचारी ऑफिस में ही स्लिपिंग बैग्स में सोते दिखे थे। हालांकि ये तस्वीरें ट्विटर के किसी दफ्तर के थे यह साफ नहीं हो पाया था। ट्विटर के टेकओवर के बाद मस्क ने यह भी कहा है कि संस्था में सुधार के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उससे उनका खुद का काम भी काफी बढ़ गया है। इस बीच, कंपनी के कर्मियों को भी सख्त लहजे में कहा गया कि उन्हें अब हर हफ्ते 80 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

सात महीने के ऊंचे स्तर पर सोना: 24 कैरेट सोने की कीमत 52,877 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंची, शादियां और डॉलर कमजोर होने से तेजी

मुंबई।

सोने में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। यह 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 52,877 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इससे पहले इसी साल 20 अप्रैल को सोना 52,752 रुपए पर था। एनालिस्ट के मुताबिक देश में लाखों की तादाद में शादियां और डॉलर कमजोर होने से सोने में तेजी देखी जा रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, 3 नवंबर को सोने की कीमत घटकर 50,114 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। इस हिसाब से बीते सात दिन में सोना 2,763 रुपए महंगा हो गया। 5,6 और 8 नवंबर को सर्राफा बाजार बंद था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि मौजूदा हालात सोने के पक्ष में है। अगले साल जनवरी तक यह तेजी जारी रह सकती है। 14 नवंबर से लेकर 14 दिसंबर के बीच देश में 30 लाख से ज्यादा शादियां होने का अनुमान है। इसके लिए गहनों की खरीदारी शुरू हो गई है। इसके चलते सोने की मांग बढ़ गई है।

डॉलर में बड़ी गिरावट

अमेरिका में बीते माह अनुमान से कम महंगाई के कारण डॉलर इंडेक्स तीन महीनों के निचले स्तर पर आ

गया है। डॉलर की वैल्यू गिरने का सीधा असर सोने में तेजी के रूप में नजर आता है।

चीन में नए साल का जश्न

चीन में सोने की खपत सबसे ज्यादा होती है। वहां 20 जनवरी से नए साल का जश्न चलेगा। इसकी तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है और सोने की खरीद बढ़ जाती है।

भू-राजनीतिक तनाव

चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच रूस-यूक्रेन युद्ध भी एक बार फिर भड़क गया है। इसके चलते अनिश्चितता बढ़ी और दुनियाभर के निवेशक सोने में निवेश बढ़ाने लगे हैं।

जॉनसन एंड जॉनसन को मिली मुलुंड प्लांट में पाउडर बनाने की परमिशन: बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- अपने रिस्क पर पाउडर बना सकते हैं, लेकिन अभी बेच नहीं सकते

मुंबई।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को जॉनसन एंड जॉनसन को खुद के रिस्क पर महाराष्ट्र के मुलुंड प्लांट में अपना बेबी पाउडर बनाने की परमिशन दी। हालांकि, कंपनी फिलहाल इसका डिस्ट्रीब्यूशन और सेल नहीं कर सकेगी। स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इस पर रोक लगा रखी है। जस्टिस एस वी गंगापुरवाला और जस्टिस एस जी डिगे की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर के सैंपल की फिर से जांच करने का भी आदेश दिया, जिसे दो हफ्ते के भीतर पूरा किया जाना है। को ये सैंपल लेकर री-टेस्टिंग के लिए दो सरकारी लेबोरेटरी और एक

प्राइवेट लेबोरेटरी में देना होगा। कोर्ट अभी कंपनी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उसके बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को कैंसिल करने के सरकारी आदेश को चुनौती दी गई है।

कंपनी ने अपनी याचिका में कहा था कि फरवरी, मार्च और सितंबर 2022 के 14 रैंडम बैचों का एक इंडिपेंडेंट टेस्टिंग लेबोरेटरी ने टेस्ट किया था और वे सभी निर्धारित पीएच मान के भीतर ठीक पाए गए। कंपनी ने कहा कि वह पिछले 57 वर्षों से अपने मुलुंड प्लांट में बेबी पाउडर बना रही है और इसका लाइसेंस जनवरी 2020 में रिन्यू किया गया था। दावा किया कि लाइसेंस रद्द होने के कारण उसे रोजाना 2.5 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

सरकार ने स्वष्ठ की एक रिपोर्ट के बाद सार्वजनिक हित का हवाला देते हुए कंपनी का लाइसेंस कैंसिल कर दिया था। रिपोर्ट में पाया गया था कि कंपनी के मुलुंड प्लांट में बने बेबी पाउडर का सैंपल स्टैंडर्ड क्वालिटी का नहीं था। कंपनी का लाइसेंस 15 सितंबर को कैंसिल कर दिया था और बाद में कंपनी को उस प्रोडक्ट के स्टॉक को बाजार से वापस मंगाने का भी निर्देश दिया था।

108 साल पुराने हिंदुजा ग्रुप का इसी महीने होगा बंटवारा

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन के सबसे अमीर कारोबारी घरानों में एक हिंदुजा परिवार की राहें अब जुदा होने वाली है। दरअसल, 108 वर्ष पुराने हिंदुजा ग्रुप के बंटवारे की डेडलाइन तय हो गई है। ग्रुप का कुल नेट वर्थ 14 अरब डॉलर है। हिंदुआ भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। हिंदुजा बंधुओं में सबसे बड़े 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा के वकीलों हाल ही लंदन की एक अदालत को बताया है कि परिवार 2014 के एक आपसी करार को समाप्त करने के लिए सहमत हो गया है। इस बाबत परिवार के बीच समझौता बीते 30 जून 2022 को हुआ था।

बंटवारे के लिए नवंबर महीने की डेडलाइन तय

सूत्रों के अनुसार इसी आधार पर इसी महीने यानी नवंबर में ही पारिवारिक बिजनेस के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अगर नवंबर महीने में बंटवारा फाइनल नहीं किया गया तो एक बार फिर यह मामला अदालत तक पहुंच सकता है। हिंदुजा ग्रुप के पास दर्जनों कंपनियों का स्वामित्व है, जिनमें से छह लिस्टेड कंपनियां हैं। भारत में बैंकिंग कारोबार से जुड़े इंडसइंड बैंक का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के पास है। इसके अलावे कमर्शियल वाहनों के बड़े निर्माता अशोक लिलैंड नाम की कंपनी का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के ही पास है।

क्या है हिंदुजा परिवार के बीच का विवाद

हिंदुजा परिवार के बीच जारी विवाद का कारण 2014 में हुआ एक पारिवारिक समझौता है। समझौते में कहा गया था कि परिवार का सबकुछ प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित है और कुछ भी किसी से भी संबंधित नहीं है। इस समझौते पर परिवार के चारों भाइयों ने हस्ताक्षर किया था। हालांकि, समझौते के कुछ वर्षों बाद ही सबसे बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा की बेटियों शानू और वीनू ने इसे चुनौती दे दी। उसके बाद श्रीचंद हिंदुजा अपने भाइयों जीपी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। यह मामला समझौते की वैधता से संबंधित था। वहीं दूसरी ओर, तीन छोटे भाइयों की दलील थी कि यह चिट्ठी 100 वर्ष से अधिक पुराने हिंदुजा ग्रुप की उत्तराधिकार की योजना थी। इस पर कानूनी विवाद नवंबर 2019 से चल रहा है। ब्रिटेन के अलावे यूरोप के कई देशों में हिंदुआ ब्रदर्स के बीच इस कानूनी संघर्ष जारी है। इससे परिवार की साख को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

किन-किन चीजों के कारोबार में है हिंदुजा ग्रुप का दखल

देश में ट्रक (कमर्शियल वाहन) बनाने के कारोबार के अलावे हिंदुजा ग्रुप बैंकिंग, केमिकल्स, पावर, मीडिया और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी है। ग्रुप की कंपनियों में ऑटो कंपनी अशोक लीलैंड और इंडसइंड जैसे बड़े ब्रांड शामिल हैं। 14 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ हिंदुजा ग्रुप ब्रिटेन का सबसे कारोबारी परिवार है। ग्रुप का कारोबार दुनिया के 38 देशों तक फैला है। कंपनी के पेरोल पर करीब 1.5 लाख कर्मचारी है। हिंदुजा ग्रुप की स्थापना वर्ष 1914 में श्रीचंद परमानंद ने अविभाजित भारत के सिंध प्रांत में की थी। यह समूह कभी कमोडिटी-ट्रेडिंग फर्म के रूप में कारोबार करता था।

थोड़े दिन अभिनय से दूर रहेंगे आमिर खान

-अपने निजी जीवन पर करेंगे ध्यान केंद्रित

मुबंई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान कुछ समय के लिए अभिनय नहीं करेंगे और अपने निजी जीवन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अभिनेता आमिर खान ने कहा, मैं जब कोई फिल्म करता हूं तो एक अभिनेता के तौर पर उसमें खो जाता हूं..इसके अलावा मेरे जीवन में और कुछ नहीं होता। इसलिए मैंने थोड़े दिन इससे दूर रहने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मुझे लाल सिंह चड्ढा के बाद एक फिल्म चैंपियन पर काम शुरू करना था...उसकी कहानी व पटकथा बेहतरीन है। वह एक दिल को छूने वाली फिल्म है, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे थोड़ा आराम करना चाहिए। मैं अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं अपनी मां और अपने बच्चों के साथ... अभिनेता (57) ने दिल्ली में अपने बचपन के एक दोस्त द्वारा आयोजित एक सत्र में कहा, मुझे लगता है कि मैं पिछले 35 साल से केवल काम कर रहा हूं और केवल काम पर ध्यान दे रहा हूं... मुझे लगता है कि यह उन लोगों के लिए ठीक नहीं है जो मेरे करीब हैं। यह कई मायने में मेरे लिए भी सही नहीं है। यह मेरे लिए जीवन का अलग तरह से लुत्फ उठाने का समय है... उन्होंने कहा, मैं अगले साल के लिए उत्साहित हूं... अगले डेढ़ साल मैं पहली बार बतौर अभिनेता कोई काम नहीं करूंगा। अभिनेता ने बताया कि फिल्म चैंपियन के साथ वह बतौर निमार्ता जुड़े रहेंगे।

उम्र के फासले को लेकर अरबाज-जॉर्जिया निशाने पर

-दोनों के बीच लगभग 22 साल का ऐज गैप

मुबंई (ईएमएस)। अरबाज खान ने अपने हालिया इंटरव्यू में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी संग एज गैप को लेकर बातें की। दोनों के बीच लगभग 22 साल का ऐज गैप है। अरबाज खान 55 साल के हैं तो वहीं जॉर्जिया 33 साल की हैं। अब इस मामले पर अरबाज खुद सामने आए और इसकी वजह बताई। बता दें कि जॉर्जिया से डेट करने से पहले अरबाज मलाइका अरोड़ा संग शादी रचाई थी। लेकिन शादी के 15-16 सालों बाद इनके बीच अनबन की खबरें आने लगीं और आखिरकार 2017 में ये रिश्ता खत्म हो गया। दोनों का एक बेटा हैं जिसका नाम अरहान है। अपने बेटे के लिए मलाइका -अरबाज अक्सर साथ दिखाई देते हैं, लेकिन निजी तौर वे दोनों ही आगे बढ़ चुके हैं। मलाइका इन दिनों एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। मालूम हो कि अरबाज इन दिनों वेब सीरीज तनाव को लेकर खबरों में छाए हुए हैं। सीरिज में अरबाज ने दमदार एक्टिंग की है। तनाव इजरायली शो फौदा का आधिकारिक हिंदी रीमेक है। यह 11 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज हुई थी। यह वेब सीरीज सुधीर मिश्रा और सचिन कृष्ण द्वारा निर्देशित है। गर्लफ्रेंड जॉर्जिया संग उम्र के फासले को लेकर अरबाज खान ने सिद्धार्थ कनन संग बातचीत में कहा, हमारे बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है, लेकिन हम में से किसी ने भी इसे महसूस नहीं किया है। मैं कभी-कभी उससे पूछता हूं, सचमुच? यह एक ब्रीफ और शॉर्ट टर्म मामला हो सकता था। लेकिन जब आप किसी रिश्ते में आते हैं, तो आप बहुत आगे की ओर नहीं देखते हैं, लेकिन जितनी देर आप उसमें रहते हैं, और भी कई सवाल होते हैं जिनका जवाब देने की जरूरत होती है। ऐसे में आप आगे ले जाना पसंद करते हैं। अभी मेरे लिए बात करना जल्दबाजी होगी।

मुझे चुनने से पहले 130 लड़कियों का ऑडिशन लिया

-'कुमकुम भाग्य' की अभिनेत्री ऋचा राठौर ने बताया

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री ऋचा राठौर ने 'रब से है दुआ' शो के लिए ऑडिशन देने और शिमला में 130 लड़कियों के बीच गजल की भूमिका के लिए चुने जाने को याद किया। 'कुमकुम भाग्य' की एक्ट्रेस ऋचा कहती हैं, "जब मुझे इस भूमिका की पेशकश की गई तो मैं शिमला में थी। एक बार जब मुझे भूमिका मिली, तो मुझे पता चला कि वे बहुत लंबे समय से गजल के लिए ऑडिशन ले रहे थे। वास्तव में, उन्होंने मुझे चुनने से पहले 130 से अधिक लड़कियों का ऑडिशन लिया था। सच कहूं तो, मैं हर चीज के लिए काफी खुश, अभिभूत और आभारी थी। मुझे यकीन है कि दर्शकों के लिए शो में गजल की यात्रा देखना दिलचस्प होगा।" 'रब से है दुआ' एक शादीशुदा जोड़े दुआ (अदिति शर्मा द्वारा अभिनीत) और हैदर (करणवीर शर्मा द्वारा अभिनीत) की कहानी है। गजल (ऋचा) एक विद्रोही, आधुनिक और स्वतंत्र लड़की है, जो हैदर को यह जानकर प्यार करती है कि वह शादीशुदा है। 'नागिन 4', 'राधाकृष्ण', 'दिव्य धृष्टि' जैसे शो में काम कर चुकी ऋचा शो का हिस्सा बनने और अपनी भूमिका के बारे में बात करती हैं। अपने ऑन-स्क्रीन कैरेक्टर के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, वह साझा करती हैं, "वह एक आधुनिक लड़की है, जो समाज के नियमों और पूर्व धारणाओं में विश्वास नहीं करती है। एक निराशाजनक रोमांटिक होने के नाते, वह सोचती है कि जब बात प्यार की आती है तो कोई सीमा नहीं होती है। वह एक मजबूत विचारों वाली लड़की है और अपने दिमाग में इस बारे में बहुत स्पष्ट है कि वह जीवन से क्या चाहती है।" वह आगे कहती हैं, "जब मैं पहली बार 2018 में बॉम्बे आई थी, तो मैंने 'कुमकुम भाग्य' में काम किया और वह टेलीविजन पर मेरा पहला शो था। अब, इस शो में मैं गजल की भूमिका निभा रही हूं, जो एक स्वतंत्र लड़की है, पढ़ी लिखी और अपनी शर्तों पर जीवन जीना पसंद करती है।"

ज्योतिका टांगरी लेकर आई 'कमली' नामक नया ट्रैक

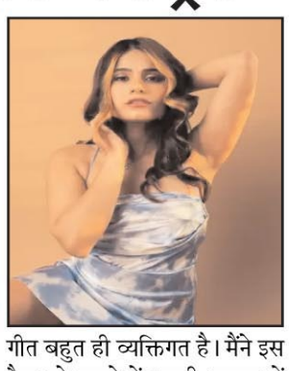

कई मशहूर गानों के लिए जानी जाने वाली गायिका ज्योतिका टांगरी 'कमली' नामक एक नया ट्रैक लेकर आई हैं। वह कहती हैं कि उन्होंने इस नंबर को बनाने में अपनी भावनाओं को शामिल किया। गीत पर एक गीतकार और संगीतकार के रूप में दोहराते हुए, ज्योतिका के संगीत वीडियो की अवधारणा सुमित बरुआ द्वारा की गई है और रामजी गुलाटी द्वारा निर्देशित है। गाने के बारे में बात करते हुए, वह हमें बताती है, "हम एक भावपूर्ण प्रेम गीत चाहते थे और कमली के साथ हम पूरी तरह से बाहर हो गए। प्यार सभी प्रकार के भावुक और गन्दा भी है और हम अपने गीत में रोमांस के उन्माद को पकड़ना चाहते थे। 'कमली' प्यार के पागलपन को दर्शाती है। मैंने खुद ट्रैक बनाया है और इसे खुद लिखा है क्योंकि मेरे लिए, गीत बहुत ही व्यक्तिगत है। मैंने इस ट्रैक को बनाने में अपनी भावनाओं को चैनल किया है। एक कलाकार के लिए इससे बड़ी कोई उपलब्धि नहीं है। उनका काम लोगों से बात करता है। हमारे रास्ते में आने वाले प्यार से मैं प्रभावित हूं।" बता दें कि गायिका ने सदाबहार गाने 'ओ मेरी लैला', 'पल्लो लटके', 'मुंगड़ा' और 'खड़के ग्लासी' जैसे गाने गाए है जो लोगों की जुबां हमेशा ही रहते हैं।

फातिमा ने मिर्गी के बारे में जागरुक करने लिया सोशल मीडिया का सहारा

-नवंबर महीने को जाना जाता है मिर्गी जागरूकता माह के रूप में

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने हाल ही में मिर्गी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया, जिससे वह भी पीड़ित हैं। नवंबर को मिर्गी जागरूकता माह के रूप में जाना जाता है। फातिमा सना शेख लोगों के बीच इसे संबोधित करने और उसी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। अभिनेत्री ने इस कारण को संबोधित किया, जबकि उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लोगों से अपनी कहानियों, संघर्षों और चुनौतियों को साझा करने के लिए बातचीत शुरू की। अपने इंस्टाग्राम के कहानी खंड में ले जाते हुए उन्होंने लिखा, "यह मिर्गी का महीना है। अपनी कहानी, संघर्ष, चुनौतियां साझा करें या बस पूछें।" उन्होंने यह भी बताया कि 'दंगल' की तैयारी के दौरान उन्हें इस विकार के बारे में पता चला। उनके एक अनुयायी द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्हें इसके बारे में कब पता चला, अभिनेत्री ने लिखा, "विकार का निदान तब हुआ, जब मैं 'दंगल' के लिए प्रशिक्षण ले रही थी। मुझे एक एपिसोड मिला और मैं सीधे अस्पताल में जाग गई । मैं पहले इनकार में थी और अब, मैंने इसे गले लगाना, काम करना और इसके साथ रहना सीख लिया है।" ऐसी हालात में वह कैसे काम कर रही हैं, इस पर फातिमा ने लिखा कि वह अपने सभी निर्देशकों को सूचित करती हैं कि उन्हें मिर्गी है। "वे हमेशा बहुत सहायक और समझदार रहे हैं। वे उन चुनौतियों के बारे में जानते हैं, जिनका मुझे एपिसोड मिलने के दिनों में सामना करना पड़ सकता है।" बता दें कि फातिमा सना शेख जल्द ही 'सैम बहादुर' में इंदिरा गांधी के रूप में देखा जाएगा।

कीर्ति नागपुरे ने तांडव सीखने का अनुभव साझा किया

छोटे परदे की अभिनेत्री कीर्ति नागपुरे ने शो 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' में एक सीक्वेंस के लिए तांडव सीखने के अपने अनुभव को साझा किया। यह शो मोहन (शब्बीर अहलूवालिया) और राधा (निहारिका रॉय) की प्रेम कहानी पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा, "मैंने अपने जीवन में पहली बार तांडव किया है। पहले तो जब मुझे इस सीन के बारे में पता चला तो मैं बहुत नर्वस थी क्योंकि मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। हम सभी जानते हैं कि यह सबसे कठिन नृत्य रूपों में से एक है और इसे करने के लिए वर्षों का अभ्यास करना पड़ता है।"कीर्ति को 'देश की बेटी नंदिनी' और 'परिचय' शो में भी देखा गया था। हालांकि, उन्होंने यह नृत्य रूप कभी नहीं सीखा जो भगवान शिव से जुड़ा है और इसके लिए बहुत अधिक ऊर्जा और शक्ति की जरूरत होती है। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने कम समय में ये कला सीखी। "मेरे पास इसका पूर्वाभ्यास करने के लिए केवल एक दिन था, इसलिए मैंने अपना सौ प्रतिशत देने और जितना हो सके सीखने का फैसला किया। किसी तरह, मैं प्रदर्शन देने में कामयाब रही और मुझे कहना होगा, इस नृत्य रूप की आवश्यकता है ताकत, संतुलन, और भावनाओं का उच्च स्तर।

चीरंजीवी एवं उर्वशी की जोड़ी छाई इंस्टाग्राम पर

सोशल मीडिया पर बालीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने मेगास्टार चीरंजीवी के साथ एक तस्वीर साझा की है। उर्वशी चमकीले गुलाबी पैंट के साथ एक नारंगी शर्ट में अच्छी दिख रही है, जबकि चिरंजीवी एक सफेद टी-शर्ट और काली जींस में सहज दिख रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "जब मैं पुरस्कार जीतती हूं, तो मैं अपने माता-पिता के बारे में सोचती हूं। मेरे लिए, सर्वश्रेष्ठ होने का मतलब विभिन्न देशों और ब्रह्मांड में इसे साबित करना है। आभारी मेगास्टार एट-चिरंजीवीकोनिडेलागरु, हैशटैग-बॉबीकोल्ली एट-मायत्रीऔफिशीयल हैशटैग-वाल्टेयर वीरय्या।" उर्वशी निर्देशक बॉबी कोल्ली की आगामी एक्शन एंटरटेनर 'वाल्टर वीरैया' में दिखाई देंगी, जिसमें चिरंजीवी और रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उर्वशी की विशेषता वाला एक विशेष गीत होगा। सभी व्यावसायिक सामग्रियों के साथ एक बड़े पैमाने पर एक्शन एंटरटेनर होने के लिए बिल किया गया, यह फिल्म नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित की गई है, जबकि जीके मोहन सह-निर्माता हैं।

साइकिल चलाना खेल नहीं, यह संपूर्ण कसरतः सैयामी

- मुंबई साइक्लोथॉन में भाग लिया एक्ट्रेस ने

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर का मानना है कि साइकिल चलाना सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण कसरत है। अपने जुनून के बारे में बात करते हुए, खेर ने कहा, "मुझे हमेशा से साइकिल चलाना पसंद है और हमेशा से माना है कि यह एक अच्छी कसरत है जो आपको न केवल फिट रखती है बल्कि सक्रिय भी रखती है। और यह शहर में यात्रा करने का सबसे आसान और किफायती साधन भी है। परिवहन के पर्यावरण के अनुकूल माध्यम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अभिनेत्री ने साइक्लोथॉन के लिए 75 किमी से अधिक समय तक साइकिल चलाई। सैयामी ने आगे कहा कि लोगों को साइकिल से काम पर जाना चाहिए अगर उनका कार्यस्थल बहुत दूर नहीं है। भले ही वे आसपास के क्षेत्र में आना-जाना चाहते हों, साइकिल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है।" न केवल स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण के संबंध में भी साइकिल चलाने के अपने फायदे हैं, "यह न केवल स्वास्थ्य में सुधार करेगा बल्कि पर्यावरण और प्रकृति को उत्सर्जन मुक्त भविष्य के साथ मदद करेगा। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह समय है कि लोग जागरूक होना शुरू करें और अगर आपको किसी छोटी दूरी वाली जगह पर जाना है तो साइकिल से छोटी दूरी तक आप जा सकते हैं। यहां तक कि स्थानीय निकायों को भी हमारी मदद करने के लिए और अधिक करने की आवश्यकता है। सड़कें साइकिल के अनुकूल हों जैसे कि दुनिया भर के कई शहरों में है, एम्स्टर्डम एक प्रमुख उदाहरण है।" सैयामी ने कहा कि जब भी और जहां भी मुझे मौका मिलता है मैं साइकिल चलाती हूं, इससे मैं फिट रहती हूं और साथ ही यह प्रकृति मां के प्रति मेरा योगदान है।"

सुपरहिट स्पाई थ्रिलर 'सरदार' 18 को ओटीटी पर

सुपरहिट स्पाई थ्रिलर 'सरदार' 18 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक पीएस मिथुन है। नुकीले, मनोरंजक और मनोरंजक स्पाई थ्रिलर के तमिल और तेलुगु संस्करण, जिसमें राशी खन्ना, राजिशा विजयन, चंकी पांडे और लैला भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर रिलीज होगी। फिल्म में कार्ति मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में दोहरी भूमिका निभाने वाले कार्ति ने कहा, "एक रहस्यपूर्ण कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए 'सरदार' का हिस्सा बनने का सबसे बड़ा आकर्षक कारण था। मैं उत्साहित हूं कि अब दर्शकों का एक नया आधार अहा पर तमिल और तेलुगु में फिल्म देखेगा।" 'सरदार' विजय प्रकाश (कार्थी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो प्रचार का भूखा पुलिस वाला है, जिसे देशद्रोही का बेटा होने का भूत सताता है। विजय प्रकाश के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आता है जब जल निकायों के निजीकरण के खिलाफ अभियान चलाने वाली कार्यकर्ता समीरा (लैला) की रहस्यमय तरीके से मौत हो जाती है।

सूडोकु नवताल- 6254

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6253 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्दजाल - 7001

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स	
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र	
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का	
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र	
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प	
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स	
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा	
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा	
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ	
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द	
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म	

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता, सरकार, सजा, सचेत, सजग, सरफरोश, सल्तनत, सड़क, सत्ताधीश, सताना

शब्दजाल - 7000 का हल

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज	
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड	इं	म	ला	ई	
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द	
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब	
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्नि	
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग	
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे	
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न	
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु	
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	रे	
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5954

	3	7	5			2
5	38		32	1	27	
	4		2	3	6	
3	32		32		33	
6		4	7		5	
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5953 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	34	6	33	1	33	7
5	1	3	6	7	2	4
1	22	2	35	4	34	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

देश का व्यापार घाटा बढ़कर173 अरब डॉलर हुआ अक्टूबर में निर्यात पिछले वर्ष से 17प्रतिशत घटा

नई दिल्ली ।
वैश्विक मांग घटने से देश के निर्यात में अक्तूबर में 23 महीने बाद पहली बार गिरावट आई है। इस दौरान निर्यात सालाना आधार पर 16.65 फीसदी घटकर 29.78 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले नवंबर, 2020 में वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 8.74 फीसदी घटा था। अक्तूबर, 2021 में 35.73 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान आयात 6 फीसदी बढ़कर 56.69 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात में वृद्धि से देश का व्यापार घाटा 50.25 फीसदी बढ़कर 26.91 अरब डॉलर पहुंच गया। पिछले साल अक्तूबर में यह आंकड़ा 17.91 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय ने कहा, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, पेट्रोलियम उत्पाद, बने कपड़े, रसायन, फार्मा व चमड़ा के नकारात्मक प्रदर्शन से निर्यात में गिरावट आई है। वहीं, कच्चे तेल, कपास, उर्वरक और मशीनरी जैसे कच्चे माल की अधिक मांग से आयात बढ़ा है। विशेषज्ञों ने कहा, आर्थिक वृद्धि के साथ घरेलू मांग बढ़ने से आयात बढ़ रहा है।

16.6 फीसदी घटकर 29.78 अरब डॉलर रह गया निर्यात 50.25 फीसदी बढ़कर 26.91 अरब डॉलर पहुंचा व्यापार घाटा अप्रैल-अक्तूबर में निर्यात 13प्रतिशत बढ़ा आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 की अप्रैल-अक्तूबर अवधि में देश का निर्यात 12.55 फीसदी बढ़कर 263.35 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान 436.81 अरब डॉलर का आयात किया गया, जो 2021-22 की समान अवधि के मुकाबले 33.12 फीसदी ज्यादा है। आयात बढ़ने से अप्रैल-अक्तूबर में व्यापार घाटा सालाना आधार पर 84.21 फीसदी बढ़कर 173.46 अरब डॉलर पहुंच गया। 2021-22 की समान अवधि में यह आंकड़ा 94.16 अरब डॉलर रहा था। निर्यातकों के संगठन फियो ने कहा, माल की कीमतों में वृद्धि, बढ़ती महंगाई, मंदी में प्रवेश करने वाली अर्थव्यवस्था, मुद्राओं में उच्च अस्थिरता व भू-राजनीतिक संकट के कारण मांग में कमी के बीच वस्तुओं के निर्यात में मंदी आई है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियां दुनियाभर में मांग को प्रभावित कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

बैंक के अगले सीईओ नहीं होंगे उदय कोटक के बेटे जय, छह महीने में होगा नए मुखिया का चुनाव

नई दिल्ली । मुंबई स्थित कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल उदय कोटक बैंक के सीईओ का कार्यभार संभाल रहे हैं। पर आरबीआई के नियमों के तहत उन्हें अपना पद जल्द छोड़ना है। इस बीच यह भी साफ हो गया है कि अगले सीईओ उदय कोटक के बेटे जय कोटक नहीं होंगे और यह जिम्मेदारी कोई दूसरा शख्स संभालेगा। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी की ओर से यह साफ कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में नए सीईओ की नियुक्ति के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। इसका मतलब साफ है कि अगले छह महीनों के दौरान नया सीईओ उदय कोटक की जगह बैंक की कमान संभाल लेगा। हालांकि उदय कोटक के बेटे जय कोटक नए सीईओ नहीं हो यह साफ कर दिया गया है। कोटक महिंद्र बैंक के पूर्णकालिक निदेशक केवीएस मणियन ने कहा है कि बैंक के संस्थापक जय कोटक का नाम सीईओ के रेस में नहीं है। उन्होंने कहा है कि जय कोटक अभी युवावस्था में और उन्हें मेरिट के आधार पर काम करते हुए खुद को साबित करना होगा।

घाटे वाली इकाइयों को बंद करने के लिए दिवालिया कोर्ट में जाएं सरकारी कंपनियां

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि घाटे में चलने वाले उपक्रमों को बंद करने के लिए सरकारी कंपनियों को दिवालिया अदालत में जाना चाहिए। इससे समाधान में तेजी आएगी।सरकार इन कंपनियों में अपनी होल्डिंग कम करना चाहती है। सोमवार को जारी निर्देश के अनुसार, शीर्ष कैबिनेट मंत्रियों की एक समिति से मंजूरी मिलने के तीन महीने के भीतर घाटे में चल रही कंपनी के समाधान के लिए इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) के तहत दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन दाखिल करना होगा। सरकार उस दिन से नौ महीनों तक घाटे में चलने वाली इकाइयों को बंद करने की सोच रही है, जिस दिन से वह फर्म मंजूरी मांगती है। मूल कंपनियों के बोर्ड को उनकी सहायक कंपनियों की भूमि संपत्तियों को अलग करने के लिए कहा गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भूमि विवाद इकाइयों को बंद करने में बाधा न बने। फर्मों को पट्टे पर दी गई भूमि के लिए राज्य सरकारों से देय किसी भी मुआवजे को बट्टे खाते में डालने के लिए भी कहा गया है। सरकार ने कहा कि राज्य की कंपनियां कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय से संपर्क करके इकाइयों को बंद करने का विकल्प चुन सकती हैं। वर्तमान में ऐसा नियम है। इससे सरकारी कंपनियों को कम करने में मदद मिलेगी। सरकार लगातार विनिवेश के जरिये इनकी संख्या कम भी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति और उन्हें हटाने को लेकर नया विकल्प पेश किया है।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

बीकाजी फूड्स व ग्लोबल हेल्थ की बाजार में मजबूत लिस्टिंग, निवेश करने वाले रहे मुनाफे में

नई दिल्ली ।
मिठाई और नमकीन बनाने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स के शेयरों की लिस्टिंग ठीक-ठाक प्रीमियम पर हो गई है। आईपीओ के इश्यू प्राइस 300 रुपये के मुकाबले बीएसई पर बीकाजी फूड्स के शेयर 321 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से लिस्ट हुए हैं। ऐसे में आईपीओ में जिन निवेशकों को शेयर मिले हैं उन्हें लिस्टिंग पर सात फीसदी प्रीमियम मिला है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर बीकाजी फूड्स के शेयर 323 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। ऐसे में शेयर बाजार कर लिस्टिंग में बीकाजी फूड्स के शेयरों ने निवेशकों को निराश नहीं किया है। बीकाजी फूड्स की लिस्टिंग के बाद निवेशकों को प्रति शेयर 21 से 23 रुपये का मुनाफा मिला है। लिस्टिंग के बाद बीकाजी फूड्स के शेयरों की कीमत 330 रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो इसका अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

285 से 300 रुपये तय किया गया था आईपीओ का प्राइस बैंड

बीकाजी देश की प्रतिष्ठित एफएमसीजी (भुजिया और नमकीन) ब्रांड है। तीन से सात नवंबर के बीच कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए खुला था। बीकाजी फूड्स के आईपीओ के लिए 285 रुपये से 300 रुपये के बीच का प्राइस बैंड रखा गया था। कंपनी आईपीओ के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाना चाहती थी। आईपीओ के तहत 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री की गई। बाजार के जानकारों के मुताबिक बीकाजी फूड्स के शेयर ग्रे मार्केट में 71 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार करते दिखे थे।

ग्लोबल हेल्थ के आईपीओ को भी मिली मजबूत लिस्टिंग

मेदांता हास्पिटल के नाम से अस्पतालों का चेन चलाने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड भी शेयर बाजार में लिस्ट हो गया है। कंपनी को शेयर बाजार में करीब 19 फीसदी की लिस्टिंग मिली है। कंपनी के शेयर बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 401 रुपये प्रति शेयर जबकि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 398.15 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के आईपीओ का इश्यू प्राइस 336 रुपये प्रति शेयर था। लिस्टिंग के बाद अपने पहले दिन के शुरुआती कारोबार में ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 409 रुपये और एनएसई पर 410 रुपये प्रति शेयर के भाव तक पहुंच गए।

2206 करोड़ रुपये था कंपनी के आईपीओ का मूल्य

मेदांता ब्रांड नाम के तहत अस्पतालों का परिचालन और मैनेजमेंट करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपने 2,206 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 319-336 रुपये प्रति शेयर का तय किया था। कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री तीन से सात नंवबर के बीच हुई थी। आईपीओ के माध्यम से पांच सौ करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए गए थे। इसके अलावा 5.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फोर सेल के जरिए की गई थी।

ट्विटर में 'बदलाव' के लिए दफ्तर में सो रहे मस्क, आशंकित कर्मियों का भी ऑफिस ही 'आशियाना

नई दिल्ली ।
दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने अपने बारे में एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को एक ट्वीट करते हुए टेस्ला स्पेसएक्स और ट्विटर जैसी कंपनियों के कर्ताधर्ता मस्क ने बताया है कि फिलहाल वे सेन फ्रांसिस्को स्थित हेडक्वार्ट में ही सो रहे हैं। बता दें उन्होंने यह ट्वीट उन खबरों के बीच किया है जिसमें कहा गया है कि ट्विटर के नए बॉस मस्क की डर से दफ्तर में ही सोने को मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्विटर की कमान संभालने के बाद से ही एलन मस्क इसे नया स्वरुप देना चाहते हैं। इसके लिए वे बदलावों पर काम कर रहे हैं।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में उनकी ओर से प्रस्तावित कुछ बदलावों की आलोचना भी हो रही है। इन सबके बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि नौकरी जाने की डर से कई ट्विटर कर्मचारी रात को ऑफिस में सो रहे हैं। इन खबरों के बाद अब मस्क ने भी साफ किया है कि वे खुद ट्विटर हेडक्वार्टर में सो रहे हैं, और ऐसा तब तक चलेगा जब तक ट्विटर पर सबकुछ ठीक नहीं हो जाता है। हालांकि, उनकी इस ट्वीट को बाद में डिलीट कर दिया गया। एलन मस्क ने ट्वीट में बताई ऑफिस में सोने की वजहबता दें कि माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद एलन मस्क ने ट्विटर के लगभग आधे कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, जिसमें ट्विटर के तत्कालीन सीईओ पराग अग्रवाल भी शामिल थे। जो कर्मचारी कंपनी में बचे थे उन्हें नई वर्क डेडलाइन दे दी गई थी। ट्विटर के अधिग्रहण के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें वायरल हुई थीं जिनमें कई कर्मचारी ऑफिस में ही स्लिपिंग बैग्स में सोते दिखे थे। हालांकि ये तस्वीरें ट्विटर के किसी दफ्तर के थे यह साफ नहीं हो पाया था। ट्विटर के टेकओवर के बाद मस्क ने यह भी कहा है कि संस्था में सुधार के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उससे उनका खुद का काम भी काफी बढ़ गया है। इस बीच, कंपनी के कर्मियों को भी सख्त लहजे में कहा गया कि उन्हें अब हर हफ्ते 80 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

सात महीने के ऊंचे स्तर पर सोना: 24 कैरेट सोने की कीमत 52,877 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंची, शादियां और डॉलर कमजोर होने से तेजी

मुंबई ।
सोने में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। यह 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 52,877 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इससे पहले इसी साल 20 अप्रैल को सोना 52,752 रुपए पर था। एनालिस्ट के मुताबिक देश में लाखों की तादाद में शादियां और डॉलर कमजोर होने से सोने में तेजी देखी जा रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, 3 नवंबर को सोने की कीमत घटकर 50,114 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। इस हिसाब से बीते सात दिन में सोना 2,763 रुपए महंगा हो गया। 5,6 और 8 नवंबर को सर्राफा बाजार बंद था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि मौजूदा हालात सोने के पक्ष में है। अगले साल जनवरी तक यह तेजी जारी रह सकती है। 14 नवंबर से लेकर 14 दिसंबर के बीच देश में 30 लाख से ज्यादा शादियां होने का अनुमान है। इसके लिए गहनों की खरीदारी शुरू हो गई है। इसके चलते सोने की मांग बढ़ गई है।

डॉलर में बड़ी गिरावट

अमेरिका में बीते माह अनुमान से कम महंगाई के कारण डॉलर इंडेक्स तीन महीनों के निचले स्तर पर आ

गया है। डॉलर की वैल्यू गिरने का सीधा असर सोने में तेजी के रूप में नजर आता है।

चीन में नए साल का जश्न

चीन में सोने की खपत सबसे ज्यादा होती है। वहां 20 जनवरी से नए साल का जश्न चलेगा। इसकी तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है और सोने की खरीद बढ़ जाती है।

भू-राजनीतिक तनाव

चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच रूस-यूक्रेन युद्ध भी एक बार फिर भड़क गया है। इसके चलते अनिश्चितता बढ़ी और दुनियाभर के निवेशक सोने में निवेश बढ़ाने लगे हैं।

जॉनसन एंड जॉनसन को मिली मुलुंड प्लांट में पाउडर बनाने की परमिशन: बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- अपने रिस्क पर पाउडर बना सकते हैं, लेकिन अभी बेच नहीं सकते

मुंबई ।
बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को जॉनसन एंड जॉनसन को खुद के रिस्क पर महाराष्ट्र के मुलुंड प्लांट में अपना बेबी पाउडर बनाने की परमिशन दी। हालांकि, कंपनी फिलहाल इसका डिस्ट्रीब्यूशन और सेल नहीं कर सकेगी। स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इस पर रोक लगा रखी है। जस्टिस एस वी गंगापुरवाला और जस्टिस एस जी डिगे की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर के सैंपल की फिर से जांच करने का भी आदेश दिया, जिसे दो हफ्ते के भीतर पूरा किया जाना है। को ये सैंपल लेकर री-टेस्टिंग के लिए दो सरकारी लेबोरेटरी और एक

प्राइवेट लेबोरेटरी में देना होगा। कोर्ट अभी कंपनी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उसके बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को कैंसिल करने के सरकारी आदेश को चुनौती दी गई है।

कंपनी ने अपनी याचिका में कहा था कि फरवरी, मार्च और सितंबर 2022 के 14 रैंडम बैचों का एक इंडिपेंडेंट टेस्टिंग लेबोरेटरी ने टेस्ट किया था और वे सभी निर्धारित पीएच मान के भीतर ठीक पाए गए। कंपनी ने कहा कि वह पिछले 57 वर्षों से अपने मुलुंड प्लांट में बेबी पाउडर बना रही है और इसका लाइसेंस जनवरी 2020 में रिन्यू किया गया था। दावा किया कि लाइसेंस रद्द होने के कारण उसे रोजाना 2.5 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

सरकार ने स्वष्ठ की एक रिपोर्ट के बाद सार्वजनिक हित का हवाला देते हुए कंपनी का लाइसेंस कैंसिल कर दिया था। रिपोर्ट में पाया गया था कि कंपनी के मुलुंड प्लांट में बने बेबी पाउडर का सैंपल स्टैंडर्ड क्वालिटी का नहीं था। कंपनी का लाइसेंस 15 सितंबर को कैंसिल कर दिया था और बाद में कंपनी को उस प्रोडक्ट के स्टॉक को बाजार से वापस मंगाने का भी निर्देश दिया था।

108 साल पुराने हिंदुजा ग्रुप का इसी महीने होगा बंटवारा

नई दिल्ली ।
ब्रिटेन के सबसे अमीर कारोबारी घरानों में एक हिंदुजा परिवार की राहें अब जुदा होने वाली है। दरअसल, 108 वर्ष पुराने हिंदुजा ग्रुप के बंटवारे की डेडलाइन तय हो गई है। ग्रुप का कुल नेट वर्थ 14 अरब डॉलर है। हिंदुआ भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। हिंदुजा बंधुओं में सबसे बड़े 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा के वकीलों हाल ही लंदन की एक अदालत को बताया है कि परिवार 2014 के एक आपसी करार को समाप्त करने के लिए सहमत हो गया है। इस बाबत परिवार के बीच समझौता बीते 30 जून 2022 को हुआ था।

बंटवारे के लिए नवंबर महीने की डेडलाइन तय

सूत्रों के अनुसार इसी आधार पर इसी महीने यानी नवंबर में ही पारिवारिक बिजनेस के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अगर नवंबर महीने में बंटवारा फाइनल नहीं किया गया तो एक बार फिर यह मामला अदालत तक पहुंच सकता है। हिंदुजा ग्रुप के पास दर्जनों कंपनियों का स्वामित्व है, जिनमें से छह लिस्टेड कंपनियां हैं। भारत में बैंकिंग कारोबार से जुड़े इंडसइंड बैंक का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के पास है। इसके अलावे कमर्शियल वाहनों के बड़े निर्माता अशोक लिलैंड नाम की कंपनी का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के ही पास है।

क्या है हिंदुजा परिवार के बीच का विवाद

हिंदुजा परिवार के बीच जारी विवाद का कारण 2014 में हुआ एक पारिवारिक समझौता है। समझौते में कहा गया था कि परिवार का सबकुछ प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित है और कुछ भी किसी से भी संबंधित नहीं है। इस समझौते पर परिवार के चारों भाइयों ने हस्ताक्षर किया था। हालांकि, समझौते के कुछ वर्षों बाद ही सबसे बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा की बेटियों शानू और वीनू ने इसे चुनौती दे दी। उसके बाद श्रीचंद हिंदुजा अपने भाइयों जीपी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। यह मामला समझौते की वैधता से संबंधित था। वहीं दूसरी ओर, तीन छोटे भाइयों की दलील थी कि यह चिट्ठी 100 वर्ष से अधिक पुराने हिंदुजा ग्रुप की उत्तराधिकार की योजना थी। इस पर कानूनी विवाद नवंबर 2019 से चल रहा है। ब्रिटेन के अलावे यूरोप के कई देशों में हिंदुआ ब्रदर्स के बीच इस कानूनी संघर्ष जारी है। इससे परिवार की साख को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

किन-किन चीजों के कारोबार में है हिंदुजा ग्रुप का दखल

देश में ट्रक (कमर्शियल वाहन) बनाने के कारोबार के अलावे हिंदुजा ग्रुप बैंकिंग, केमिकल्स, पावर, मीडिया और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी है। ग्रुप की कंपनियों में ऑटो कंपनी अशोक लीलैंड और इंडसइंड जैसे बड़े ब्रांड शामिल हैं। 14 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ हिंदुजा ग्रुप ब्रिटेन का सबसे कारोबारी परिवार है। ग्रुप का कारोबार दुनिया के 38 देशों तक फैला है। कंपनी के पेरोल पर करीब 1.5 लाख कर्मचारी है। हिंदुजा ग्रुप की स्थापना वर्ष 1914 में श्रीचंद परमानंद ने अविभाजित भारत के सिंध प्रांत में की थी। यह समहू कभी कमोडिटी-ट्रेडिंग फर्म के रूप में कारोबार करता था।

क्या वास्तव में कच्ची सब्जियां-फलों से कंट्रोल रहता है डायबिटीज ?

डायबिटीज को कंट्रोल करने और इसकी कई प्रकार की जटिलताओं से बचाव करने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार और दिनचर्या को ठीक रखने की सलाह देते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर बचपन से ही खान-पान को ठीक कर लिया जाए तो डायबिटीज के जोखिमों को 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है। इतना ही नहीं, जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, वह भी आहार का ध्यान रखकर इसकी जटिलताओं से बचाव कर सकते हैं। आज विश्व मधुमेह दिवस है, वैश्विक स्तर पर बढ़ते डायबिटीज के खतरे को लेकर लोगों को अलर्ट करने और इससे बचाव को लेकर आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। अक्सर आपने भी सुना होगा कि कच्ची सब्जियों-फलों और सलाद के सेवन से ब्लड

शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है, क्या वास्तव में इसके लाभ हैं? कच्चे खाद्य पदार्थों का मतलब है बिना चीनी, नमक और मसालों के किसी चीज का सेवन करना, क्या डायबिटीज में इसके लाभ हो सकते हैं? आइए जानते हैं विशेषज्ञों का इस बारे में क्या मानना है? अमर उजाला से बातचीत में आहार विशेषज्ञ डॉ शिखा पांडे बताती हैं, डायबिटीज जैसी क्रोनिक बीमारियों के जोखिम से बचाव और इसकी जटिलताओं को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर रॉ फूड आइटम्स के सेवन की मांग काफी बढ़ी है। कच्चे आहार कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इनमें एंजाइम्स बरकरार होते हैं, जिससे शरीर के लिए ये विशेष लाभकारी हो सकते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के साथ इसके अन्य कारकों जैसे वजन बढ़ने की समस्या में भी ऐसे आहार लाभकारी हो सकते हैं। आहार विशेषज्ञ बताते हैं, शोध में पाया गया है कि कुछ सब्जियों को अधिक तापमान पर पकाने के कारण उनमें मौजूद आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, ऐसे में अगर उनको अच्छे से साफ करके कच्चा खाया जाए तो अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्लांट बेस्ड आहार में शरीर के लिए जरूरी ज्यादातर पोषक तत्व होते हैं और इससे साइड-इफेक्ट्स का जोखिम भी कम होता है। भोजन से पहले सलाद का सेवन करने की सलाह दी जाती है, यह न सिर्फ वजन को नियंत्रित रखने में सहायक है साथ ही इससे डायबिटीज को भी कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। कुछ प्रकार की सब्जियों और फलों को कच्चा खाना लाभकारी है, बस उनके ग्लाइसेमिक इंडेक्स का ध्यान जरूर रखा जाना चाहिए। अध्ययनों में पाया गया है कि कच्चे आहार से मधुमेह रोगियों को लाभ हो सकता है। ये पाचन को ठीक रखने में भी फायदेमंद है। ज्यादातर कच्चे खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, नट्स फाइबर से भरपूर होते हैं, जो तृप्ति को बढ़ावा देते हैं और पाचन में फायदेमंद माने जाते हैं। ये खाद्य पदार्थ लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले होते हैं जो धीरे-धीरे पचते हैं और इस तरह से रक्त शर्करा के स्पाइक्स को रोकते हैं। मधुमेह के रोगियों को किसी भी फल-सब्जी के सेवन के पहले उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स जरूर जांच लेना चाहिए। ग्लाइसेमिक इंडेक्स, वह मापक है जिससे पता लगाया जाता है कि भोजन में मौजूद कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज बनने में कितना समय लगता है, यानी कि भोजन हमारे ब्लड शुगर लेवल को कितनी जल्दी बढ़ाता है। हरी सब्जियां, कच्ची गाजर, खीरा, अंगूर, नाशपाती, सेब, संतरा, आलूबुखारा, पपीता और अंगूर जैसे फलों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इनका सेवन ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने नहीं देता है।

आंध्र प्रदेश में शराब की बिक्री में उछाल

2370 करोड़ रुपए प्रति माह पहुंचा राजस्व

आंध्र प्रदेश में शराब की बिक्री एक बार फिर फल-फूल रही है और राजस्व में इजाफा हो रहा है। एपी बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड यानी एपीबीसीएल द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल की इसी अवधि में 2,085 करोड़ रुपए से 2022-23 वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों में औसत राजस्व 2,370 करोड़ रुपए प्रति माह तक पहुंच गया। डाटा के मुताबिक, 2021-22 में भारतीय निर्मित शराब (आईएमएल) और बीयर के 347.75 लाख पेटी बेचे गए, इस साल अप्रैल और अक्तूबर के बीच यह संख्या 274.71 लाख पेटी को छू गई। इसके साथ, एपीबीसीएल को 2021-22 में 25,023.44 करोड़ रुपए से चालू वित्त वर्ष के अंत तक रिकार्ड 28,440 करोड़ रुपए की कमाई की उम्मीद है। 2019 से तीन चरणों में पूर्ण निषेध का वादा करने के बाद, वाई एस जगन मोहन रेड्डी सरकार ने पिछले साल नीति को उलट दिया और इसे केवल प्रतिबंध तक सीमित कर दिया क्योंकि इसने 14,000 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण को सुरक्षित करने के लिए शराब के राजस्व को बढ़ा दिया। कोविड-19 के नाम पर, सरकार ने मई 2020 में शराब की कीमत में 75 प्रतिशत की वृद्धि की, ताकि पिछले वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि के अलावा, कुल राजस्व में कमी को बढ़ाया जा सके, लेकिन 2021 में, उसने पड़ोसी राज्यों से तस्करी को रोकने के लिए कीमत में लगभग 40 प्रतिशत की कमी की, जहां शराब सस्ती थी और गुणवत्ता वाले ब्रांड थे। इसने पिछले कुछ वर्षों में आईएमएल की बिक्री को बढ़ाने में योगदान दिया, जबकि बीयर की खपत 2019 की तुलना में कम हो गई। हालांकि, इस मुद्दे पर सरकार का रुख बिल्कुल अलग है। इसने मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के हवाले से कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी और अन्य उपायों के कारण बिक्री कम हुई है। राजस्व (आबकारी) के विशेष मुख्य सचिव रजत भार्गव ने बताया कि सरकार शराब की खपत में कमी की नीति के लिए प्रतिबद्ध है। रजत भार्गव ने कहा कि बुद्धिमान निर्णयों के मिश्रण और बिना किसी रिसाव के एक अधिक कुशल प्रणाली के परिणामस्वरूप राजस्व में वृद्धि हुई है। हमने दरों को युक्तिसंगत बनाया है और दुकानों की संख्या 4,500 से घटाकर 2,934 कर दी है। उन्होंने कहा कि बिक्री पर नजर रखने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट और स्टॉक ऑडिट किया जा रहा है।

किचन को ऑइल फ्री चाहते हैं तो आजमाएं ये उपाय

किचन प्रत्येक मनुष्य के जीवन में गहराई तक घुसा हुआ है, खासकर गृहिणियों का तो 4 से 5 घंटे किचन में ही व्यतीत हो जाता है। निश्चित रूप से किचन मैनेजमेंट एक बड़ा टास्क है और आपको प्रत्येक चीज बारीकी से प्रबंधित करनी पड़ती है। इसमें किचन में आयली स्मोक एक बड़ी समस्या होती है, और इसका रीजन यह है कि किचन की दीवारों पर या किचन में रखे दूसरे सामानों पर तेल जैसा चिपचिपा धुआं चिपक जाता है। ऐसे में दीवारों पर गंदगी बैठ जाती है। ऐसे में आपको हाई क्वालिटी की चिमनी की आवश्यकता है, जिसका सक्शन पावर बेहद स्ट्रांग होना जरूरी है ऐसी अवस्था में आप किचन में ऑयली स्मोक से बच सकते हैं साथ ही किचन का लुक भी आपको बेहतरीन प्राप्त हो सकता है। आइए देखते हैं कुछ चिमनिया जिनमें से बेहतरीन को आप यूज करके अपने किशन को ऑयली स्मोक से फ्री कर सकते हैं साथ ही इन चीजों को क्लीन करना भी बेहद आसान है। फेबर जाना मना ब्रांड है और पिरामिड स्टाइल की यह चिमनी हाई सक्शन कैपेसिटी के साथ आती है। इसके कलर अगर बात करें तो मैट ब्लैक फिनिश आपके किचन को एक बढ़िया लुक भी देता है। इसमें 3एक्स स्पीड पुश बटन दिया गया है, साथ ही इसमें 3 लेयर के बफर फिल्टर भी लगे हुए हैं। किचन को स्मोक-फ्री रखने के लिए यह चिमनी एक बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकती है। इसमें 750 मीटर क्यूब पर एचआर की हाई सेक्शन कैपेसिटी दी गई है। साथ ही यह 58स्र बी लोनवाइजर वाली चिमनी भी है। मतलब इसमें आवाज बेहद कम हो सकती है। इस वॉल माउंटेड चिमनी को 2 से 4 बर्नर गैस स्टोव के लिए आप ले सकते हैं साथ ही इसमें दो एलईडी लाइट भी लगे हुए हैं। बफेल फिल्टर वाली यह किचन चिमनी आप को पुश कंट्रोल बटन के साथ मिलती है। इस चिमनी का साइज 60 सेंटीमीटर है यह 2 से 4 बर्नर वाले गैस स्टोव के लिए बेहतरीन साबित हो सकती है। साथ ही मैक्सिमम सक्शन कैपेसिटी के साथ आपके किचन को आयली स्मोक से मुक्त कर सकती है। बता दें कि इस किचन चिमनी को यूजर्स द्वारा 4.5 स्टार की टॉप रेटिंग ही मिली हुई है। तो देखा आपने किस प्रकार से आप किचन चिमनी के सहायता से अपने किचन को स्मोक फ्री रख सकते हैं।

इंसानों ही नहीं, जानवरों में भी होती है मिर्गी

मिर्गी इन दिनों एक गंभीर समस्या बनी हुई है। सिर में लगी चोट, ब्रेन स्ट्रोक आदि की वजह से यह बीमारी लोगों को अपनी चपेट में ले सकती है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति को दौरे पड़ते हैं, जो मामूली होने के साथ ही गंभीर रूप ले सकते हैं। ऐसे में लोगों के बीच इसे लेकर जागरूकता फैलाना काफी जरूरी है। इसी मकसद से हर साल पूरे देश में 17 नवंबर को नेशनल एपीलेप्सी डे मनाया जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो पीड़ित के नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह बीमारी सिर्फ इंसानों को ही नहीं बल्कि जानवरों को भी हो सकती है। कुत्ते और बिल्लियों में मिर्गी के मामले देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप भी एक पेट पेरेंट हैं और आपका पालतू जानवर भी इस बीमारी का शिकार है, तो इन टिप्स की मदद से आप उसे बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे और उनकी देखभाल कर पाएंगे। घर पर हमेशा आइज पैक रखें। मिर्गी का दौरा पड़ने की वजह से शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है। ऐसे में अपने पेट की पीठ पर आइज पैक रखने से मिर्गी के दौरे रोकने में भी मदद मिलेगी। अगर आपका पेट मिर्गी का मरीज है, तो घर पर हमेशा सीबीडी ऑयल भी रखें। दौरा पड़ने के दौरान मुंह में इसकी कुछ बूंदे इसे रोकने में काफी हद तक मददगार साबित होगी। यह तेल भारत में वैध है। अगर आप एक ऐसे पेट के मालिक हैं, जिसे मिर्गी की बीमारी है, तो जितना हो सके अपने पालतू जानवर के लिए स्ट्रेसफुल हालात न बनने दें। ज्यादा एक्सरसाइज, घूमना और अचानक नई चीजे खिलाना आपके पेट के लिए हानिहारक हो सकता है। मिर्गी के शिकार अपने पेट के लिए खाने में रोजमैरी का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। रोजमैरी को मिर्गी के मरीजों के लिए ट्रिगर माना गया है। जितना हो सके अपने पेट को हाई प्रोटीन युक्त खाना खिलाएं। प्रोटीन से भरपूर खाना खाने से आपके पालतू जानवर का पेट अच्छा रहेगा, जिससे उसकी सेहत भी अच्छी बनी रहेगी। आप अपने पेट के लिए घर पर जेलेटिन भी बना कर रख सकते हैं और हर रोज इसका एक टुकड़ा पेट को खिला सकते हैं। जेलेटिन को नर्वस सिस्टम और जोड़ों के उपचार के लिए भी जाना जाता है। मिर्गी से पीड़ित अपने पेट के खाने में कार्बोहाइड्रेट शामिल करने के लिए कुछ सब्जियां खिला सकते हैं। इसके अलावा खाने में फाइबर भी शामिल करना फायदेमंद होगा। अगर आपके पेट को दौरा पड़ा है, तो इसके खत्म होने के बाद उन्हें खाने और पीने को दें, क्योंकि दौरे के बाद उन्हें भूख और प्यास लग सकती है। दौरा पड़ने के बाद कोशिश करें कि आपके पेट को शांत और कम रोशनी वाला माहौल मिल सके। तेज रोशनी से उन्हें परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें शोर और रोशनी से दूर रखें और रिकवर होने का समय दें। अपने पेट की इस बीमारी

दुबलेपन की समस्या को दूर करने के लिए रोजाना खाएं खजूर

खराब दिनचर्या, गलत खानपान और अत्यधिक तनाव लेने की वजह से आजकल कुछ लोग मोटापे से तो कुछ लोग दुबलेपन से परेशान हैं। यह एक आनुवांशिकी रोग भी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। जहां मोटापा शरीर में फैट गेन से होता है। वहीं, दुबलेपन की समस्या गलत खानपान की वजह से होती है। हालांकि, कुछ लोग सोचते हैं कि बार बार खाने से वजन बढ़ जाता है। ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। बार-बार खाने के बदले में दैनिक कैलोरी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए डाइट में उन चीरों को जरूर शामिल करें, जिनमें कैलोरी अधिक रहती है। आप डाइट में प्रोटीन रिच फूड्स को भी शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, वजन बढ़ाने के लिए रोजाना खजूर का सेवन जरूर करें। कई शोधों में खुलासा हुआ है कि रोजाना खजूर खाने से वजन बढ़ता है। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

खजूर के फायदे : खजूर सेहत के लिए बेहद गुणकारी फल है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम और कैलोरी बहुत अधिक होती है। वहीं, खजूर में आवश्यक पोषक तत्व सेलेनियम, कॉपर, फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और मैग्नीशियम पाए जाते हैं, जो मधुमेह, दुबलेपन समेत विभिन्न प्रकार की बीमारियों में फायदेमंद होते हैं।

अब ट्रेन में डायबिटीज के मरीजों को नहीं होना पड़ेगा परेशान

आईआरसीटीसी अब अपने मेन्यू में स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को मेन्यू में स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करने भोजन को मीनू में शामिल किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के कदम का उद्देश्य ट्रेनों में खानपान सेवाओं में सुधार करना गया है कि, ट्रेनों में खानपान सेवाओं में सुधार के उपाय करने की छूट देने का निर्णय लिया गया है ताकि क्षेत्रीय के दौरान आवश्यकता, खाद्य पदार्थों को अलग-अलग सके। साथ ही डायबिटिक फूड, बेबी फूड, हेल्थ फूड गया है। बता दें, मौजूदा वक्त में आईआरसीटीसी अपने द्वारा अनुमोदित कराता है। जिसके बाद से उक्त खाद्य ट्रेनों में बिक्री की जाती है। साथ ही यह भी साफ किया गया है कि, *प्रीपेड* ट्रेनों के लिए जिसमें खानपान शुल्क यात्री किराए में शामिल है। वहां, आईआरसीटीसी द्वारा पहले से अधिसूचित टैरिफ के भीतर मेन्यू तय किया जाएगा। इसके अलावा, इन प्रीपेड ट्रेनों में अ-ला-कार्ट भोजन और एमआरपी पर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की भी अनुमति होगी। इस तरह के अ-ला-कार्टे भोजन का मेन्यू और टैरिफ आईआरसीटीसी द्वारा ही तय किया जाएगा। वहीं, अन्य मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए बजट सेगमेंट आइटम का मेन्यू पहले से अधिसूचित निर्धारित टैरिफ के भीतर आईआरसीटीसी द्वारा ही तय किया जाएगा। बताया गया है कि जनता भोजन का मेन्यू बिना किसी बदलाव के पहले की ही तरह रहेगी।

को भी शामिल कर सकेगा। रेलवे बोर्ड ने अपनी खानपान और पर्यटन शाखा आईआरसीटीसी की छूट दी है। साथ ही मेन्यू में डायबिटिक पेशेंट और छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त ओर से आईआरसीटीसी को भेजे गए एक नोट में कहा गया है कि, इस और यात्रियों को अधिक विकल्प देना है। साथ ही नोट में कहा के रूप में, आईआरसीटीसी को मेन्यू को अनुकूलित व्यंजनों/प्राथमिकताओं, मौसमी व्यंजनों, त्योहारों पसंद के अनुसार शामिल किया जा विकल्पों को शामिल किया मेन्यू को रेलवे बोर्ड पदार्थों की

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**